



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई, 17 1982 (आषाढ़ 26, 1904)

No. 29] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 17, 1982 (ASADHA 26, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अन्य संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

मंध लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 मई 1982

मं० ए० 32014/1/82-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के गामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आवेदनों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी के पद पर सदर्य आधार पर स्थानापन स्वप से काय नहीं के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्र०	नाम	पदोन्नति की अवधि
म०		
—	—	—
मवर्शी		
1.	एम० आर० गेहलौ	1-5-82 से 31-5-82 तक
2	कै० पी० नंत	17-5-82 से 2-8-82 तक

2 आमती ने जन्दर कोर जिन्हे पहले समसंबंध अधिसूचना दिनांक 8 फरवरी, 1982 द्वारा 1-2-82 से 3 मार्ग 1—196GI/82

की ग्रवधि के लिए अनुभाग अधिकारी ने पद पर पदोन्नत किया गया था, 16 फरवरी, 1982 से सहायक के पद पदोन्नत कर दी गई है।

दिनांक 2 जून 1982

मं० ए० 31014/1/82-प्रशा०-III—भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी, 1977 के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग के मंवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में परिवीक्षाधीन नियुक्त श्री महेन्द्र चट्टर्जी को राष्ट्रपति द्वारा उस मंवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में 2 जुलाई, 1981 से स्थायी रूप से महर्ण नियुक्त किया जाता है।

य० रा० गांधी,
अवर गविव
प्रशासन प्रभारी
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1982

मं. प्र०-31014/7/80-प्रशा०-१(विं प्र० प्र००८०को०)~~

राष्ट्रपति अर्थे प्रसाद से श्री एम० स० माधुर, स्थानापात्र तकनीकी गलाहकार (लेखा एवं आयकर), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 28 अप्रैल, 1982 में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में मूल रूप से तकनीकी गलाहकार (लेखा एवं आयकर) के स्पष्ट में नियुक्त करते हैं।

आर० एम० नारायण
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110066, दिनांक मई 1982

म० ओ० दो० 963/72-स्थापता—राष्ट्रपति ने श्री के० जे० स० के० रेड्डी, महायक कमान्डेट 71 वाहिनी, के० रि० पू० बल का व्यागपत्र दिनांक 12-5-82 अप्रैल में स्वाकार कर लिया है।

प० के० मूरी
महायक निवेशक (स्थापता)

नई दिल्ली-110066, दिनांक 15 मई 1982

म० ओ० दो०-900/76-प्रशासन-३—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्रा० बं० एम० राणा जिसका नियुक्ति अनुभाग अधिकारों के पद पर तदर्थ स्पष्ट से दिनांक 12-12-78 (पूर्वान्तर) से की गई थी, की उक्त पद पर दिनांक 7-7-80 में नियमित रूप में नियुक्ति की गई है।

म० ओ० दो०-1/82-प्रशासन-३—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्रा० एन० ए० हीरा, सूबेदार मेजर (कार्यालय अधीक्षक) को महानिदेशालय के रि० पू० बल में दिनांक 1-4-82 (पूर्वान्तर) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति किया गया है।

जे० एम० कुरुणी
उप निवेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1982

म० ओ० दो०-1445/79-स्थापता—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) जयोत्यना तिवेदी को 7 जून, 1982 के पूर्वान्तर से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ स्पष्ट में नियुक्त किया है।

मं० ओ० दो०-1609/81-स्थापता—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) जो० चेल्लाकशु को 12 जून 1982 के पूर्वान्तर से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ स्पष्ट में नियुक्त किया है।

बाई० एन० मक्सेना
उप निवेशक (स्थापता)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रीद्वयिक दुर्क्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 जून 1982

म० ई०-29020/2/82-सा०-प्रशा०-१—राष्ट्रपति 1, जनवरी, 1981 में नियमित अधिकारियों को मूल रूप से के० ओ० स० ब० म० महायक कमान्डेट के स्पष्ट में नियुक्त करते हैं—

1. श्री ईश्वर सिह
2. श्री एम० ए० ब० बोम
3. श्री एन० ए० डी० कौल
4. श्री डी० एम० देवजर
5. श्री के० आर० मी० नायर
6. श्री एम० ए० ग०
7. श्री बी० सरकार
8. श्री एम० लाल राय
9. श्री ए० बी० मजूमदार
10. श्री पी० के० लाहिरी
11. श्री एन० मी० दाम
12. श्री के० ए० पूनूम
13. श्री एम० मी० जाना
14. श्री ए० के० बनर्जी
15. श्री ए० ए० पी० मिन्हा
16. श्री ए० ए० दास
17. श्री ए० सी० मेनगुप्ता
18. श्री ए० ए० जब्रर
19. श्री पी० आर० पिलै
20. श्री अरु० के० मुखर्जी
21. श्री पी० पी० मिवा
22. श्री बी० बी० पूर्वीयाह
23. श्री ए० सी० सूद
24. श्री बाई० ए० खस्ता
25. श्री आर० मी० कालिया
26. श्री चेत राम सिह
27. श्री ए० ए० ए० थापर
28. श्री के० कौल
29. श्री ए० सी० लाल
30. श्री के० जी० थामस
31. श्री पी० के० आर० नायर

32. श्री जॉन चौहान
 33. श्री एम० एल० खुराना
 34. श्री आर० के० भगत
 35. श्री बी० एम० गाना
 36. श्री जी० एम० मन्थ
 37. श्री आर० डॉ० दुबे
 38. श्री ए० एम० शेखावत
 39. श्री एम० एन० प्रमाण (अनुसूचित जाति)
 40. श्री जैड० एम० सागर (अनुसूचित जाति)
 41. श्री आर० एम० उपाध्याय
 42. श्री एम० के० शाह
 43. श्री वी० लूझिस शज
 44. श्री एम० के० शर्मा
 45. श्री सी० एम० वरदाराजा
 46. श्री एम० के० अरोड़ा
 47. श्री अर्जीत मिह
 48. श्री सी० डॉ० बुकरेट
 49. श्री ओ० पी० शर्मा
 50. श्री एम० आर० शर्मा
 51. श्री एम० के० चौधरा
 52. श्री आर० जै० थार्म;
 53. श्री के० एम० अहलवालिया
 54. श्री पी० एम० घण्टन
 55. श्री एल० एन० भोहला
 56. श्री एम० के० चह्ता
 57. श्री पी० आर० भुट्टन
 58. श्री शिव राज मिह
 59. श्री एम० एम० सम्पाल
 60. श्री भूपेंद्र मिह गाना
 61. श्री एम० एल० अब्दगल
 62. श्री वी० मुरलीधरन
 63. श्री जै० एम० नंशुरी
 64. श्री जै० आर० गुप्ता
 65. श्री बी० के० चक्रवर्ती
 66. श्री एम० के० मुखर्जी
 67. श्री एम० के० चक्रवर्ती
 68. श्री जै० एल० कर्माकर
 69. श्री बी० के० पिल्लै
 70. श्री ए० एम० खुरिया
 71. श्री वाई० पी० जोगेश्वर
 72. श्री आर० एम० दाण
 73. श्री सी० शी० राय
 74. श्री डॉ० मै० राय
 75. श्री य० पी० बहरा
 76. श्री ए० एन० द्विवेदी
 77. श्री एल० पी० मिह
 78. श्री नीतमणी
 79. श्री देव राज नाना
 80. श्री ए० एम० भट्टी
81. श्री एग० के० कोहली
 82. श्री भगवनी पमद
 83. श्री पी० पी० जान अर्लिंग
 84. श्री इशम मिह
 85. श्री एच० सी० पतवर
 86. श्री के० एग० मिनहास
 87. श्री पी० एन० देव
 88. श्री एन० एम० यादव
 89. श्री एच० वी० चतुर्वेदी
 90. श्री एन० डै० खजुरिया
 91. श्री आर० आर० भारद्वाज
 92. श्री एच० एम० पश्च
 93. श्री डी० एम० बदवाल (अनुसूचित जनजाति)
 94. श्री एम० के० जमत
 95. श्री जी० एन० जुम्ही
 96. श्री के० सी० भमला
 97. श्री छन्द मोहन
 98. श्री पी० सी० गुर्ता
 99. श्री एम० पी० द्विवेदी
 100. श्री आर० जानकीरमन
 101. श्री जै० एल० शर्मा
 102. श्री सुरेन्द्र मोहन
 103. श्री एन० शमशर्मा
 104. श्री ओ० पी० भसीन
 105. श्री एन० के० आनन्द
 106. श्री एम० के० अर्णि
 107. श्री पी० ए० पाठेश्वर
 108. श्री एम० एन० मिह
 109. श्री एम० आर० दिनेशन
 110. श्री ज्ञानेन्द्र मिह
 111. श्री के० पी० नायर
 112. श्री एम० पी० मृत्तिकान्ती
 113. श्री वी० एन० तिवारी
 114. श्री ओ० के० शर्मा
 115. श्री एन० जै० संकेश
 116. श्री ए० एम० मयुसुवना शर्व
 117. श्री के० ए० वेनिश्रिपा
 118. श्री मै० एल० तिपाठी
 119. श्री जी० आर० धर
 120. श्री एम० थगाचन
 121. श्री जै० एम० सेटी
 122. श्री आर० के० जौला
 123. श्री मर्त्तेष मिह
 124. श्री जी० एम० छिल्लो
 125. श्री एम० आर० नाथ
 126. श्री कृष्णा जौलालेश्वर

के संबंध में पूर्वोक्त प्रोश्नति जब तक कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक सुकदमे में निर्णय निलिखित रहे तब तक पूर्णतया अस्थायी। इस में ह आंग भारतीय गणराज्य नवा दूसरों के खिलाफ दलग रिकांग गये 1979 के सी० आर० केम स० 14818 (डब्ल्यू०) वे ग्रन्तिम पैसले के ग्राहन हैं।

लेखा अधिकारी के संबंध में प्रोन्नति के उपरान्त श्री विद्युत प्रकाश कुन्डू की सेवा श्री एम० बी० गुहा, लेखा अधिकारी जो कि लेखा वर्ग से कार्यालय निदेशक, लेखा परिक्षा, केन्द्रीय राजता में स्थानान्तरित हुए हैं, उनके स्थान पर तैनाती के लिए इस कार्यालय के वरिष्ठ उप-महालेखाकार (लेखा) को सौंपी जाती है।

700001-कलकत्ता, दिनांक 21 जून 1982

स० प्रश्ना० 1/1038-XVIII/106—महालेखाकार उप-प्रधम परिचम ब्रगाल अग्ने आदेश तक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री, सुर्जित नारायण बासु को तदर्थ तथा अस्थायी तीर पर 21-6-82 के पूर्वान्तर या जिस तारीख से वह सचमुच लेखा अधिकारी, के हेसियत में प्रपत्ता कार्यभाग सम्हालत है, उनमें जो भी बदल में हो, लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी आंग स्थानपत्र रूप में नियुक्त करने हैं। यह स्पष्ट रूप भै ममझ लेना चाहिए कि लेखा अधिकारी के संबंध में पूर्वोक्त प्रोश्नति जब तक कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक सुकदमे में निर्णय निलिखित रहे तब तक पूर्णतया अस्थायी रूप से है आंग भारतीय गणराज्य नवा दूसरों के खिलाफ दायर किये गये 1979 के सी० आर० केम स० 14818 (डब्ल्यू०) के ग्रन्तिम फैसले के अधान हैं।

लेखा अधिकारी के संबंध में प्रोश्नति के उपरान्त श्री, सुर्जित नारायण बासु को सेवाये श्री, डी० क० सेनगुप्ता लेखा अधिकारी जो कि छुट्टी में है, उनके स्थान पर तैनाती के लिए इस कार्यालय के वरिष्ठ उप-महालेखाकार (वर्कम) को सौंपी जाती है।

जो० स० मेहरोत्रा, वरिष्ठ
उप-महालेखाकार (प्रश्ना०)

महालेखाकार का कार्यालय, मिक्रिम

गगटोक, दिनांक 8 जून 1982

स० प्रश्ना०/9/2/81-82/1118—सर्व श्री एम० एन० धृपत तथा एम० क० चौधरी, अनुभाग अधिकारी जो कि समश कार्यालय महालेखाकार परिचम ब्रगाल श्री० कार्यालय महालेखाकार, सेवानय, अव्याचल प्रदेश, मिजोरम इत्यादि में प्रतिनिधित्व पर है कि नियुक्ति कार्यालय महालेखाकार सिक्किम में प्रतिनिधित्व पर स्थानापत्र लेखा अधिकारी) के रूप में 31-5-82 (पूर्वान्तर) से ही जाती है।

एम० एस० पार्थसारथी,
वरिष्ठ उप-महा लेखाकार

निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय मध्य रेलवे

ब्रवर्ड वी० टी०, दिनांक 22 जून 1982

स० नै००००/प्रश्ना०/विविध/गोपनीय/2284—श्री, एन० आर० मैथृ स्थानापत्र प्रवरण कोटि अनुभाग आमदार (नेपा

परीक्षा) दिनांक 13-5-1982 (पूर्वान्तर) में इस कार्यालय में स्थानापत्र लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्ति किये गये हैं।

ग० य० गोविंदराजन,
निदेशक लेखा परीक्षक

रक्षा मंत्रालय

प्राइमरी फैसले

कलकत्ता, दिनांक 16 जून, 1982

स० ४/४२/प०/प०—राष्ट्रपति, महोदय निम्नतिखित प्रफसरा का वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के पद पर, प्रत्येक का सामने दर्शायी गई तारीख में पुट करते हैं।

प्रफसरों का नाम	दिनांक
१ डा० पन० स० मालावर	१-४-८०
२ डा० ड० क० सरयान	१-४-८०
३ डा० प० आर० चट्टौपाल्याय	१-४-८०
४ डा० एस० क० भट्टाचार्य	१-४-८०
५ डा० (कुमार) ज० आर० ब० आ	१-४-८०
६ डा० आर० द० पा०	१-४-८०
७ डा० प० ज० म० मर्मार	१-४-८०
८ डा० एस० क० म० मजुमदार	१-४-८०
९ डा० एस० ज० चश्वर्ती	१-४-८०
१० डा० ए० क० मुखर्जी	१-४-८०

स० प्रश्ना० गार० गार० गार०
अपर महानिदेशक, आडेनेस फैक्टरिया/सरस्य
(कार्मिक)

कलकत्ता, दिनांक 22 जून 1982

स० 31/82/ज०—श्री पी० एम० मेन, स्थानापत्र उप-प्रबन्धक, (सैनिक एवं स्थायी कोरमैन) दिनांक 30 सितम्बर, 1981 (पूर्वान्तर) से मेवा निवृत्त हुए।

वी० क० मोहता,
सहायक महानिदेशक, आडेनेस फैक्टरिया

विजय मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

वस्त्र-20, दिनांक 21 जून, 1982

स० स०० पल० ब०० १/१/६ ब००/८२/६—सूर्जि वस्त्र (विभाग) आदेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रदत्त यक्षिया का प्रयोग करते हुए तथा एवं गार० ज० पूर्व ग्रीष्मीय से मैं पूर्वद्वारा रक्त आदाना। अधिसूचना ग० ट०० स००-(12) ५८, दिनांक 7

मार्च, 1958 में निम्नलिखित अधिकारी संशोधन परवत है।
अर्थात् —

उक्त अधिसूचना से सन्दर्भ गार्हणी में अनु० अ० ३ (दो) रा. वाइ. स्टम १, २ तथा ३ से निम्नावत प्रतिपाद्य जाल दी जाएगी।
अर्थात् —

1	2	3
---	---	---

" (३) (नीत) महायक आयुक्त, दिल्ली।
ब्रौथ तथा पूर्ति

सुरक्षा कुमार,
अतिक्रमन वस्त्र आयुक्त

उद्योग संस्थान

ब्रौदार्गिक विभाग विभाग

विकास आयुक्त लघु उद्योग का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जून 1982

म० 12(571)/68-प्रशासन (राज०) — गण्डपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, लृधियान के सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (धातुकर्म) श्री मनमाहन मिहू को दिनांक 27 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, उमा गम्यान में, नदर्थ आधार पर, उप निदेशक (राज्यान) के रूप में नियुक्त करते हैं।

म० 12(100)/68-प्रशासन (राज०) — गण्डपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, भद्राम के सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (धातुकर्म) श्री डी० पी० बास को उमी संस्थान में, दिनांक 31 मई, 1982 (प्रगल्हा) से सरकारी सेवा में सेवा निवृत्त होने की ग्रन्तुमति देते हैं।

म० 12(582)/68-प्रशासन (राजपत्रित) — गण्डपति जी लघु उद्योग सेवा संस्थान, भद्राम के सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (धातुकर्म) श्री डी० पी० बास को उमी संस्थान में, दिनांक 17-५-1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के पद पर नदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

म० 12(583) / 68-प्रशासन (राज०) — गण्डपति, उत्पादन कन्द्र, पट्टमनुर के सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (धातुकर्म) श्री टी० मी० बेणुगोपाल को दिनांक 27 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक उमी संस्थान पर, नदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

म० 12(594)/68-प्रशासन (राजपत्रित) — गण्डपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, वक्तव्यान के सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (धातुकर्म) श्री ए० बी० शास को उमी संस्थान में दिनांक 26-५-1982 (पूर्वाह्न) से, अगले प्रारंभों तक, सहायक निदेशक ग्रेड-1 (धातुकर्म) के पद पर नदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

म० प०-17018(598) / 82-प्रशासन (राजपत्रित) — विकास आयुक्त लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद के लघु उद्योग सम्बद्ध अधिकारी (यान्त्रिकी), श्री ए० के० बोस को लघु उद्योग सेवा संस्थान कालामुख के अधीन विस्थाय कन्द्र, मेरठ में दिनांक 19-५-1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (यान्त्रिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 जून, 1982

म० 12(511)/68-प्रशासन (राजपत्रित) खण्ड-2— राज्यपत्रि, लघु उद्योग सेवा संस्थान, त्रिवूर में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (राज्यान), श्री के० ए० राजन का उसी संस्थान में दिनांक 23-४-1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, नदर्थ आधार पर, उप निदेशक (राज्यान) के रूप में नियुक्त करते हैं।

मी०मी० राय
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान संस्थान नियुक्ति
(प्रशासन अनुसार-6)

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 जून 1982

म० प०-६/२१७(८२३) ७०— गण्डपति, निरीक्षण निदेशक उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु राज्यान) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-II) श्री वी० वी० खस्ता को दिनांक 2-६-1982 में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (मुख्यालय) में उपनिदेशक निरीक्षण (धातु राज्यान) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-II) के रूप में नियुक्त करने हैं।

श्री खस्ता ने दिनांक 2-६-८२ के पूर्वाह्न का निरीक्षण निदेशक उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु राज्यान) का पद भार छोड़ दिया था २-६-८२ (पूर्वाह्न) से म० नि० पू० नि० मुख्यालय में उपनिदेशक निरीक्षण (धातु राज्यान) का पद भार सम्मालित निया।

श्री खस्ता दिनांक 2-६-८२ से २ वर्ष की प्रवाधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 26 जून 1982

म० १०-17011 / 68 / 74-८०-६— गण्डपति, पूर्ति तथा निपटान संस्थान नियुक्ति दिल्ली में सहायक निदेशक निरीक्षण (इजीनियरी) (भारतीय निरीक्षण सेवा गम्यान ग्रेड-II) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति इसी संस्थान नियुक्ति दिल्ली में अवकाश गिरित में १-६-१९८२ से १२-७-१९८२ तक ग्रामी आदेशों के बारे होने तक हरी।

२. श्री अर्निल गुप्ता, नी नदय नियमित में उन्ने नियमित नियुक्ति का दावा करते हैं। हके नदी होगा और तदर्थे आधार पर की गई सेवा वरीयता और आगामी ग्रेड में पदोन्नति की पावना और स्थायीकरण के प्रयोजन के लिए नदी मानी जायेगी।

न० म० प्रशासन
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खात मंत्रालय

(खात विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 18 जून 1982

म० 2891डी/ए०-19012(4-आर० एम०)/78-19
वी—ब्रितिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एवं स्पॉर्स नोरेशन कार्पोरेशन लि०) में स्थाई भर्ती होने के फलस्वरूप श्री रणधीर मिह, डिलर ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं को दिनांक 28-2-76 (पूर्वाह्न) में त्याग दिया है। यह दिनांक 25-7-1980 के कार्यालय अधिसूचना संख्या 5517वी०/ए०-19012 (4-आर० एम०)/78-19वी के अधिकमण में जारी किया जा रहा है।

दिनांक 19 जून 1982

म० 4290वी०/ए०-19012(1-ज० आर० ओ०)/78-19वी—ब्रितिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एवं स्पॉर्स नोरेशन कार्पोरेशन लि०) में स्थाई भर्ती होने के फलस्वरूप श्री जे० आर० ओहरी, डिलर ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं को दिनांक 28-2-76 (पूर्वाह्न) में त्याग दिया है। यह दिनांक 7 अगस्त, 1980 के कार्यालय अधिसूचना संख्या 5950-62वी०/ए०-19012 (4-ज० आर० ओ०)/78-19 वी० के अधिकमण में जारी किया जा रहा है।

ज० स्वामी नाथ
महानिदेशक

भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्राहालय

कलकत्ता, दिनांक 3 जून, 1982

म० 4-182/81/स्था०—निदेशक, भारतीय मानविज्ञान सर्वेक्षण, ने श्री के० छी० लंजेंवर को इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, शिलांग में सांचियकी-विद के पद पर र० 650-1200/- के बैतनमान में अस्थायी रूप से 14 मई, 1982 के पूर्वाह्न में अगले आदेश होने तक नियुक्त किया है।

एम० एम० राजगोपालन
वर्षिठ प्रणामनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1982

म० 29/4/82-एम०-2—महानिदेशक, आकाशवाणी, अन्तद्वारा श्री वी० एम० पाण्ड्या को आकाशवाणी, भूत्र में दिनांक

11-6-82 (पूर्वाह्न) ना काम रेलिया एफसी के पद पर स्थानापन रूप में नियमित करते हैं।

एम० वी० भेदादि
उप निदेशक प्रशासन
कृत महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1982

म० 4(26)/81-एम०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, अन्तद्वारा श्री आर० ए० खनि को 650-30-740-35-810-द० र०-35-880-40-1000-द० २००-10-1200 रूपा के बैतन मान में 15 मार्च 1982 से ग्रगले आदेश तक आकाशवाणी, लखनऊ में अस्थायी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 जून, 1982

म० 10/38/82-स्टाफ- III—कोल इण्डिया लि० में जूनियर प्रजीक्यूटिव ट्रेनी (ट्रैनिंग्सोनिक्स) के पद पर चयन होने पर उनके त्याग पत्र को स्वीकार करने के परिणामस्वरूप, श्री स्वाम लाल चौधरी, महायक इंजीनियर, उच्च शक्ति प्रेपिन्स आकाशवाणी, चिनमूरा, को आकाशवाणी में 15-4-1982 (प्रपराह्न) से उनके कार्यमार्ग में मृत्त कर दिया गया है।

सौ० एल० भसीन
प्रशासन उपनिदेशक
कृत महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून, 1982

म० ए० 32014/3/80-एस० आई०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक में श्री वी० वी० गणपति को 3 मई, 1982 (पूर्वाह्न) ने आगामी आदेशों तक राजकीय चिकित्सा सामग्री भंडार मद्रास में सहायक भंडार प्रबन्धक के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त कर दिया है।

शिव दयाल
उप निदेशक प्रशासन (एस० आई०)

सिचाई मंत्रालय

महाप्रबन्धक का कार्यालय

फरस्का बांध परियोजना

फरस्का, दिनांक 25 जून 1982

स० ई०/पी० एफ०-11/259/4260(5)—इस परियोजना के श्री विश्व नाथ साहा, मोवरसियर (सिविल) को पदोन्नति कर सहायक अभियंता (सिविल) के पद पर, फरस्का बांध परियोजना, सिचाई मंत्रालय, भारत सरकार में तदर्थे आधार पर एक माल की अवधि या जब्त तक नियमित रूप से 27-4-82 के अपराह्न से किया जाता है जिसका वेतन मात्र

650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-10-1000-१०
रो०-40-1200/-। आर० वी० नव्यीदेवन
महाप्रबलश्री
फरक्का बाध परियोजना

ग्रामीण विकास मंत्रालय
विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 जून, 1982

मं० पी० 12026/2/78-प्र० त०—इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में लेखा अधिकारी के रूप में श्री शिव कुमार सूद की प्रतिनियुक्ति, जो आरम्भ में दिनांक 19-11-78 से 2 वर्ष वर्ष की अवधि के लिये थी, और जो बाद में 19-11-80 से 18-2-82 तक की अवधि के लिये बढ़ाई गई थी, प्रतिनियुक्ति की वर्तमान शर्तों पर पुनः आगे की अवधि के लिये दिनांक 19-2-82 से 17-4-82 (पू०) तक बढ़ाई गई है।

गोपाल शरण शुक्ल
कृषि विषयन मंत्रालय
भारत सरकार

भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 24 जून 1982

मं० पी० पी०/79(2)/81 आर० III —क्रय और भंडार निदेशालय, बम्बई में स्थानांतरित होने से श्री रुबेन फिलिप डिमूजा, महार्यक कार्मिक अधिकारी ने 19 जून 1982 पूर्वाह्न से भा० प० अ० केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी का पदभार संभाल लिया।

मं० पी० पी०/81(5)/82-आर०-4—निदेशक, भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इस केन्द्र के स्थायी सहायक फोरमैन तथा अस्थायी फोरमैन श्री दाउदखान हस्न खान को वैज्ञानिक अधिकारी/झंजिनियर ग्रेड ए० स० वी० पद पर, 1 फरवरी 1982 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में अप्रिम आदेशों तक, इसी अनुसंधान केन्द्र में नियुक्त करते हैं।

वी० सी० पाल
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
(संपदा प्रबंध निदेशालय)
बम्बई-400094, दिनांक 11 जून 1982
आदेश

मं० 10/254/71-प्रा०—श्री भूमद्या पोशद्याँ, ट्रैड-मैन 'बी' जो कि संपदा प्रबंध निदेशालय के कार्यप्रभारिन स्थापना में नियोजित है, दि० 23-2-1981 से अपने कार्य से अनधिकृत रूप में अनुपस्थित है।

श्री भूमद्या को दिनांक 10-9-1981 को रजिस्टर्ड भै पावरी द्वारा भेजे गये जापन क्रमांक 10/254/71-

प्रा० द्वारा मूल्चत किया गया था कि उनके विषद्ध सरकारी जांच करने का प्रस्ताव है और उन्हे इस संबंध में अथवा अपना प्रतिवेदन, यदि वे छछुक हों तो, उक्त पत्र की प्राप्ति में 10 दिन के अंदर प्रस्तुत करने का अवश्यक भी प्रदान किया गया था।

श्री भूमद्या ने उक्त ज्ञापन दिनांक 22-9-1981 को प्राप्त कर लिया था, लेकिन उन्होंने कोई प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया।

श्री भूमद्या के विरुद्ध जांच कराने का प्रस्ताव किया गया था और उन्हे वर्तमान जानकारी के अनुसार उनके पते पर रजिस्ट्री द्वारा निम्नांकित पत्र भेजे गये थे, जो कि डाक-तार विभाग द्वारा इस कार्यालय को इस टिप्पणी के साथ लौटा दिए गए थे कि प्राप्तकर्ता विवेश छाना गया है।

(अ) दिनांक 24-11-1981 व 17-12-81 का पत्रांक 10/254/71-प्रा०—श्री भूमद्या को दिनांक 16-12-81 व 4-1-1982 को जांच हेतु उपस्थित होने के लिए निर्देशित करते हुए।

(ब) दिनांक 2-4-82 का पत्रांक 10/254/71-प्रा०—श्री भूमद्या को दिनांक 12-4-82 को जांच हेतु उपस्थित होने के लिए निर्देशित करते हुए।

फिर भी, श्री भूमद्या अपने कार्य से निरन्तर अनुपस्थित रहे हैं और उन्होंने इस निदेशालय को अपना वर्तमान पता भी नहीं बताया है।

चूंकि श्री भूमद्या ने इस निदेशालय को अपना वर्तमान पता बताये बगैर अपनी सेवा का परित्याग कर दिया है, अतः अधोहस्ताक्षरी निर्द्वन्द्व भाव से भाव से यह अनुभव करता है कि श्रवे भूमद्या के विरुद्ध सरकारी जांच कराने का व्यवहारिक दूष्ट से कोई औचित्य नहीं है।

फलस्वरूप, अधोहस्ताक्षरी श्री भूमद्या पोशद्याँ को उनके मेवा कार्य में एतद्वारा निष्कासित करता है।

पी० उशीकृष्णन
निदेशक

बम्बई-400094, दिनांक 5 जून, 1982

आदेश

न० 2/711/81-प्रा०—श्री भास्कर निकम, हैलपर 'बी' मं० प्र० निं० अपने कार्य से दिनांक 1-9-1981 से विना अनुमति से अनुपस्थित है।

श्री भास्कर को वर्तमान जानकारी के अनुसार बंवई तथा जलगाव स्थित उनके पते पर निम्नांकित रजिस्टर्ड प्रावसी पत्र भेजे गये थे, लेकिन उक्त पत्र पते पर श्री निकम के उल्पलब्ध न होने के कारण डाक व तार विभाग ने वे पत्र इस कार्यालय को लौटा दिए हैं।

(अ) दिनांक 17-10-1981 का ज्ञापन—श्री भास्कर निकम्ब को तत्काल अपने कार्य पर अनियंत्रित होने के लिए निर्देशित करते हुए।

(ब) दिनांक 3-11-1981 का ज्ञापन—पुन श्री निकम्ब का अपने कार्य पर अनियंत्रित होने के लिए निर्देशित करने हुए।

(भ) दिनांक 21-11-1981 का ज्ञापन—गह प्रस्तावन करते हुए कि उनके विरुद्ध यथोचित अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी, माथ ही उन्हें उक्त प्रस्ताव के विरुद्ध अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का, यदि वे इच्छुक हो, अबमर भी प्रदान किया जायेगा।

अभी भी श्री निकम्ब अपने कार्य से अनुपस्थित है।

श्री विक्रम दिनांक 1-9-1981 अपने कार्य से अनियंत्रित रूप से अनुपस्थित रहने तथा अपनी सेवाओं का स्वेच्छा में परिवर्त्याग करने के दोषी है।

चूंकि श्री निकम्ब इस कार्यालय को अमना पता बताये बगैर अपने सेवाकार्य से अनुपस्थित है, अत अधेहस्ताक्षरी निर्देश (निर्देश) रूप से यह अनुभव करता है कि इस सामले में भरकारी जाच करने का व्यावाहारिक दृष्टि से कोई औचित्य नहीं है, जैसा कि सी० सी० ग्र० (सी० सी० व ए०) नियमावली 1965 में नियम 14 के अन्तर्गत प्रावधान किया गया है।

अतः अधोस्ताक्षरी परमाणु ऊर्जा विभाग की दिनांक 7-7-1979 की अधिसूचना क्रमांक 22(1)/68प्रणा० द्वितीय तथा सी० सी० ग्र० (सी० सी० व ए०) नियमावली 1965 के नियम 19 (द्वितीय) द्वारा प्रदत्त शिवितों का प्रयोग करते हुए कथित श्री भास्कर निकम्ब को उनकी सेवाओं में तत्काल निष्कायित करता है।

दिनांक 18 जून 1982

आदेश

स० 10/436/77-प्रणा०—श्री बी० जे० मोरे, हैत्यर पौ, जो कि मपदा प्रबंध निवेशालय के कार्यप्रभारित स्थापना में नियोजित है, दिनांक 7-3-1981 से अपने कार्य से अनियंत्रित रूप से अनुपस्थित है।

श्री मोरे को दिनांक 24-7-81 को रजिस्टर्ड पावटी द्वारा भेजे गये ज्ञापन क्रमांक 10/436/77-प्रणा० द्वारा सूचित किया गया था कि उनके विरुद्ध भरकारी जाच करने का प्रस्ताव है और इस संबंध में उन्हें अपना प्रतिवेदन, यदि वे इच्छुक हों तो, उक्त ज्ञापन की प्राप्ति में 10 दिन के अन्दर प्रस्ताव करने का अवमर भी प्रदान किया गया था।

श्री मोरे ने उक्त ज्ञापन दिनांक 28-7-81 को प्राप्त कर लिया था और उन्होंने अपना कोई प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया।

अत श्री मोरे के विरुद्ध भरकारी जाच करने का प्रस्ताव पिला गया था और उन्हें धर्तमान जानकारी के अनुमान जान उनके पांच पर रजिस्टर द्वारा निम्नांकित पत्र भेजे गये थे जो 2-156 CT 82

कि उक्त-तार विभाग द्वारा इस कार्यालय को इस टिप्पणी के पाथ लौटा दिये गए कि प्राप्तकर्ता विवेश अमा गया? —

(अ) दिनांक 24-11-81, 17-12-81, 2-4-82 तथा 13-4-82 को जारी की गयी सूचना—श्री मोरे को दिनांक 16-12-81 4-1-82 12-4-82 तथा 26-4-82 को भरकारी जाच हेतु अनियंत्रित होने के लिए निर्देशन दिये हुए।

फिर भी, श्री मोरे अपने कार्य से निरन्तर अनुपस्थित रहे हैं और उन्होंने इस निवेशालय को अपना वर्तमान पता भी नहीं बताया है।

अत श्री मोरे अपने कार्य से अनुपस्थित रहने तथा अपना कार्य न्यायने के दोषी हैं।

चूंकि श्री मोरे ने इस निवेशालय को अपना वर्तमान पता बताये वगैर अपनी सेवा त्याग दी है, अतः अधोहस्ताक्षरी निर्देश भाव से यह अनुभव करता है कि श्री मोरे के विरुद्ध भरकारी जाच करने का व्यवहारिक दृष्टि से कोई औचित्य नहीं है।

फलस्वरूप, अधोहस्ताक्षरी श्री मोरे को उनके सेवा कार्य में एतद्वारा निष्कायित करना है।

हरिनारायण संकरेना
प्रणालन अधिकारी

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 21 जून 1982

स० विप्राह्म/3(235)/76-स्थापना-18595—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निवेशक, श्री आर० के० सैनी, परमाणु ऊर्जा विभाग सचिवालय के स्थायी सहायक को इस प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर ह० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान पर, जून 16, 1982 के पूर्वाल्प से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

आर० बी० बाजपेयी
भास्त्रान्य प्रणालन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन समिक्षा

हैदराबाद-500762, दिनांक 19 जून 1982

स० ना० ई० न० का प्र० भ० 1603 1643—
नाभिकीय ईंधन समिक्षा के मुख्य कार्यपालक जी निम्नलिखित वैज्ञानिक सहायकों (सी) को नाभिकीय ईंधन समिक्षा में स्थानापन यैज्ञानिक अधिकारी (प्र० बी०) के पद पर ह० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-10-1200 के वेतनमान में उनके नामों के समक्ष

दर्शाइ गई निधियों से एवं प्रारंभिक वेतन पर अगले आदेशों तक के लिए अस्थायी हैमियत पर नियुक्त वरते हैं।—

क्र. सं.	नाम	मूल्य वेतन म.	प्रौन्नति की निधि
संवेदनीय;			
1.	वाई. नारेष्वर शर्मा	315/-	01-02-1982
2.	मुरैदर जौन मिह भाटिया	845/-	01-02-1982
3.	पौ. कौ. दामोदरन	810/-	01-02-1982
4.	महम्मद जहूर-उल-डक	775/-	01-02-1982
5.	जौ. वी. एम० एन० गर्मी	775/-	01-02-1982
6.	जी० जी० फ़िर्दू	775/-	01-02-1982
7.	एम० रामस्वामी	775/-	01-02-1982
8.	वा० गोपाल शर्मा	775/-	01-02-1982
9.	पू० कुण्ठ मिति	775/-	01-02-1982
10.	जौ० वी० सुदूर शर्मा	775/-	01-02-1982
11.	मौ. नारायण शर्मा	775/-	09-02-1982
12.	एम० प्रभाकर शर्मा	740/-	01-02-1982
13.	जी० एन० थार्मेल	740/-	01-02-1982
14.	एम० ए० रुद्रक	740/-	01-02-1982
15.	एम० राजेन्द्र शर्मा	740/-	01-02-1982
16.	कौ० मोहन शर्मा	740/-	01-02-1982
17.	पी० राघव शर्मा	740/-	01-02-1982
18.	मोहम्मद निवार	740/-	01-02-1982
19.	एम० एम० हरि नाथ	680/-	01-02-1982
20.	मैश्यद अजीमुर्दून	710/-	01-02-1982
21.	एच० कुण्ठ मिति	680/-	01-02-1982
22.	बर्म० जबाब०	680/-	01-02-1982
23.	एम० देवराजन	680/-	01-02-1982
24.	पी० शश्मू	680/-	01-02-1982
25.	वी० चंद्र शेखरन	680/-	01-02-1982

जी० जौ० कुलकर्णी
प्रबलक, कार्मिक व प्रणाली

(परमाणु खनिज विभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 28 जून 1982

सं० प्र० ख० प्र०-16/5/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक प्राप्तद्वारा राजस्वान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी उच्च श्रेणी नियिक व स्थानापन्न महायक लेखापाल श्री कौ० वी० गर्मी को परमाणु खनिज प्रभाग म 11 मई, 1982 के पूर्वाह्न में अगले छांदे होने तक स्थानापन्न गण में महायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घाडगे
विश्वेष प्रणाली व लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक, जून 1982

स० 05052/82/का० —भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-अधिकारी, श्री दिवाकर वारिक, भारी पानी

परियोजना (तन्त्रज्ञ) के क्रमायायी कार्यदेशक को उस परियोजना में पृथ्वी 2, 1982 के पूर्वाह्न में आगे आवेदन होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी (प्र० एम० वी०) नियुक्त करते हैं।

२० च० रोटियानका०
प्रणाली अधिकारी

अन्तर्राष्ट्रीय विभाग

मित्रिल इंजीनियर; प्रभाग

बगौरी-560009, दिनांक 19 जून 1982

सं० 6/11/81-मि० इ० प्र०(म०)---अन्तर्राष्ट्रीय विभाग में मित्रिल इंजीनियर, प्रभाग के भूम्य इंजीनियर अन्तर्राष्ट्रीय विभाग के मित्रिल इंजीनियर; प्रभाग में प्राप्तपूर्व “इ०” श्री एम० एन० पाठक का इसी प्रभाग में इंजीनियर एम० वी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक अक्टूबर 1, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आवेदन तक पदोन्नति करते हैं।

एल० राजमोर्याल
प्रणाली अधिकारी-II

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क परं भीमा शुल्क समाहर्ता

पर्दौदा, दिनांक 3 जून 1982

सं० 5/682—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मुख्यालय बड़ौदा, के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ख०” सहायक समाहर्ता श्री न० प०० नगरणेड वृद्धावस्था में पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-5-82 के अपराह्न में निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 9 जून 1982

सं० 6/82—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मंडल-IV, अहमदाबाद के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ख०” सहायक श्री आ०० जौ० देमाई वृद्धावस्था में पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-5-82 के अपराह्न में निवृत्त हो गए हैं।

सं० 7/82—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मंडल-2 बड़ौदा के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ख०” सहायक श्री ए०० जौ० आरोट वृद्धावस्था में पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-5-82 के अपराह्न में निवृत्त हो गये हैं।

सं० 8/82—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मंडल-2 बड़ौदा के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ख०” सहायक श्री ए०० जौ० आरोट वृद्धावस्था में पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-5-82 के अपराह्न में निवृत्त हो गये हैं।

जी० एम० वर्मा
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बड़ौदा

बम्बई-1, दिनांक 21 जून 1982

म० 11/3ई/(ए०)/2/77 पार्ट-1—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय बम्बई-1 में कार्यरत श्री ए० आर० कुडालकर अधीकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, भूमूह “ख” अधिवार्पिकी पर दिनांक 31-4-82 को सेवा निवृत्त हो गये।।

म० 11/3ई/(ए०)/2/77 पार्ट-1—निम्नलिखित कार्यालय अधीकारी को ने तदर्यां प्रोत्साहित पर अपने नामों के आगे दर्शाई गई तारीख से बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय-I में स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी/लखा परीक्षक/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भूमूह “ख” के लिए में कार्यभार सभाल लिया है। सर्वश्री ए० बी० माने तथा आर० बी० वाघ की प्रोत्साहित सर्वथा तदर्यां आधार पर छुट्टी रिक्तियों में की गई है।।

क्रम सं०	नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	श्री ए० जी० गुप्ते	30-3-82 (पूर्वाह्न)
2	श्री आर० ए० शोपने	31-3-82 (पूर्वाह्न)
3	श्री ए० के० माने	31-3-82 (पूर्वाह्न)
4	श्री ए० ए० माने	31-3-82 (पूर्वाह्न)
5	श्री मनोपाठी गणेशन	31-3-82 (पूर्वाह्न)
6	श्री ए० ज० कर्णे (ए० मी०)	31-3-82 (पूर्वाह्न)
7	श्री मनोपाठी दी० महात्मे	31-3-82 (पूर्वाह्न)
8	श्री वी० ए० द्विवेदी (ए० मी०)	31-3-82 (पूर्वाह्न)
9	श्री ए० बी० माने	16-4-82 (पूर्वाह्न)
10.	श्री आर० बी० वाघ	19-4-82 (पूर्वाह्न)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1
समाहर्ता,

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नईदिल्ली-110066, दिनांक 19 जून 1982

स०-22/6/81-प्र०-1 (व) —अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एन्ड्वारा निम्नलिखित पर्यवेक्षकों/तकनीकी सहायकों को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (वर्ग-ब्व) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अधिकारी के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों में, आगामी आवेदनों तक स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।—

क्रमांक	अधिकारी का नाम	कार्यभार संभालने की तारीख
1	श्री के० ए० खीथा	17-3-82 (अप्र० रात्रि)
2	श्री टी० एन० पर्यानाभन	31-5-82 (पूर्वाह्न)

मनोप विश्वास,
अवर सचिव

विधि न्याय और कम्पनी कार्य सभालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और म० नोलकठ इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

म० 273/1013—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एन्ड्वारा यह [सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर म० नोलकठ इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल दर्शन न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

देवेन्द्र नाथ पेंगु,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और शिव खण्डसारी उद्योग, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 18 जून 1982

म० (836) पी० ए० स०/2032—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्ड्वारा सूचना दी जाती है कि शिव खण्डसारी उद्योग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दीनापुर काल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 19 जून 1982

स० (618) पी० ए० स०/29—कम्पनी अधिनियम 1956 धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्ड्वारा सूचना दी जाती है कि दीनापुर कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पटना टाइम्स प्रिलिक्षन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 19 जून 1982

म० (725) पी० ए० स०/30—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्ड्वारा सूचना दी जाती है कि पटना टाइम्स प्रिलिक्षन

प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और चन्द्र गुप्ता प्रकाशन लिमिटेड
के विषय में

पटना, दिनांक 22 जून 1982

सं० (407) 560/78-79/2107—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एन्ड्रेड्स गुप्ता सूचना दी जाती है कि चन्द्र गुप्ता प्रकाशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईकान्त होटल्स प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में

पटना, दिनांक 22 जून 1982

सं० (1210) 560/80-81/2110—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एन्ड्रेड्स गुप्ता सूचना दी जाती है कि ईकान्त होटल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और क्वालिटी आइस क्रीम (जमशेदपुर) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 22 जून 1982

सं० (1311) 78-79/2113—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एन्ड्रेड्स गुप्ता सूचना दी जाती है कि क्वालिटी आइस क्रीम (जमशेदपुर) प्राइवेट लिमिटेड का नाम रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इमास प्रोपटोज एण्ड
फेब्रेक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 22 जून 1982

सं० (1226) 560/78-79/2116—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एन्ड्रेड्स गुप्ता सूचना दी जाती है कि इमास प्रोपटोज एण्ड फेब्रेक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बिहार टाइप फाउन्ड्री प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 22 जून 1982

सं० (1009) 560/78-79/2119—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण

में एन्ड्रेड्स गुप्ता सूचना दी जाती है कि बिहार टाइप फाउन्ड्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ठाकुर चौप
वीडम लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 23 जून 1982

सं० 706/78-79/2132—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एन्ड्रेड्स गुप्ता सूचना दी जाता है कि ठाकुर चौप वीडम लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 गारमेक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 23 जून 1982

सं० (1213) 560/81-82/2135—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एन्ड्रेड्स गुप्ता सूचना दी जाती है कि गारमेक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गाय माहव एस० अरोगा एण्ड
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 23 जून 1982

सं० (268) 3/560/7-8-79/2138—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एन्ड्रेड्स गुप्ता सूचना दी जाती है कि गाय माहव एस० अरोगा एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री नारायण यात्री भवन एण्ड
ट्रिंज़म इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 28 जून 1982

सं० (469) 560/4/81-82/2205—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एन्ड्रेड्स गुप्ता सूचना दी जाती है कि इम तारीख में नीन मास के अवधान पर श्री नारायण यात्री भवन एण्ड ट्रिंज़म इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कागण दर्शन न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ए० वहाव अन्सारा
कम्पनी रजिस्ट्रार, विहार, पटना

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रांट ब्रातलूर यलकोठरानीकस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बगलांग, दिनांक 24 जून 1982

सं० 1689/560/82-83--कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एन्ड्रेड्ग्राम
यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से नीचे भास के
अवसान पर ब्रातलूर यलकोठरानीकस प्राइवेट लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकूल कारण दर्जित न किया गया तो रजिस्टर सं काट
दिया जाएगा और उसके कम्पनी विघटित कर दी जायेगा।

हृ० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कायन्दिय, आयकर आयुक्त राज्य
आवेदन

राज्य, दिनांक 22 जून, 1982

क्षेत्राधिकार-आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124
(1)-आयकर अधिकारी, राझेन्द्र, अचल-1, राज्य
आयकर आयुक्त प्रभार, राज्य का क्षेत्राधिकार—

सं० जुर्मदिक्षण/आई० ए० सी० अममेट-11/82-83
1207-77--आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124
की उपधारा (1) के अवीन प्रदत्त अधिकारों तथा इस
मर्बंध के अन्य सभी अधिकारों का प्रयोग करते हुए एन्ड्रेड्ग्राम
श्रीकृष्ण आयुक्त, राज्य के निर्देश देते हैं कि निर्माणी महायक
आयकर आयुक्त, निर्वाचन परिक्षेत्र-II, राज्य के वर्तमान
क्षेत्राधिकार के सभी क्षेत्रों अपवा व्यक्तियों अववा व्यक्तियों के
समूह अववा सभी आय अथवा आय समूह अववा सभी मामला
का निष्पादन 1-7-82 से आयकर अधिकारी, राझेन्द्र, अचल
1, राज्य करेंगे।

चन्द्रभानु, राठी
आयकर आयुक्त, राज्य

प्रकृष्ट प्राइंट टी॰ एन॰ एस॰---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एम० आर०-२/१०-८।/
५८४२—यह: मुझे नरेन्द्र सिंह

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुन्डका, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्थि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिकर के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मिर सिंह चिरंजी लाल, देवी राम, जय भान,
और लायक राम सुपुत्रगण श्री भोला, निवासी—
ग्राम—मुन्डका, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा गुप्ता पत्नी। श्री विनोद कुमार अग्रवाल,
24/25 माडल बस्ती, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
निए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी वाय अपनित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 विघे 16 विश्वे, स्थापित ग्राम—मुन्डका,
दिल्ली।

नरेन्द्र मिह
गक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रोड 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

मोहर:

प्रकृष्ट बाईं. दौ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्री रमेश्वर और राम मेहर सुपुत्र श्री बलवन्त,

निवासी, ग्राम—रिथला, दिल्ली।

2. श्री संतोष गुप्ता पत्नी स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश, निवासी
मी०-151 नागरणा दिल्ली।

(ग्रन्तिः)

भारत सरकार

ग्रामीण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निवेश म० आई० ए० सी०/एक्य० 2/ग्रम० आर०-
2/10-81/5791—यह मुझे नरेन्द्र सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह दिशासु करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रिथला, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्यों में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), उजास्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह दिशासु
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरीतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदादृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कार्यत नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करदाने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियों करुणा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी वाक्येष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि या उपावद्ध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से [किसी व्यक्तिये द्वारा]

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ या
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्तानरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 10 बिघा 4 बिघवे, स्थापित: ग्राम-
रिथला, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 दिल्ली, नईदिल्ली-110002

तारीख : 25-5-82

मोहर :

कृत: ज्ञ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, भूमि अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

प्रूफप्र आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

विधानिय, महायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निवेदा सं. आई.ए.ए. सी.०/ग्रकू.०/२/एम० आर.०-२/

१०-८१/५७८९—यतः मुझे नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-थ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जमकी में दृष्टि भूमि है तथा जो ग्राम ग्रिथला, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त मंपाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिपत्ति के लिए अन्तरित कर गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा ग्राम
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

दृष्टि भूमि नादादी 10 विघे 4 बिश्वे, ग्राम—ग्रिथला,
दिल्ली।

नरेन्द्र मिह
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की इप्थारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्

तारीख: 25-5-1982-

मोहर:

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

मिर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/२/एम० आर०-२/१०-८१/
६०९९—यतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—बकरघर,
दिल्ली में स्थित है और (इसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली ने भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
नियम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

1. श्री/श्रीमती कुमारी मसागम सुपूर्व रामदेव निवासी ग्राम
बकरघर, दिल्ली।
(अन्तरक)
(अन्तरक)

2. श्रो जंत नाम मुमुक्षु श्री बान्दरी राम, निवासी—ग्राम
—नसीरपुर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त मम्पान्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त मम्पान्ति के अर्जन के मम्पन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तालीम से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृश्वरी

कृषि भूमि नादादी 15 बिंदे 8 बिंदे, स्थान—ग्राम—
बकरघर, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थात् :—

3—156 GT/82

ग्राम शाद नं १८८ ग्राम -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वारे
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज -2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश स० ग्राई० ५० सी०/एक्य०/२/एम० ग्राई०-२/१०-
८१/६१२९—यत् भूमि, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान अधिकृत, जिसका उत्तर बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है,
और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—आफरपुर
एरीया हिन्दून कुदाना, है स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोंकल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकल सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठिन नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक भूमि करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पर
मविधा के लिए;

अत अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

१. श्री मार्गे राम सुपुत्र श्री जोत राम श्री नालनारा
सिंह सुपुत्र श्री जोत राम, निवासी —ग्राम—
हिन्दून कुदाना दिल्ली।

(अन्तरक)

२ श्री ओम प्रकाश, ग्राम नाल और सुभाष चन्द्र सुपुत्र गण
श्री इश्वर दाम निलासी—डब्ल्यू०-जेड-१६४२,
मुलतानी मोहना, रानी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोंकल सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायदाविधि करता है।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूल्यना की तामील से ३० दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकल
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस मूल्यना के गजपत्र में प्रवाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अदाहन्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी १९-बिघे, ग्राम —जाफर-
पुर, एरीया हिन्दूनकुदाना, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
भक्षम अधिकारी
भारतीय आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-२, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

तारीख 25-५-1982
मोहर

प्रकाश प्राईंट ट्री. एन० एस०

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-क (1) अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश म० प्राईंट ए० सी०/एक्य०/२/एम० आर०-२/
10-८१/५८१६—यत मुझे नगद मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन पक्षम प्राधिकारी नो, यह विश्वाम फरने का
कारण है। क स्थावर सम्पाने त्रिपक्षा नावन बाजार मूल्य 25,000/-
इयर से अधिक है।

ग्रींग जिसकी मण्डा कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जटिकरा
दिल्ली में स्थित है (ग्रींग इसमें उपावद्ध अनुसूची में ग्रींग पूर्ण
स्वप सर्वित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल नहीं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह
परिणाम ग्र अधिकारी ने भी उत्तरक (यन्तरकों) घोर अन्तरिता
(अन्तरितियों) के द्वारा एम घन्तरित के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिम्नत उद्देश्य से उक्त घन्तरित निखित में वस्त
विक रूप से कार्यत नहीं किया गया हैः—

(क) घन्तरित स हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उसस बचने म सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी इक्सी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रा
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क न अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री राम नरायण सुपुत्र श्री मार्ल निवासी —जटिकरा,
दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री श्याम मनसानी सुपुत्र श्री एन० एस० मनसानी,
निवासी—ए०-५सी०/२८-ए०, जनकपुरी, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त संपत्ति के घन्तन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घन्तन के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की सारांख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमे प्रयोक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अमृसूची

कृषि भूमि नादादी 14 बिंदे 8 बिंदे, रेक्ट० खसरा न०
27/6, 15, 26/11 ग्राम—जटिकरा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-२, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-५-1982
मोहर .

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/
१०-८१/५८६२—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मूँद कृपि भूमि है तथा जो ग्राम—सिरसुपुर,
दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँदे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पच्छ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधृतः:—

1. श्री पारस राम सुप्रस श्री खेंग चत्व, अह स्वयं ग्रीर
उसके आधारित श्री राजेन्द्र सिंह।

(अन्तरक)
2. श्री राज कुमार सुप्रस श्री अमृत लाल निवासी—
13/33 शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्त
व्याख्या नहीं है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तालाबी 1 बिल्डर, (1300 वर्गगज)
खसरा नं० 644, ग्राम—सिरसुपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

मोहर :

प्रूप आर्ट. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 25 मई 1982

निदेश म ० आई० ग० सी०/एक्य०/२/एम० आर०/२/
10-८१/५४३—यत् मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी म ० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—मुन्डका
दिल्ली में स्थित है (आँग इसमें उपावड़ अन्तर्गत में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अवृत्तवर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अंतरका) और अतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए और/या

अन्तर्गत

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर्ता अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता
के लिए,

मरि सिंह, घिरंजीलाल, देवी राम, जय भार और लायक
राम सुपुत्रगण श्री भोला, निवासी—ग्राम—मुन्डका,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री वृज मोहन बसल मुपुव श्री केवार नाथ बसल,
निवासी-5083 रुई मध्ये मरवर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षेत्राक्षणी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधोय 20-के में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याद में दिया
गय है।

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए और/या

अन्तर्गत

कृषि भूमि तादादी 4 विवे 10 विवे, स्थापित—ग्राम
—मुन्डका, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

भक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत. जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारतः—

तारीख 25-5-1982

भोहर:

प्रस्तुति आई.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

उत्तर दाखिला

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं । आई.टी.एस. 10-81/5832—यन. मुम्भे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विक्रम उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं । कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—मिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
स्पष्ट से वर्णित है), जिस्टीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय जिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
गिती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
परिवर्तन निम्नांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निम्नांकित में वास्तव
विकास में कठित नहीं किया गया है—

1. श्री अतर मिह, दरियाओ सिंह, करतार सिंह सुपुत्र
श्री धरमा, मुख्तीयार सिंह, महेन्द्र सिंह, नफि सिंह
सुपुत्र श्री दत्ता राम, राजीन्द्र सिंह सुपुत्र श्री मरदार
सिंह निवासी ग्राम—मिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री श्याम लाल सुपुत्र श्री मधुरा प्रसाद और गोगद्धन
दास सुपुत्र श्री बरन सिंह निवासी-ए-465 शासी
नगर, दिल्ली।

(अन्तरकी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उत्तर सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक—

(क) इस सूचना के उत्तर में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकरणों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भूमि सम्बन्धी हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविकरणों में से किसी अविकरण द्वारा द्वारा

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उस स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
की सी भूमि अविकरण द्वारा बोहस्ताकरी के पास
लिखित भूमि से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्ता प्रबंधों प्राप्ति का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) उत्तर के हाई कोर्टी वाय की बाबत, उत्तर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कठीन करने वा उससे बदलने में सुविधा के लिए;
जाइ/वा

(ब) ऐसी किसी वाय का किसी भूमि या वाय आस्तिवारी
का, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तिवारी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

कृषि भूमि सादादा 2 विधे 10 विधे स्थापित —ग्राम
—मिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह
सहायक आयकर अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख 25-5-1982

मोहर:

वह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ नी उपाधा (1)
अधीन निम्नलिखित अविकरण दर्शात—

प्रकृत्य आर्ह दी एन. एम.-----

प्रतिक्रिया प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

“69-घ (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निवेंग मं. शार्ड० ३० सी०/पक्ष्य/२/पा० शार०-२/
10-८१/५८०२—अतः मुझे, नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्याख्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स० कृपि भूमि है तथा जो ग्राम—हुलम्बी कला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), उजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में सार्वीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ग्रन्तवर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने शा कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल पर ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिस्ट्रिलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमति में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ए. गोपा पाठांग तांगे

(2) श. बेव प्रसाद ज्यादी सुपुत्र अवधीय श्री दुर्गा प्रमाद ज्यादी निवासी ग्राम श्री पो० दूनवा कला, दिल्ली।

(प्रस्तावना)

श्री दया नन्द सुपुत्र अवधीय श्री गिरे, चन्द, निवास—ग्राम—हुलम्बी कला, दिल्ली-82।

(अन्तर्वक्ता)

कां इह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयांहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णांक व्यक्तियों में भे कियी अर्कित द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उन अन्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

श्रीष भूमि तादां 7 विष्वे 4 विष्वे, खसरा नं. 44/7(4--16) और 44/8(2--8), स्थापित ग्राम—ओर पो० हुलम्बी कला, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह
नक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निर्ग्रहण)
अर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-82

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-५ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/गम० आर०-२/
१०-८१/५८२।—यतः मुझे नरेन्द्र मिह-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-५ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो नजफगढ़ दिल्ली
में स्थित है (आ० इसमें उपावड़ श्रनुसूची में पूर्व हृष्ट में वर्णित
है) रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रेक्टर अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अंदरान नारोख अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

कृपि भूमि नामादी 3 विवे 1 विश्वा, स्थापित—ग्राम—
पजन गढ़, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, जो धारा 269-५ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-५ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:—

तारीख: 25-5-1982

मोहर:

प्रकाश आई०टी०एन०एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, निमांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी००/एव्य००/२/एम० आर००/२/
१०-८१/५८१२—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पावात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसको सं० कुप्रि भूमि है तथा जो ग्राम—मिनाव, दिल्ली में स्थित है (ग्राम से उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, भारतीय अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा, (1) भीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—156 GI/82

1. श्री जगे राम, सुपुत्र श्री जोधा, निवासी—ग्राम—मिना० दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ए० सी० सुद सुपुत्र श्री जी० सी० सुद, निवासी—म००-२, ईस्ट कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, प्रदोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि नावार्ड 18 विधे ग्रीं 3 विश्वे, खसरा नं० 51/12/1(3-5), 21 ईस्ट (०—९), 62/10/1(3—14), 11/2(1—16), 20/2(2—2) 21/1(2-2), 63/16/1(0—18), 25/2(0—18), और 81/16/1(2—19), स्थापित, ग्राम—मिनाव, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

मोहर:

प्रश्न पाईदी० एव० एस०————

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-४(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरोक्षण)

अर्जन रेज २, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक २५ मई १९८२

निर्देश सं० आई० ए० स००/०५क्य० २/०८० आ००-१
१०-१/५८०—अत मुझे नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-४
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रुपये में प्रधिक है

श्रीरजिमकी स० कृपि भूमि है तथा जो ग्राम जटिली, दिल्ली
में स्थित है (अंगू इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), गजिस्ट्रीकॉर्टी अधिकार, वै नियन्त्रित नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रेक्शन अधिनियम, १९०८ (१९०८ वा १६)
के अधीन नारख प्रकल्प १९८१

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक इस सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (बंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के सीब ऐसे अन्तरण के लिए, नय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठिन नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्त की बाबत रक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में का
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

- १ श्री राम नंदगण नृपत्र ए ग०, ग्राम—जटिली,
दिल्ली । (अन्तरक)
- २ श्री गोहेंग शर्मा सुपुत्र रघुनाथ श्री मणि, ग्राम शर्मा,
निवास—म००-०८३३२४ फ्लॉर्स ११८०८, नई दिल्ली,
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना
को नामीन से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षस्त्राधीरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या निवी प्रा० रा० अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम,
या बनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा की २६९-४ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९-४ की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

कृपि भूमि तादाद, ११ विश्वे, रेक्ट० नं० २६,
व्रमण नं० ९, ग्राम—जटिका, दिल्ली ।

नरेन्द्र मिह
सम्म अधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरोक्षण)
अर्जन रेज २ फ्लॉर्स, नई दिल्ली-११०००२

तारीख: २५-५-१९८२
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईटी एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली; दिनांक 25 मई 1982

निर्देश स० आई० प० स०/एक्य० /2/एम० आर०-2/
10-81/5804—उत्तम सुझे नरेन्द्र मिह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके परवानुउत्तरा प्रधिनियम कहा गया है), की भारा 269-उ
के अंतर्गत नरेन्द्र मिह द्वारा को प्रदिव्याम करने का कारण है फि
स्थावर सम्बन्धि जिम्मा उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिम्मा स० अपि भूमि है तथा जो ग्राम भारे गढ़ दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), अजिस्ट्रीकर्ता आयकर के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नारूव अक्तूबर 1981 को

पूर्वोत्तर सम्बन्धि के उचित वाजार मूल्य गे कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और सुझे गढ़ विश्वाम करने का कारण है
कि उपापूर्वोक्त सम्बन्धि का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल न, ऐर दृश्यमान भौतिकता का प्रदृढ़ अविश्वाम अधिक है
और अन्तररक (अन्तर्गत) और अन्तरिती (प्रत्यक्षितियों) क
बाव ऐन अन्तररक है ताकि उत्तरा प्रदाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्धरण 3 के अन्तररक निर्वाचन में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है—

(क) अस्तरण से नुड़ किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में
कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए;

श्री दरीगांगी सिंह सुपुत्र श्री दता राम, ग्राम

नरेन्द्र, दिल्ली।

(अम्तरक)

2 श्री कुलदीप कुमार सुपुत्र श्री मान राम, निवासी
2/46 स्प नगर, दिल्ली।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के ग्रंजन के
लिए कर्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्बन्धि न ग्रंजन के यम्बन्ध में कोई भी अधिकारी—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षितियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मापान होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितियों में
से किसी अविक्षित द्वारा;

(ब) उप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि में हितवद्ध किसी
अन्य अविक्षित द्वारा अधोकृत्ताभरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

संदर्भकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधि-
नियम न अध्ययन 20-6 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उप ग्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

(घ) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

भूमि तादादी 13 विधे 15 विधे, स्थापित-ग्राम—भारे
गढ़, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंजन रेज 2, दिल्ली-110002

उक्त: उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविक्षितियों, अर्थात् :—

तारीख: 25-5-1982

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एम० एस०—————

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
भारा २६९-व (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज २, नई दिल्ली

नई घिन्स्ली, विनांक २५ मई १९८२

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०० /२/एस० आर०-२/
१०—८१/८०१७—यतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
२६९-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—लिबासपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुमूली भैं पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, [१९०८ (१९०८ का १६)
के अधीन तारीख अक्टूबर १९८१

को मूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रासादीक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी कड़ने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुमूली

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना जारी है था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि तादादी १०१० गर्गगज, खसरा, नं० २४/२२, ग्राम
—लिबासपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सकाम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज २ दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा २६९-व की उपभारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: २५-५-१९८२
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०

- श्री रत्नी राम मुनुक श्री गिस राम निवासी—मुंडका, दिल्ली।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एल० आ००-२/
10-८१/६११०—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुंडका, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिश्य में
कमी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कहु
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रशेष-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या भा-
वा किया जाना चाहीए था लिखाये वें सुविधा की
लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के
अधीन, मिम्नलिखित अवित्तों अधीक्त:—

- श्री एच० आर० समरवाल फैमिलै, द्रेस्ट, सी-६९,
किर्ती नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उग अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 विषे खसरा नं० 75/7 मिन (2-8)
और 8(4-12) ग्राम मुंडका, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-५-१९८२

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निवेदित मा० आई० ए० सी००/एक्य० 2/एम० आर०-2/
10-81/6111—यतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जमका मा० कृषि भूमि है तथा जा ग्राम मुन्डका, दिल्ली
में स्थित है (ओर हमसे उपायद्वारा अनुमूल्य में पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रेवर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय
रजिस्ट्रेवर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरिन की गई है और मूँहे यह विश्वास
कारण का बारण है कि शथापवेक्षन सम्पत्ति वा उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एंसे दृश्यमान प्रतिशत का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरदो) और अन्तरिनी
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
घायित्र में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

अनुमूल्य

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

1. श्री रत्न राम मुन्डक श्री शिंग राम, निवासी, ग्राम—
मुन्डका, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्री एच० आर० समरवाल फैमिल, ट्रस्ट, सी-६९
किर्ती नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिता)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी भूमि व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

कृषि भूमि तादादी 6 विधे ग्राम—मुन्डका, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

मोहर:

प्रकृष्ट प्रोफेसर डॉ. एन. एस. -----

1. श्री प्रधाम लाल सुपुत्र श्री मधुरा प्रसाद और गोरधन
रास सुपुत्र श्री नार्सिंह, निवासी --शाश्वी नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री लक्ष्मा नारायण सुपुत्र श्री गुरुदर लाल निर्मली
ठल्लू०-जैड-27, महार्बं० २ नगर, दिल्ली-१४।

(अन्तरक)

जापकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन मच्चा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज ३, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य० २/एम० आ०५०-२/
१०-८१/६११२—यतः मुझे नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि ग्राम्यावार मम्पानि, जिसमें नियम भव्य
25,000/- रु. ग अधिक है

और जिसकी सं० कृपा भी है तथा ग्राम मिरसपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूनी में पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में आरंभ य
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अक्टूबर 1981

को पर्यावरण सम्पन्नत के उपर्युक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ग्राम प्रानि-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में आम
विकल्प में कथित नहीं किया गया है ~

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में मुश्किल
के लिए, और/या

अनुसूची

अधिक भवि नामादी १ विधा, ग्राम मिरसपुर, दिल्ली।

(म) एसी किसी आय दा किसी भत या अन्य आम्लियों
वाले, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाग प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिलाने में मरिया
के लिए;

नरेन्द्र मिह
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रेस रेज-२
नं० दिल्ली-११०००२

मत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः...

तारीख : 25-5-1982

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई विल्सों

नई विल्सों, दिनांक 25 मई 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-२/एस० आर०-२/
10-८१/६११९—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मिरसपुर दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुभूचों में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कामिली नई विल्सों में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिश्लोक के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिश्लोक से, ऐसे दृश्यमान प्रतिश्लोक का
पन्नह प्रतिश्लोक प्रधिक है और अस्तरक (प्रस्तरकों) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
शामिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्राम आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकियों, अर्थात् :—

1. श्री अंतर सिंह, करतार सिंह, दरीयाश्रो सिंह मुपुत्र
श्री धर्मा, निवासी ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली।
(अस्तरक)

2. श्री शाम लाल मुपुत्र श्री मथुरा प्रमाद, निवासी-
बी-1751 शास्त्री नगर, दिल्ली।
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही बढ़ावा दें।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवड़ा किसी भाग अधिकता द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुभूची

कृषि भूमि लालादी 2 विघ्ने 10 विह्वे, ग्राम-सिरसपुर,
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, विल्सों, नई विल्सों-110002

तारीख 25-5-1982

माहूर :

प्रस्तुत आर्द्ध टी. एन एम ----

1 श्री जनत राम सुपुत्र श्री, छन्नर मिह, निवासी—ग्राम पूथकला, दिल्ली।

(अन्तरक)

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

2 श्रीमती भाँपेई देवी; पञ्च, श्री, जीन राम, अनिता सुपुत्री; श्री, जीन राम, राम चन्द, राम कुमार, राज पाल मिह, नरेण, मध्य; निवासी—ग्राम—पूथकला, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंशिकः—

(क) इसूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की रामीन 130 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्बन्ध प्रभानि में हिन्दूद किसी द्वारा व्यक्ति, जो अधिकारी, अधिकारी, अधिकारी के गम विख्यात में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों जा, जा उक्त अधिनियम के प्रधान 20 F में वर्णित है, इस प्रथम हाय, जो उक्त प्रधान 1 दिया गया है।

अनुसूची

(क) अनुसूची 269-घ (1) का वाचत, उक्त अधिनियम के अन्तरक के दायित्व पर रहने वाले अनुसूची के मुविधा के अनुसूची 269-घ-

छुपि भूमि तडांड, 27 विधि 7, 1/2 बिधि, ग्राम—पूथकला, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

महान् अधिकारी, अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखः 25-5-1982

मोहरः

अत अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की द्वारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5-156GI/82

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

जापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० स००/एक्य०-२/एस० आर०-२/

10-81/6113--यतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरमान प्रतिफल से ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा है; और/या

अनुसूची

कृषि भूमि नामादी 1 विधा, ग्राम—मिरसपुर, दिल्ली।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए;

नरेन्द्र मिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 25-5-1982

मोहर:

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० मी०/प्रश्न० 2/प्र० आ०० 2/
10-81/6120—अत. मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (अंगूर इमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय जिस्ट्रिक्युरेंसी अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीर्घ ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभात्:—

1. श्री ग्रतर सिंह, कर्त्तार सिंह, दरियाप्रो सिंह सुपुत्र
धर्मा, राजन्दर सुपुत्र श्री मरदा० सिंह, मुख्यीयार
सिंह सुपुत्र श्री मोहिन्दर सिंह, नफि सिंह, निवासी
ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री श्याम लाल सुपु श्री मधुरा प्रमाद ग्रांड गोराधन
दास सुपुत्र श्री बाहुल सिंह, निवासी, शास्त्री, नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरों
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 2 विधे 10 विधे, ग्राम—सिरसपुर,
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज-2, नई दिल्ली:

निर्देश भ. ० आई.प.० मी.०/पक्ष्य० २/पक्ष्य० आई.०-२/
१०-८१/६१२२ - यत मुझे नरेन्द्र मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मं० फूपि भूमि है तथा जो ग्राम पुर, तहसील
मेहरोली, दिल्ली में स्थित है (अ०८ इरामे उपायद्वारा इन्सुम्ची में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के द्वारा
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीर्टर मधिनियम, 1908 (1908
का 16) के ५वाँ नारंग अवृत्तवर्ष 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी दबावा प्रकट नहों किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्तु:—

1. (1) मैं० १। जस्वी चेरिटेब्ल ट्रस्ट ड्राइव ट्रस्ट; डॉ०
आर० कौ० जेरथ सुपुत्र श्री; अमर नाथ जेरथ
निवासी-सी०-११४ इन्दरपुरी, नई दिल्ली,
(2) डॉ० अशोक कुमार बाली सुपुत्र श्री प०००
प००० बाली, निवासी-ए०-९७ इन्दरपुरी, नई दिल्ली,
(3) श्री जगदेव राज सेहगल सुपुत्र श्री हंस राज,
निवासी सी०-ए०-२२, इन्दरपुरी, नई दिल्ली,
(4) डॉ० अमरजीत मिह राजवन्त सुपुत्र श्री
नरिन्द्र मिह निवासी-सी०-२७। अनबर्ट सवारा-
यर, गोल मार्केट दिल्ली।
(5) डॉ० श्रीमती सुमन बाली; पत्नी डॉ० ए०
क० बाली, प००-९७ इन्दरपुरी, नई दिल्ली।
(6) श्रीमती विनोदिन: जेरथ पत्नी डॉ० आर०
के जेरथ निवासी-मी०-१११ इन्दरपुरी, नई
दिल्ली।
(7) श्रीमती इन्दु सेहगल पत्नी जगदेव राज
सेहगल निवासी ए०-२२, इन्दरपुरी, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मास्टर कमल इन्द्रा निह अ००८ मास्टर अनु इन्द्रा
(माइनर) सुपुत्र श्री अमर इन्द्रा सिंह निवासी
प०-१२, ग्रीनपार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि तालिका ४ बिंधे ४ बिंधे, रेक्ट० नं० २१/७/१
(२—८), २१/४/१(१—१५), १५/२४(१—११) और
२५(३—३) ग्राम—पुर कला, तहसील मेहरोली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र मिह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

तारीख: २५-५-१९८२

मोहर:

प्ररूप बोर्ड.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा।
 169 घ(1) व भीत सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
 अर्जन-रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली: दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० दा०८० गा० स००/कृ००/२०८० श०८० २/
 10-८१/५८९३-एन् मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण, कि स्थावर नाम, निगम उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

ग्रीष्म जिल्ही सं० कृष्णपुर में है यथा जो ग्राम बुरार, दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें उपाधान अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), जिसका अधिकारी वा० कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय नियन्त्रीण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन, जारीख अक्टूबर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्प ह, प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखि० उद्देश्य न उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेसे के अन्तरक के दायित्व में करना करने या उसमें वचन में मुख्या के लिए, बोर्ड/या

(ख) ऐसों इसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कल. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

१ श्री देस। मुपुव श्री खुशल, तिक्स-ग्राम-बुरारी, दिल्ली।

(अन्तर्क)

२ था गुरीन्द्र जात सिंह मुपुव श्री पंडुमन सिंह निवास। -१२/१७ नविन नग, दिल्ली।

(अन्तर्की)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन से तारीख से 45 दिन से प्रथमिया तथा अवधियों पर सूचना सी नामील से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति में हित-वद्व किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा गए हैं।

अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में हिता गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि लादादी 3 बिंदे 4 बिंदे, ग्राम—बुरारी, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
 सभाम अधिकारी
 सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 25-5-1982
 माहर :

प्रृष्ठ पा.इ.टी.एन.एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस० आर०-2/10
—81/5927—यतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
नियमित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) पन्तरण न हुई किसी प्राय की बागत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में रुपी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अभ्य-मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं मन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए जा छिपने में
सुविधा के लिए ;

भूमि नाशदी 17 विष्वे, स्थापित—ग्राम—पालम,
नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत :—

तारीख: 25-5-1982
मोहर:

1. श्री सुनु राम, लछे राम सुपुत्र श्री बिहार सिंह, निवासी
ग्राम—पालम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० अग्रो सीड़स कार्पोरेशन, 26-एफ, कनांट प्लैम
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वसम्बन्धी अधिकारीयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से
किसी अधिकारी द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाड़ किमी
अभ्य अधिकृत द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिचायित हैं; वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्ररूप बाह्य. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एम० आर०-
2/10—81/5926—यतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर गम्भीर, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम होल्स्मी कलां,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपांचाल ग्रन्तुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में
कमी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचिभा के लिए;

1. श्री दया सरूप और ओम प्रकाश सुपुत्र श्री शेर सिंह
निवासी ग्राम—ओर पो० होल्स्मी कला, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री वेन्द्रिंदर सिंह सुपुत्र श्री मंगल सिंह श्री रामनिक
सिंह सुपुत्र श्री लाभ सिंह, निवासी—
बी-235 वेस्ट पटेल नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
उचित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहत्साक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही वर्ध होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8 बिघे 13 बिश्वे, ग्राम—होल्स्मी कला,
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 25-5-1982

मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मंत्रालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निवेश सं० आई० ए० सी०/क्य००/ 2/एस० आर०-२/
10—८१/६१२—यतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नवादा मजरा
हस्ताल, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रोपेसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियां) के बीच उपेसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाय्या
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सहाय्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ग्रन्तर सिंह सुपुत्र श्री रिष्ठा राम निवासी—ग्राम—
नवादा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरविन्दर सिंह सुपुत्र श्री दर्शन सिंह, निवासी—
136 गौतम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तभील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

कृषि भूमि नावादी 716 वर्गगज, खस्तरा नं० 599,
पुरिया ग्राम—नवादा मजरा हस्ताल, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई लिली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/२/एस० आर०-२/
१०—८१/५८९७—यतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कुछ भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली
में स्थित है (और इसे उपावन्द अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981,

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
बम्पी करने या उससे बचने में तुषिता के लिए;
और/या

मनुसूची

कुछ भूमि तादादी 4 लिंगे 6 बिश्वे, ग्राम-बुरागी, दिल्ली।

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भूमि या अन्य वास्तविक यों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सूचित
के लिए;

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ष के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ति:—

6-156181

तारीख: 25-5-1982

मोहर:

1. श्री रणबीर सुपुत्र श्री सोहन लाल, शिवतास सुपुत्र
श्री चेत राम, निवासी—ग्राम—लिंगापुर,
दिल्ली।
2. श्री मोहन लाल सुपुत्र श्री नेत राम, विरबल मिहू
सुपुत्र श्री दिव्य राम, श्री लाल मिहू सुपुत्र श्री
चुना लाल, निवासी—ग्राम—शामपुर, दिल्ली।
(अन्तरिक्त)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
करा है।

प्रस्तुप आई. टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-२/एस० आर०-२/
10-८१/६०१६—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-लिबासपुर
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रयोक्त सपत्नि का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती
(अन्तरीतायों) के दीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि तादादी 1050 वर्गगज, खसरा नं० 24/22,
ग्राम लिबासपुर, दिल्ली।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गज राज सिंह, निवासी—ग्राम शामपुर, दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री अरुण कुमार गुप्ता, निवासी-ई-९, सी० सी०
कालोनी, दिल्ली।
(अन्तरीती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982
मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्य०-२/एस० आर०-२/
१०-८१/५९२३—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम पालम, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बण्ठत है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्हें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री मीर सिंह सुपुत्र श्री पत राम निवासी—ग्राम—पालम,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. एओ सीड़स कार्पोरेशन, 26-एफ, कनाट प्लेस, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं। वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि तादादी 17 दिवसे, स्थापित—ग्राम—पालम,
नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धि (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 25-5-1982
मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं. आई.ए. ए. सी.ए./एसू.०-२/एस० आर०-२/

10-81/5839—यत् मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थोवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी मं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम पपरावट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महिन्दर सिंह सुपुत्र श्री जूप सिंह, निवासी—ग्राम पपरावट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरी सिंह, चान्दगी राम सुपुत्र श्री बिहारी, निवासी—ग्राम पपरावट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वाञ्चल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाञ्चल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थोवर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 बिघे 4 बिश्वे, खसरा नं. 390/2, खाता/खतौनी नं. 156, ग्राम पपरावट, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एत० प्र० प०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नई 1982

निर्देश सं० ग्राहि० प० सी०-प्र०-२/एस० ग्राह०-२/
10-८१/६११७—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम साहिबाबाद
दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायदृ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त मध्यस्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति
फन के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि प्रधापूर्वोक्त मध्यस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से इश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण नियित व्यापक रूप से कथित नहीं किया गया

1. श्री दलेल सिंह सुपुत्र श्री हिंरा सिंह निवासी—ग्राम
साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विजेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री किशोरी लाल निवासी—
बी-एम-35, मालिमार बाग,
श्री सिरीण कुमार सुपुत्र श्री किशोरी लाल, बी-एम-35,
मालिमार बाग, दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त मध्यस्ति के घरें के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य प्राप्तियों को,
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कृषि भूमि तादादी 18 बिश्वे, खसरा नं० 510, ग्राम—
साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रेसप लाइन. टी. एन. एस. —
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निवेश म० आई० ए० सी०/एक्य०-2/एस० आर०-2/
10-81/5877—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—उजवा, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कीभत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाइं किसी ओय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ओय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ओय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः:—

1. श्री अमीर सिंह सुपुत्र श्री जगमल, श्री राम चन्द्र सुपुत्र
श्री सुर्जन, और श्री कालकतार सिंह सुपुत्र श्री रघु नाथ,
निवासी—ग्राम और पो० उजवा, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री रान सिंह सुपुत्र श्री उर्दाम निवासी—ग्राम—
सुलतानपुर मजरा, पो० नांगलोई, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 14 विघे 10 विश्वे, खसरा नं० 6 (5 विघे
6 विश्वे), खसरा नं० 15 (4 विघे 16 विश्वे), और खसरा
नं० 16 (4 विघे 8 विश्वे) मुस्तातील नं० 9, स्थापित ग्राम—
उजवा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-२/एस० आर०-२/१०-८१/
५४१:—ग्रातः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी माल्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुण्डका,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पन्द्रह अंतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
क्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

1. श्री मीर सिंह, चिरंजी लाल, देवी राम, जय भान
ओर लायक राम सुपुत्रगण श्री भाला, तिवासी—ग्रा. म
मुण्डका, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश सुपुत्र श्री हरीश चन्द गुप्ता, निवासी
4368/57 रेगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधांहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिता है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हरे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; आई/या

मनूसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या
भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

कृषि भूमि नावादी 4 बिधे 16 विश्वे, स्थापित—ग्राम
मुण्डका, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 दिल्ली
नई दिल्ली-110002

तारीखः 25-5-1982

मोहरः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः--

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 दिल्ली:

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1982

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू-I/एस० आर०-3/10-81/

1142:- अत मुझे, एम० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मौदी-45 है तथा जो निजामुद्दीन ईस्ट, नई
दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व स्पष्ट
से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह श्रति अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक स्पष्ट में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचते में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तशों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ती-45 निजामुद्दीन ईस्ट नई दिल्ली, एरिया 200
वर्गजगत।

एम० आर० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 16-6-1982

मोहर :

1. डा० (श्रीमती) प्राणता शर्मा पत्नी स्वर्गीय श्री ए०
एम० शर्मा, निवासी मी-3/4 कृष्ण नगर, दिल्ली।
(अत्तरक)
2. श्री मंजय गर्ग सुपुत्र डा० सुरेश चन्द गर्ग, निवासी
मी-5/1, कृष्ण नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवालिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एस० आ०४०-३/१०-८१/

1227—अतः मुझे, एम० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-10 है, तथा जो कालीनी कालीनी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसी उपाबूद्ध अनुसूची में पूर्व
स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीरेटर अधिकारी के द्वारा नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्णियत
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ठे किसी आय की वाकत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उसमें वर्तने में संविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा पक्का नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में
संविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनयों, अर्थात् :—
7-156GI/82

1. नै० आर० सी० सूद एण्ड कं० प्रा० लि०, इरंड
सैनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एवं नई दिल्ली। द्वारा
डाइरेक्टर थी। नतीज गुमार सूद।

(अन्तरक)

2. थी वलवन्न राय शमा निवार्म। एफ-3/25 माइल
टाउन, दिल्ली-९।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या हस्तांबधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृढ़
वृद्धि किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाहनादेव, जो
पाम 11 अं अ 1 के लिए जो सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—दृढ़प्रे प्रयत्न घटा और पर्दा का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/16 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० बी-10, नटेगरी-2,
गुप्त ए, एरिया 886.113/144 वर्गगज, स्थापित फालिनी,
कालीनी, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर एवं पत्र 'निरीक्षण'
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली।

तारीखः 15-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदकर आयक्स (निरोक्षण)

अंजन रेड्डी, दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनाक 15 जून 1982

निदेश सं आई० ए० मी०/प्रकृ०-१/मम० आ०४० 3/10-८१/
129७—अन् मुझे, एम० आ०४० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसका मंज्या ३-१४ रु. गाग है तो नो ग्रैन
पार्क नई दिल्ली में स्थित है (और उसमें उपावन प्रानसूचे
में पूर्ण रूप में प्रणित है), निर्गटीम्हा अधिकारी नायालय,
नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 वा 16) के प्रवीन नायाय अक्तवर 1981

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्यम यह विवाद
कारण का कारण है कि यथापर्वाक्त समर्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और उन्नरक (अतरक्षे) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तट पाण गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्धारित भ
वास्तविक रूप में कथित नहीं दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

अनुसृती

हिस्में प्रो० न० ३-१४, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली,
एच्या ३९ १५ वर्गगज।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितदो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित
के लिए;

एम० आ०४० गुप्ता
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयक्स (निरोक्षण)
अंजन रेड्डी, नई दिल्ली

अन् श्रव, उल्लं अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. कुमारी डिस्प्ल सैंगन सुपुत्रा, नवरीय श्री इन्द्र नाथ
नैगा, निया० ए०११०, या न पार्क नई दिल्ली।
(अन्तर्का)

2. मै० नात्रथ दिल्ली, विल्डर्स प्रा० न्य० २३/२, युम्फ
ग्राम, नई दिल्ली।
(अन्तर्गत)

का यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर समर्पति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त समर्पति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि इस समर्पति वित्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

तारीख १५-६-१९८२
मोहर:

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निदेश मं० आई० ए० स००/एक्य०-३/एम० आर०-३/१०-८१/
११३३—अतः मुझे, ग्रंथ आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर ममातृ, 15 वां उ. नौ दृष्टि ५ ला
25,000/- रु. में अर्थ है।

आर० जिसका सम्बन्ध कृपि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (आर० इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्ण
रूप में वर्णित है), ग्रंथाधीन ना अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1981

का पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ग्रंथ के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रात की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वान्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल में, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
गती (अन्तर्गतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित मा-
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करना या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) पासी किसी आय या निक्षी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भान्क-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तर्राती दृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री राम संहय सुपुत्र श्री जीरा, निवासी ग्राम
आया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 बाबा विरशा मिह फाउन्डेशन, मकान नं० 33,
मैक्टर 4, चण्डोगढ़।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके प्राप्तकर्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामत 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिकारी बाद में समाप्त होती है, के भीसर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि तादादी 11 विधे आर० 5 विष्वे, खसरा नं०
1805(3-13), 1806(3-11), 1829(4-1) ग्राम
आया नगर, नई दिल्ली।

ग्रंथ आर० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 15-6-1982

मोहर

प्रकृष्ट आई. टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I दिल्ली।

नई दिल्ली, विनाक 15 जून 1982

निर्देश मं० आई० ए० स००/एक्य०-I/एम० आर०-3/10-81/

1144—अतः मुझे, एम० आर० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विषयास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-14ए है तथा जो ग्रीन पार्क, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुमूल्य में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ गहरे विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त भवनित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवाहन प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की गति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दारीशन
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
आगे/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे
प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी गीतांजली सुपुत्री श्री कैलाश नाथ सैगल,
निवासी ए-14 ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० सात्रथ दिल्ली विल्डर्म प्रा० लि०, 23/2, युसफ
सराय, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धों व्यक्तियों पर सूचना
की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

15 दिसंबर पुराना प्रो० नं० ए-14ए, ग्रीन पार्क, नई
दिल्ली, थेक्सफल 783 वर्ग गज।

एम० आर० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-J, नई दिल्ली

तारीख : 15-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप ग्राहकों दी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) ने भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अ० 1982

निर्देश सं० ग्राहकों दी० एन० एस०/प्रक्रम०-१/प्रक्रम० ग्राहकों दी० १०-४१/
१२२८—अर्जन सं०, पृष्ठ० आर० गुप्ता,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ३४९ पद्धति उक्त प्रधिनियम कहा गया है), को भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वाप करने वा कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी गवाया वा-१० है, वा जी-१० लिन्द, वा लिन्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ घनसूची में पूर्वी रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी वा रायनियम, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ग्राहक अक्तूबर, 1981 को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कर संदर्भान प्रतिफल के लिए गन्तव्यित का गड़ है और युक्त यह विष्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर संपत्ति जे उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्स्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे गन्तव्य जो नया गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त गन्तव्य लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण ने नई किया गया को बाजार उक्त प्रतिफल के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रुपांतरण करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी ग्राहक पर्सन वर्तन वा अन्य आस्तयों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनायां अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपा। में सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम को भारा 269-घ के ग्रन्तिरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

१ मै० आर० सौ० सूद गण्ड के० प्रा० नि०, ईरोज
सिनेमा विल्डिंग जग्पुरा एवं०, नई दिल्ली द्वारा
उनके डाइरेक्टर वा मनोरुप कुमार सूद।
(अन्तरक)

२ श्री जोनफ ट्रेटन फनन्डेस, बी-५ जंगपुरा, लाल
बहादुर शास्त्री मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारा करने पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५ दिन की अवधि या तक्षमत्वधि व्यक्तियों पर सूचना की नामांत ते ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तर संपत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रन्त्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वर्ता प्रवृत्त होना वा उस ग्रन्त्याय पे दिया गया

अनुसूची

1/16 अविभाजित हस्से भवन का भाग प्लाट नं० बी०-
१०, कटेगरी-२, ग्रुप ए, ८८६ ११३/१४४ वर्गगज, स्थापित
निवासीय कालोनी, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
गहाया आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 15-६ 1982
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं० ०/एक्य०/१/एस० आर०-३/१०-८१/

1182—श्रतः मुझे, पर्मा० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है¹
आर० जिमर्का मख्या सी 333 है तथा जो डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (आर० इसमें उपायद्वारा अनुसूचा में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय गिरिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981
को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनसंधी

मकान नं० सी०-३३३, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली,
सिंगल स्टोरेज बिल्डिंग ऑफिसल 325, वर्गजग ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

एग० आर० गुप्ता
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 16-6-1982

मोहूः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन मूल्यन

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
शर्जन रेज-1, दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निरीक्षण मं० आई० ए० मी०/एक्य०-१/एम० आर०-३/१०-८१/
११४६—अत. मुझे, एम० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मंज्या ई०-३३७ है तथा जो प्रेटर कैलाश-२,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन अनुसूची में
पूर्ण रूप भं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गड्ढ छूट और मुफ्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तर्रातियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
स्थप में कठिन नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में है कि सी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के
दायित्व पर क्या करना या उसमें वर्चन पर मौजूदा
के लिए, और या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या इस अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

एम० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
शर्जन रेज-1, दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैं, मरस्वता बिल्डर्स, जी०-१/१६ दरियागंज, नई
दिल्ली द्वारा मैनेजिंग भारतीदार श्री मर्तिज सेठ
मुरुव श्री आर० मी० सोठ, जी०-१/१६ दरियागंज,
नई दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

2. श्री मुरेश कुमार, निवासी ए०-८, न्यू राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मामने का भाग प्रथम मंजिल ग्रो० नं० ई०-३३७, तादादी
716 बंग फूट, स्थापित प्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली-४८।

तारीख: 15-6-1982
मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्षिक संहायक आयकर आयुक्त (निर्वाचन)
अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं. आई. ०८० म०/ग्रृह्य-१/ग्रृह्य ०८० आ०८०-३/१०-८१/

1207:- अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मांद्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भाटी, नई
दिल्ली में स्थित है (ग्रौं इमें उपावड्ह अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एस० दृश्यमान प्रानकफल वा
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाठ्य गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी वाय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससेवनने में सनिधा के लिए;
जोड़/या

(ख) ऐसी किसी आया या किसी धर्म या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिप्तान में मन्त्रिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अमरो उपा कुमारी अरोड़ा पत्नी श्री मताश चन्द्र,
निवास-सं.००-८/३५, सफदरजंग विकास एरिया नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री यशपाल सुपुत्र श्री खुशाल चन्द्र, निवासी डेनी
गिलांग, गिलांग हाउस, जानकीरम मिट्टी।

(अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वार्ता व्यक्तियाँ पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योंकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 विधे और 3 विश्वे, खसरा नं.
91(0-6), 92(0-4), 93 (0-14), 94 (0-9),
95(0-6), 96(0-7), 97(0-11), 98(3-6), थापित ग्राम
भाटा, लहसील महरीला, नई दिल्ली फरसीघर एण्ड फिलिंज
तथा फारम हाउस महिने।

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली।

तारीख: 15-6-1982
मोहर:

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं ० आई० ए० सी०/एक्य०-१/गम०-आर०-३/१०-८१/
१२३०—अन: मुझे, एम० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मौद्या ₹०-५४० है तथा जो ग्रेटर कैलाश-२
नई दिल्ली में स्थित है, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृङ् किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8 - 156G/82

1. एन० के० भाटिया, पी० के० भाटिया, अनिल भाटिया,
सुनील भाटिया, द्वारा अटारी थीमती राज कुमारी
भाटिया, इन्हें ४१, ग्रेटर कैलाश-१ नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती गनेश समलोक पन्नी भी एम० के० समलोक,
निवासी—मुदर्शन मोटर्स, नया बाजार, धनबाद।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
मूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

अविभाजित हिस्से घाट न० ई०-५४०, ग्रेटर कैलाश-२,
नई दिल्ली दो बैड, दो बाथ रूम, ड्राइंग, डार्निंग, किनेन,
जो प्रथम मंजिल पर है।

एम० आर० गुप्ता,
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 दिल्ली

तारीख: 15-6-1982
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्ञन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/१०-८१/
१३०१:—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कूपि भूमि है तथा जो ग्राम विज्ञान
नई दिल्ली में स्थित है, और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निकद में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई [किसी आय की बावजूद] उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
श्रीराधा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता थाहिए था छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. चौ० किशन अन्द सुपुत्र श्री भाग मल, निवासी ग्राम
विज्ञान, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुचेत सैनी सुपुत्र श्री महादीर शिहु, निवासी
ग्राम-विज्ञान, तहसील महरौली, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्थालय

कृपि भूमि खसरा नं० 58/3(4-16), 16/20(1-14),
2142 मिन (1-4); ग्राम विज्ञान, तहसील महरौली,
नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्ञन रेंज-1, दिल्ली।

तारीख : 15-6-1982

मोहर :

प्रहृष्ट श्राई० दी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

(निर्देश सं० आई० एम० सं०/एक्स०/एक्स०/एस०-आर०-3/10-81)/
1226:—प्रतः मुझे एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या 12 है तथा जो कार्नल्डी कालोनी, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को दृढ़ोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से छाम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे अचर्ते में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

1. मैं आर० सी० सूद एप्ड कं० प्रा० लि० इरो
मिनेमा विलिंग, जंगपुरा एक्स० नई दिल्ली, द्वारा
उसके भागीदार श्री सतीश कुमार सूद।

(अन्तरक)

2. श्री कैलाश नाथ खन्ना, 103, दरिया कलां, चांदनी
चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के
लिए कार्बोवाल्यों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
धार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/16 अविभाजित हिस्से प्रा० नं० 12, कटेगरी नं० 2,
गुग-ए०, एरिया 886 78 वर्गगज, स्थापित कार्नल्डी कालोनी,
नई दिल्ली।

एम० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
गहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली।

तारीख 15-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आवाहा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 25 मई 1982

निर्देश सं 0 आई० ए० सी०/एक्य० 2/एम० आर०-2/10-81/
8518:-—प्रतः मुझे नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सम्पदा 9, ब्लाक ए०-२ है तथा जो राजीर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर हमसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर्स प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सार्विक अक्षुब्ध, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षाभूमोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्नि प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जवाहर लाल और बृज मोहन मोगा सुपुत्र आंकुदन लाल मोगा, निवासी-ग० 2/9, राजीर गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री नानक चन्द मुपुत्र श्री हरद्वारी राम, निवासी ज०-178, राजीर गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आकंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की साक्षीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अग्नि व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मरान लाठ न० ७ ब्लाक न० ए०-२ भूमि का माप 309, वरेगज, निवासी राजीर गार्डन नई दिल्ली।

नरेन्द्र मिह,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली।

तारीख 25-5-1982

मोहन :

प्रधान मार्शल डी॰ एन॰ एस॰--
मायकर भवित्विम, 1961 (1961 का 43) की
दाया 269-ष (1) के अधीन सुनवा

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आधिकार आयुक्त (निसीक्षण)
श्रीजन रंजन-२, दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

म० आई० ८० स०/प्रय० २/प्रग० प्रार०-२/ १०-८१/
६१८७—अत महे नरेन्द्र मिह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
26(१-ख) के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, प्रति विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 11, रोड नं० 63 है, तथा जा पजाबी बांग ग्राम मादीपुर द्विली में स्थित है (और इससे उप-बढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्टुकर्नी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टरेशन अधिनियम, 1908 (1908 क। 16) के अधीन नारीय अक्तूबर, 81 को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि पण्डुर्वोन्न सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया में ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी भाष्य की बाबत उक्त प्रश्नावलीम के संबोधन कर देने के अन्तररक के शायदित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; द्वौर/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर व्यवित्रियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यवित्रियम्, या धनकर व्यवित्रियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगाद्यं अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा का लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यवितयों अर्थात् 1—

1. श्री शिव कुमार गर्मा और श्री कलाण चन्द गर्मा,
निवासी-313/101 डीसे, तुलसी नगर, राहतक रोड,
दिल्ली।

(अन्तर्क)

- २ श्रीमती सारदा देवी, श्री भरत कुमार श्री शर्जुन
कुमार, श्री मुरेश कुमार, विनोद कुमार अप्रवाल,
निवारी सोफाई विला, दार्जिलिंग।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ममति के अर्जन के लिए कायदानियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष ;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्टेटीकरण :—इसमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, ओउत
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिमाणित
है, वही घर्थ होगा जो उस अध्याय में विया
गया है।

३८४

पकान ना राठ न० ॥ राठ न० 66 भूमि का गाँ
279.55, वर्गंगज, स्वर्वित पर्जनी बांग, ग्राम मादीपुर,
दिल्ली प्रशासन दिल्ली ।

नरस्त्र महि,

संक्षेप प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज-2, दिल्ली ।

तारीख 15-6-1982

ਸੋਹੂਰ

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

सं० प्राइ० ए० सी० /एक्यू/२/; एम० प्रार०/१/१०-८१/
४७५:—अतःगुरु नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या ४, ट्राक डी० है, तथा जो पृथ्वी राज-
रोड, आदर्श नगर, दिल्ली-३३ में स्थित है (ओर इसमें उप-
बद्ध अनुमतियों में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी
के कायानिय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अबतूबर,
1981।

को पूर्णोरुत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यशैली नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आव या बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-स की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

1. श्री नितेश राज चायना सुपुत्र श्री दृष्टवर दास चायना
पृ०-१५, स्टेट बैंक कालोनी, दिल्ली।
- (2) वनवारी लाल मेठी सुपुत्र श्री बलदेव राज मेर्टा,
निवासी बी०-४७, मजलिस पार्क, दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्रीमती उनशाम और श्री कमल कुमार, निवासी-
प० ए०-३/६२, साथा वनी कालो० नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही होना करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से विस्तीर्ण व्यक्ति इनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ठाना० ४८, ब्लॉक 'ठी' पृथ्वी राज रोड, आदर्श नगर,
दिल्ली-३३, भूमि तादादी १५० वर्ग गज, ।

नरेन्द्र सिंह,
गवर्नर प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, दिल्ली।

तारीख 25-5-1982

मोहर:

प्रस्तुप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2 दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

सं. श्राई० ए० सी०/एक्यू/२/एम० आर०/२/१०/८१

8526 —अन: मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मछली 5122 ए० है, तथा जो बालाखना, वार्ड
नं० 14 रुई मण्डी, सदर नागर में स्थित है (और इसमें
उपावन्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन लारीख
अक्तूबर, 1998।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्दु यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवांशीकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में किसी करने या छास से बचने में सहित
के लिए; और/या(ख) ग्रेमी किसी आय या किसी धन इन्हीं आस्थाओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने पर
सहित के लिएअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधान (1)
में अधीन, निम्नलिखित अस्तित्व पर्याप्त1. श्री चिरंजी लाल गुप्ता सुपुत्र स्वराय श्री बखतार्वी
मल, निवासी 10148, लाइनेरी रोड, आग्रा मार्केट,
दिल्ली।2. श्रीमती नारायण देश पल्ला एवं अंगीर ताता,
निवासा 1261 रुग महल, गोवेल्टा मिनेमा, दिल्ली-६।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्धोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्तूची

1/2 हिस्से प्रो० न० 5122 ए०, (बालाखना), दो
खण्डों में बना हुआ दुकान न० 5123, भूमि का माप
127.5 वर्गमीटर घण्टा के गाँव और टीन शेडभ जो दुकान
न० 5123 के सामने है, प्रो० न० 5122 वार्ड न० 14,
रुई मण्डी, सदर बाजार, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
मक्षम प्राधिकारी
ग्राहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण
गर्जन रेज 2 दिल्ली)

तारीख: 25-5-6987
प्रोटोटार

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश मं० आई० ए० मं० /एक्य०-2/प्रभ० आरा०-1/10-81/
8516:—अन्. मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिम्मी में छ्या 24/7 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली
में स्थित है (आंग इसे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) वे ग्रहीन तारंग अक्टूबर, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) , र अन्तरिती (अंतरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उदाहरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आदि था। जिपाने में
भूमिधा के लिए

प्र० १० न० २४/७, स्वूनिमिप्ल न० ११६६४ प्राप्ति
२०१ अर्गन्त, शक्ति नगर, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह,

ग्राम प्राधिकारी,

मालाया शागार आयकर (निरीक्षण)
ग्रेन रेज-2, दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वी उपभाग (1)
के अधीन, निरीक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ।

तारंग : 15-6-1982
गोप्य ।

प्रस्तुप बाई०, टी. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून, 1982

निर्देश सं० आई०ए० सी००/एक्य०/२/पल० आट०-१/१०-८१/
8513:—ग्रत. मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारब्ज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसका संख्या 6/159 से 161 है, तथा जो कट्टा बारोयन, दिल्ली में स्थित है (ग्रीष्म इसमें उपाख्य अनुसूची में पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्टरेकर्न अधिकारा के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टरेकर्न अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरिक्ष भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारब्ज है कि यसापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकल्प में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वक्तः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्रतितः—

9—156 GI/82

1. श्री जगद्वाज प्रभाद सुपुत्र श्री मनु लाल, निवासी 6/159 गे 161 फ़ॉर्म बरगद, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. मौ. मध्दार हालिङ्ग प्रा० वि० चलनी चौक, दिल्ली।
द्वाग डाइरेक्टर श्री बी० एम० कौहल।
(अन्तरिता)

को यह सूचना गारी नरके राजवाच नामे वर्जन के लिए कार्यवाहियों करना है।

उक्त समानि व पर्जन के सम्बन्ध में हाई जी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजवाच में प्राप्त जी तारीख से 45 दिन हो अवधि या अन्य विविध विविधों पर सूचना की नापील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती है, वी मीनग द्वारा व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजवाच में प्राप्त जी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा प्रत्योहस्ताभरी के पास तिवित में किए जा सकेंगे।

सम्बोहणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनसूची

प्रो० नं० 6/159 से 161 स्थापिन कट्टा बारोयन, दिल्ली भूमि का माप 280 वर्ग गज।

नरेन्द्र मिह,
नक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखः 15-6-1982

मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
आर्थिक विभाग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड 2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश संख्या ४५३६-पत्र नं. १५३६/प्रधानमंत्री/२/गम ० आय०-१/१०-८१/

८५३६—पत्र मुझे, नरेन्द्र मिहं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिम्म के अन्तर्गत 1633 है तथा जो 19 ए० अमारा रोड,
दरीवा गज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिता है), 'जिस्टीकर्न अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली' में स्थित रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 वि. 16) के अधीन नारंग अफनवर, 1981
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित छोटी राशि है और मध्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिशत से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निरिक्षित से वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक क
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायि-
ता दिए और द्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
या, उक्त भारतीय जाग-राज अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया
था जो किया जाना चाहिए था, इसमें में सुनिभा
वे लिए,

अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी—

1. मै० एम० चन्द्र एण्ड व० १९०, न०८ नग०, नई
दिल्ली, द्वारा उद्दिष्ट श्री प्रज्ञन्द कुमार गुप्त।
मूल्य श्री एस्टम न०८ गुप्त निवास-१६-बी/४,
गोपनीय अर्जन नं. २१८ नई दिल्ली-२।

(प्रत्यक्ष)

2. मै० नरेन्द्र दिलैक्ट्रोनिक्स, ५ ए०/७, अमारा रोड,
दरीवा गज, नई दिल्ली, द्वारा भारतीय अधिकारी
अधिकारी।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी ज्ञात द्वारा,

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर समाप्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्गत में रिप्रेजनेट जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः— इसमें प्रदर्शित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पीछे का भाग 1000 वर्ग फिट, प्रोपर्टी नं. 4633,
स्थापित 19-ए० अंगारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
मक्षम प्राधिकारी,
महाप्रबु अमरनाथ गुप्त (प्रिय अंग),
अर्जन रोड-२ दिल्ली, नई दिल्ली-110002

प्रस्तुत बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० स००/एक्य०/२/एस० आर०-२/१०-

८१/८५३५—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 4633 है तथा जो 19-ए०, अंसारोड, दिरिया गंज, नई दिल्ली से स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अध्य.नं. नं. रीख अक्तूबर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) हुऐ किसी बाय या किसी धन या अन्य आविस्तारों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुनिश्चा के द्वारा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति:—

1. श्री एस० चन्द्र एण्ड कं० लिं०, राम नगर, नई दिल्ली द्वारा डाइरेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री श्याम लाल गुप्ता निवासों-१६-बैठी/४, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-२।

(अन्तरक)

2. मै० टेलिविजन एण्ड कम्पोनेन्ट्स प्रा० लिं० ५-ए०/७ अंसारी रोड, दिरिया गंज, नई दिल्ली द्वारा डाइरेक्टर श्री जे० एस० झवेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के दायपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्तिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्तिध, जो भी वर्तिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

पिछे का भाग 1100 वर्ग फिट, प्रो० नं० 4633, स्थापित 19 ए० अंसारो रोड, दिरिया गंज, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 15-6-1982

मोहर:

प्रस्तुत आहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं 0 अ.हॉ. ० ०० सं०/पकृ०२/गम० आर०२/१०-८१/
६०९५-ग्रन्थ: मुद्रा, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीम जिग्म, कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम खार खार;
रोड, दिल्ली, में स्थित है (श्रीम उपाधि श्रीनृसूचि में
पूर्ण रूप में वर्णित है), जिस्ट्रॉकर्टी अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली, में भारतीय अजस्ट्रक्शन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवीन अक्तूबर 1981
को पूर्वांकित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य विषवास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरारात्रा) द याच एग अ.हॉ. ००१ का १०५ तथा पाठा गया प्राप्त-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
एवं या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम नाथ श्रीर राम मेहर सुपुत्र श्री सालगा,
निवास: ग्राम और पौ. खार-खार। रोड, दिल्ली,
तहसील महरोला।

(अन्तर्गत)

2. श्री मूरत मिह सुपुत्र श्रा चरन मिह, निवास: ग्राम
बमनीला, दिल्ली।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारोहस्ताशरी के
पास लालित में लिए जा सकते।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

कृषि भूमि तादाद 44 बिंदे श्रीम ग्राम खार-
खार। रोड, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह,
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुष्ट (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982
मंहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश स० आई० ए० स०/एक्य० 2/एस० आर०-2/10-81/
6093,—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसके सम्बन्धीय भूमि है तथा जो ग्राम खार खारी रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल रूप निर्णयित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल रूप एमें दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नहीं गया। प्रतिकूल निम्ननिवित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।-

(क) निम्नलिखित आदान पदों की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आदान या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्ति: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुचरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री राम नाथ और राम मेहर सुपुत्र श्रीं सालगा, निवासी ग्राम और पो० खार खारी रोड, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुखबिंदु सिंह सुपुत्र श्री चरन सिंह, निवासी ग्राम और पो० बमनौली, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन्ते किए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन्ते के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों वर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही पर्यायोगात्मक तथा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादे 44 विधे 5 विश्वे, ग्राम खार खारी रोड, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, दिल्लीतारीख : 25-5-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली:

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं ० ग्राइंड ० प० स० ५/एव्यू/२/एस० आर० २/१०-८१/
५९६७-अत्. मुझे नरेन्द्र मिहं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हास्तकृत प्रस्तुति 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, दह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसका नमूना कृति भूमि के तथा जो ग्राम तेजपुर खुदू,
दिल्ली में स्थित है (आई. इमें उपावड़ अनुभूच, में पूर्ण
दृष्टि में वर्णित है), निम्नलिखित अधिकारी के कार्यालय, नई
शिल्ली में भारतीय जिरदारण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन अधिकृत अनुबूत, 1981

को पूदोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाकृति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूषक प्रान्तिया अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अंतरेतियों) के बीच ऐसे अन्तरण में लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नान्वयित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्वित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या नियम तथा अन्य कार्रवाई
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
पत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जा आहिए था, छिपाने गे सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः—

1. श्री बालकिशन जूलका सुपुत्र श्री रेणन लाल जूलका,
और प्रम० रणजीत मिहं सुपुत्र श्री अत्मा मिहं,
निवास: एफ०-३७, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरदयाल कौर और सुरिंदर कौर, निवास:
ब०/५०, कृष्ण पार्क, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यशाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नामांक: 15 बिघे 17 बिघे, खसरा नं०
16/17/2, 23/1, 24/1, 25/20, 26/2/21, 3, 4/1,
8/2, ग्राम तेजपुर खुदू, दिल्ली।

नरेन्द्र मिहं,
मध्यम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली

तारीख: 15-6-1982
मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री काली शम सुपुत्र श्री हामि ग्राम राश मुंदा,
दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना2. श्रमती फौजी, पत्नी श्री काली शम, ग्राम राश मुंदा
राजनपुरा, दिल्ली।

(अन्तरित)

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून, 1982

निर्देश म ० ग्राह्य ०८० म ०/एक्यू/२/एम० आर० २/१०-८१/
५९१४:—अतः मुझे, नरेन्द्र मिह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाग करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसमें सम्मि. एंग मूर्मि है गया जो ग्राम रोजनपुरा,
दिल्ली में स्थित है (आंग इसमें उगावड अनुसूची में पूर्ण
स्पष्ट से वर्णित है), एजिस्ट्रीटरी शिलिंग के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय एजिस्ट्रेटर कर्य अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अवूद्य, 1981को प्रदर्शित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गहर है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्योंके संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके प्रौद्योगिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रौद्योगिक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बृह्य किसी अन्य अधिकता द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
बाइ/था

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;कृपि भूमि तोदाद, 9 विश्वे 19 विश्वे, खगड़ा नं० 678,
557, आंग 558, ग्राम रोजनपुरा, दिल्ली।नरेन्द्र मिह.
सक्षम आधिकार.
सहायक आयकर आयुदा (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, दिल्ली,अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 15-6 1982

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश मं० आई० प० स०१०/पव०/२/गम आ०७०-१/१०-८१

8495—अत. मुझे नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मात्रा 86, छाता 1 है तथा जो कर्ति नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (शीर इनमें उगावड़ अनुसूची में
पूर्व स्थ वर्णित है), विज्ञुकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रत्नस्टीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारख अन्तव्य, 1981
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुग्रह की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे उच्चते में स्विधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. आमता चाद गनी पत्नी; श्री गोस्वामी विहारी लाल
निवासी-1/86, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार मुप्रव श्री कम्तुर लाल, निवास
पाल-77, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोंख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोंख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बना हुआ मकान नं० 1/86, कीर्ति नगर, नई दिल्ली
माप-194, वर्ग गज।

नरेन्द्र मिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 15-6 1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की
धारा 269-घ (1) द्वारा सचिव

भारत मंत्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एस्य०/२/एम०-आर०-२/
10-81/8505—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ग्राउन बाजार मूल्य
25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी मं० बी०-6/10, है तथा जो राजोरी गार्डन, एरिया
बसईदारापुर, में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्व
लूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाठ्य गया ग्राउन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हृष्ट किमी आग को आवध उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारा इसमें कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन्न-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधर्तु :—
10—156 GI/82

(1) श्रीमती नानकी वेदी पत्नी एस० जलवन्त सिंह वेदी
सुपुत्री श्री एस० ठाकूरसिंह
निवासी—बी०-6/10, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।
(पत्रक)

(2) श्रीमती गुरिंदर कोर गली एस० नारदर सिंह,
निवासी—बी०-6/10, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

के पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का घाट नं० बी०-6/10, माप-303.3/10
वर्गज, स्थानिन राजोरी गार्डन, नई दिल्ली एरिया—बसईदारापुर,
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-6-82

मोहुङ्ग :

प्रस्तुप बाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून, 1982

निर्देश सं. आई.ए.० नं. भी०/एक्य०२/एस० आर०-२/
१०-८१/५८५—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा
269-घ के अधीन सदम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धारार माल्य
25,000/- रु. रो अधिक है

और जिसकी सं. जे०-६/१६, तथा जो राजीरी गाड़ेन, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण स्प से वर्णित
है, (रणिस्ट्रीकेट अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 19808 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
ने लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरन सिंह सुप्रिय श्री लहना सिंह मेठी,
निवासी—जे०-६/१८, राजोरी गाड़ेन, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री तिलक गज गम्भीर सुप्रिय श्री हवेली गम गम्भीर
निवासी—बी०-४२, विशाल इनक्लेव, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक बना हुआ मकान नं. जे०-६/१६ राजोरी गाड़ेन,
नई दिल्ली, एरिया ग्राम-ततरपुर, नई दिल्ली, क्षेत्रफल-१६०
वर्गगज

नरेन्द्र सिंह
सदम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक : 15 जून, 1982
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून, 1982

निर्देश मं० आई० ए० मी० /एक्य०/2/ एस० आर०—2
10-81/8481—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 47, है तथा जो बंगला रोड, कमला नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्व रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अण्टतुबर, 1981

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम जे
दृष्टिपात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फट्टह प्रतिशत से ग्रधिक है और
अन्तरव (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) ने बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया पाया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिक
नियम के अधीन कर देने के अंतरको के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने भौं संविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए,

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में गैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भसि :—

(1) श्री प्रकाश चन्द्र जैन सुपुत्र स्वर्गीय श्री परमानन्द जैन
निवासी—47-बंगला रोड, कमला नगर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सूर्यकुमारी पत्नी श्री ए० के० अग्रवाल
निवासी—23/3, शक्ति नगर, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यालयाद्वय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में जालान को नारेख स 45
द्विन की अवधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारूपकरण के
पास निर्भाव में लिए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक
नियम के अध्याय 20-क में गठा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 47, बंगला रोड, कमला नगर, दिल्ली, भूमि का
माप—325.50 वर्गगज, प्रथम मंजिल और उपर।

नरेन्द्र सिंह

मध्यम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 15-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एस००/२/एस० आर०-२/१०-
८१/५६६६—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. २२/३७-टी०, है तथा जो पंजाबी बाग, एसिया
ग्राम शकरपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्रीमती हेमलता सेहगल पत्नी श्री स्वामी नाथ सेहगल,
निवासी-ई/18, एन० पी० एल० कालोनी,
न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) ग्रोम कुमार बाहरी और श्री धीरज कुमार बाहरी
सुपुत्रगण श्री श्रीमते बाहरी, निवासी-६५/११
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

ममता

प्लाट नं. 22, रोड नं. 37, क्लास-झी०, पंजाबी बाग,
एसिया शकरपुर, दिल्ली, माप-279.55 वर्गगज ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-6-1982
माहर :

प्रकरण आई० टी० एस० खस०—

प्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस० आर०-1/
10-81/8486—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवादास रहने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है और जिसकी सं० 47, है तथा जो बंगला रोड, कमला नगर, दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विवादास रहने का कारण है कि यापूर्वीन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उपयोग नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाग की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाग या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए या, किपाने पे सुविधा के लिए;

अतः बबा उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 469-ख की उपलब्धा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रकाश चन्द्र जैन सुपुत्र स्वर्गीय श्री परमानन्द जैन, निवासी—47-बंगला रोड, कमला नगर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मूर्या कुमारी पत्नी श्री ए० के० अग्रवाल, निवासी—23/3 शक्ति नगर मार्ग, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबन्ध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजानन ने काशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अविकृत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ द्वारा, जो उम अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 47-बंगला रोड, कमला नगर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली—110002

दिनांक : 15-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं. आई.ए.सी.ए.प.क्यू. 2/एस.आर. 1/10-
81/8520—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1041 से 1043 है है तथा जो गांधी गली
फतेहपुरी, दिल्ली में स्थित है (आर. इसमें उपावन्द अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के
शायदित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, जिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपरामा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ति—

(1) श्री सुधीर बेजल सुपुत्र श्री रिक्षा राम बेजल
निवासी—ए-299, छिकेस कालोनी, नई दिल्ली आर.
(अन्तरक)

(2) श्री सत नरायण मेहरा और राम नरायण मेहरा,
निवासी-1045 गांधी गली, फतेहपुरी, दिल्ली।
(अन्तरीक्ष)

को यह सूचना जारी करने पर्वान व्यक्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त व्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खी व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
तभी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया।

मन्त्री

धुकान के साथ 3 मैजिला मकान प्रो. नं. 1041 से 1043
स्थापित गांधी गली, फतेहपुरी, दिल्ली, क्षेत्रफल-178 वर्गगज।

नरेन्द्र सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15 जून, 1982
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन भूमि।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी०/गक्य०/2/एस०-आर०-2/
10-81/5806—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० ए०-109, है तथा जो इन्द्रपुरी, ग्राम-नगरयणा,
नई दिल्ली में स्थित है (और उसमें उपाखड़, अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981
को पूर्वोंकर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय दाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
यामनिक रूप से की थी नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री जगन लाल सुपुत्र श्री बाबू राम,

निवासी—33/12, पंजाबी बाग एक्स० नई दिल्ली
द्वारा जेनरल श्री जितेन्द्र कुमार मेहन
सुपुत्र गवर्नर श्री मन प्रताश मेहन,
निवासी—33/12, पंजाबी बाग, एक्स० नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

(2) श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी एस० मोहन सिंह,

निवासी—ई-ए०-1/16 इन्द्रपुरी, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पर्वती व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए आ सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फाट नं० ए०-109, माप-197. 2/9 बगगज, खसरा
नं० 1609 और 1610 इन्द्रपुरी, ग्राम-नगरयणा, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-110002

दिनांक : 15-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की

भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस०-आर०-2/
10-81/5873—प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य भूमि है, तथा जो ग्राम गामपुर, दिल्ली में
स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा प्राधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा
16) के अधीन नारीख अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिरा अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पढ़ह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री रामनाथ मुपुत श्री पतराम ग्रौं शेख गिर गुप्त
श्री दलमन, वे स्वयं और जी० पी० ए० श्री अभय
गाम ग्रौं थाम्बू।

(मन्त्री)

(2) श्री दलमन शिंह गुप्त श्री नाथमण गिर,
निवासों-52/56, गमजास राड, करगल वाग
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
मूच्छना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्त्राक्षरी के पास
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तदादी 1423 वर्गजग, यानी (1 बिघे 8 142
बमरा नं० 32/16 ग्राम-गामपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-5-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एम० आर०-२/
१०-८१/६०३—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु में अधिक है

ग्राम जिल्ही ग०१० नृथि भूमि है तथा जो ग्राम-भिरस्पुरु, दिल्ली
में स्थित है (ग्राम इसमें उपावढ अनुसूचि में पूर्ण स्व में वर्णित
है), रजिस्ट्री नृथि अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह उद्देश्य करने का
कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नविवित उद्देश्य में उस अन्तरण
निषिद्ध में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावजूद उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

अनुसूची

(ख) गंभीर किसी आय या किसी भूमि अन्य आमतयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या नृथि-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बावारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

(1) श्र. योगेन्द्र सुपुत्र श्री मधुरा प्रसाद,
श्री गोरक्षा दाम सुपुत्र श्री वारु सिंह
नृथि मौर्य-१-४६५ शारदा नगर, दिल्ली।

(गतिशील)

(2) श्र. विजय कुमार राहा, सुपुत्र श्री एम० मूल नृथि
(अस्तारता)

... हे रूद्रजा जारी करने के पर्वाना उपर्युक्त के अर्द्धे ऐ लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्वाना
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध फिरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताथा ने
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए
गया है।

कणि भूमि नदादी 1 विधा ग्राम-भिरस्पुरु, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

गक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-२ दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक 25-5-1982

मोहर

प्रस्तुप आई. टो. एन. प.स.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

झज्जर रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश मं. आई. ए. नी. ०/एक्यू.०-२/एम० आर००-२/
१०-८१/५८७२—अत मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन समझ प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी मूल्य वृष्टि मूल्य है तथा जो ग्राम-व्रद्धतावरपुर
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), उक्तीकर्ता अधिकारी के नायालिय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, प्रमें दृश्यमान प्रतिफल वा
पन्द्यह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अतरको) ३०% अन्तरीत
(अन्तरितिया) के बावजूद स अन्तरण के लिए तथा पाया गया अंति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण में है कि की आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के अन्तरक और
उद्दित्त में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) जमी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीत द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
मूविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपायां (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री भगत राम गोदलिया हम्मा मुप्रव श्री नानो,
निवासी-ग्राम ग्रीर पो० व्रद्धतावरपुर दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रा युर्णाराम (एम०) मुप्रव श्री युवराम
निवासी-ग्राम-नो-पारुर कला, दिल्ली, द्वारा गर्म
श्रविभावक और ग्राण्ड फादर श्री मुलतान मुप्रव श्री
काले।
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निविल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनमूली

कुपि भूमिनादादो 14 विष्वे और 8 विष्वे, मुमानील न० 5,
किला न० 12(4-16), किला न० 19(4-16), 22(4-16),
ग्राम-व्रद्धतावरपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह,
संक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर व्रिणा (रिणा)
प्रज्ञन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 25-5-1982
गोहर :

प्रस्तु आदृ. दी. एन्. एस. -----

(1) श्री राजसिंह और हुकम चन्द सुपुत्र श्री जागे राम, निवासो-ग्राम-मदीला, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री धनपाल सिंह सुपुत्र श्री पियारे लाल निवासी-डल्हू-जेड-195 विष्णु गाँव, नई दिल्ली।

(अन्तरीती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-२, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्दश नं. आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/
10-८१/६०३४—अन्तः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन नदम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

आयकर जिमकों गं० कृपि भूमि है तथा जा आम पालम, दिल्ली में स्थित है (आगे इसमें उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है). गिरिमट्टीकर्ता अधिकारी के गार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय नियंत्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

का पवार्डा संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहिता के लिए;

अतः अब, उस अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, उस अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अिथर्तः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यन्द में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी या पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि तादादी 10, 1/2 विश्व, ग्राम-पालम, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सर्थम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-२, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-5-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.ए.व.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

(1) श्री रतन सिंह सुपुत्र श्री सुरत सिंह,
निवासी—ग्राम—घोवरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गंगा विश्वन गुप्ता सुपुत्र श्री काली राम,
निवासी—ई०-३८ राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरद्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/
10/81-6484—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. गे अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—घोवरा, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिहल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल ना रुद्ध प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 11 विधे 11 विश्वे, ग्राम—घोवरा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-110002

अतः अब अधिनियम की वारा 269-घ के अनु-
प्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की गारा 269-घ की उपत्राग
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

दिनांक : 25-5-1982

माहर :

प्रलेप आई० ट०० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३)

धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-२, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक २५ मई १९८२

निवेश स० ग्राह० ३० सी०/पक्ष०/२/एस० ग्राम।—१/१०-८१/८४७७—अत मुझे, नरन्द्र भिहा,

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम लिया गया है') की धारा २६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० बी०-५/४ है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (आग इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, मेरजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ नं। १६) के अधीन विनाक अक्तूबर, १९८१

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ग्राम यूनियन कम न दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरात की भई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ला उचित बाजार मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल ना पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के प्राचे ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ; उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण स ही किसी प्राचे को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायरेव म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यावस्थाओं अर्थात्—

। श्री वर्गन लाल टडन मुप्रत श्री लक्ष्मी राम टडन, नृपा, -३१०। रायपथ अहमद रोड, दिल्ली गा., नई दिल्ली।

(अन्तरक)

1. (१) श्रीमती लाजवन्ती कपूर
- (२) श्री मुरन्दिर कपूर
- (३) श्री महिन्दर कपूर
- (४) श्री विरन्दिर कपूर
- (५) श्री विजय कपूर, मुप्रतगण श्री शाम सुन्दर कपूर, निवासी—वी०-५/१ माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शास्त्रीय—

- (क) इस सूचना के राजस्व त्र प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन को प्रबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख पर ३० दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि वाले म नमान द्वेषी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भूत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मामने का माग—प्रा० न० बी०-५/४, माडल टाउन, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-२, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक २५-५-१९८२

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेटी एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली।

नई विल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश मा० आई० ए० मी०/एक्य०/२/एम० आर०-१/
१०-८१/४८२—अतः मुझे, नरेन्द्र सिह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।आगे जिसकी मा० मी०-२/२९ है तथा जा० राजोरी गाडेन, नई
दिल्ली में स्थित है (आगे इसमें उचित अनुमूल्य में पूर्ण स्वयं संरणित
है), रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा० 16) के अधीन
दिनांक, अक्टूबर, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्पदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने में अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृश्यारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;(1) श्री हरवन्श सिह, द्वारा अटानई एस० मर्वर्जीत सिह,
निवासी—जे०—१६४ राजोरी गाडेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० समीर इलेक्ट्रोनिक्स, सी०-६४, राजोरी गाडेन,
नई दिल्ली द्वारा प्रो० प० श्री महेश चन्द्र गुलाटी।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।**स्थलोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी०-२/२९, राजोरी गाडेन, नई दिल्ली भूमि
का माप---८६.४ वर्गमील, स्थापित—राजोरी गाडेन, नई दिल्ली
एसिया ग्राम बसईदारापुर, दिल्ली।नरेन्द्र सिह,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-5-1982

माहूर :

जस: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगवत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/प्र० आर०/2/
10-81/5917---अन्तः भूमि, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी०/105, है तथा जो अजय इन्क्लेव, ग्राम-
तीहाड़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुमूल्य में पूर्ण
रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतर्रीती
(अन्तर्रीतिया) के बोच एसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाजत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायगल
में कर्मी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में,
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत।—

(1) स्वर्गीय श्री कर्नेल एम० एस० सेठी सुपुत्र ढाँगुरबन्न
तिह, सेठी, तिवासी-जै-31, डब्बन स्टोरी, प्रेस नगर,
नई दिल्ली।

(पन्ना-८)

(2) श्री गण किशोर ग्रांड ग्रावरन लाल गुप्त श्री श्रीवल्ल
निवासी-१२, गुजरनवाला टाउन भाग-२, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी अविक्त दिवारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अत्य अविक्त सूचारा अधांहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

खाली प्लाट नं० डी०/103, तादादी 200 वर्गगज, स्थापित
अजय इन्क्लेव, एस्ट्रिया ग्राम-तीहाड़, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आगवत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-5-1982

मोहर :

प्रलेप आई० टो० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत ग्रंथालय

कार्यालय, सहायता ग्रामकर ग्राम्यकान, (निरीक्षण)

ग्रंथालय रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ग० मी०/एक्य०/2/एम० आरा०/2/10—
81/6140—श्रतः मुझे, नरेन्द्र मिह,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जा रहा है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्रधिकारी को पहले विषयास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति इसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
लौ ने अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपायद्र ग्रन्तुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिगत
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद उसने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्टिगत प्रतिफल से, जैसे दृष्टिगत प्रतिफल का पहले
प्रतिशत से अधिक है और ग्रा० रा० (रक्तरूप), और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच उसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त ग्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से लिया जाना चाहिए।

(क) ग्रन्तरण में दूर्द किसी वाय वा वायत उक्त अधि-
नियम के प्रधान फूर देने के बनारके दावारक सूचना
करने या उसमें बदलने पर मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
संविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्त :—

(1) श्री मगवार नहाय सुरुद्वं श्री करतन,
निवासी—ग्राम-बुरारी, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं नरेन्द्र ग्रामीणलन एण्ड स्टूड फर्म्स,
द्वारा ग्रामीण थी नगरीन गिह,
ग्राई-ई०-23, बडेवालन एक्षम० नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन
के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के मम्बन्ध में कोई व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बल्ली व्यक्तियों पर सूचना
को हामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्यहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किया जा सकें।

रजर्टीफारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

कृषि भूमि (26-08) खण्डग नं० 124/6(4-16),
125/10(3-10), 11(4-10), 12/1(0-2),
19(-18), 20(4-16), 125/12/1(4-0), 125/
22(1-12), 134/2(2-4), ग्राम-बुरारी, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह
मम्बन प्राधिकारी
ग्रामकर ग्राम्यकान (निरीक्षण)
ग्रंथालय रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 25-5-1982
माहूर

प्रकृप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एम०-आर०-१/
१०-८१/८५०२—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ०-९/७ है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली
में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1981

को नूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती ध्यावती बानाटी, पत्नी श्री नित्यानन्द,
निवासी—एफ०-९/७, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजकुमार सापरा, मुपुत्र डा० देव राज सपरा,
निवासी—एफ०-९/७, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण भी हर्दू किसी आय की नावल उक्त अधि-
नियम के अन्तरान कर देन के अन्तरक के दायित्व में
करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
मौर्य।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

दूसरी मंजिल मक्कन नं० एफ०-९/७, माडल टाउन, दिल्ली
कवर्ड एरिया 60 % जो टोटल भूमि का माप—276 वर्ग गज,
है।

नरेन्द्र सिंह
सशम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसृण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-156GI/82

दिनांक : 25-5-82

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
26८०वं (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

जनरलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन००/२/एस० आर०-१/
१०-८१/५७८३—प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की
वारा 24९ वा के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को वह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जे०-५/१५, है तथा जो राजोरी गाँड़ेन, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाधि अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981
की १००००० रुपयोगी के अधिक वारा मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उपर दृश्यमान प्रतिक्रिया है; ऐसे दृश्यमान
प्रतिक्रिया का प्रथम प्रतिशत से पर्याप्त है और प्रस्तर (प्रस्तरकों)
और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे
प्रत्यरूप के लिए तथा याया या प्रतिक्रिया, विमलिष्ठि
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित
गिया नहीं गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचत; उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी ज्ञन वा वन्य वासिताओं
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या बनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रष्ट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रतः वह, उक्त अधिनियम की वारा 26८०वं के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की वारा 26८०वं की उपचारा ।।
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधातः—

(1) श्री मंगल सिंह सुपुत्र एस० जाशा सिंह
निवासी—बी—२०८ जनता कालोनी रघुबीर नगर,
नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरविन्दर कौर साहनी पत्नी मेजर वर्षन सिंह
निवासी—जे०-६/१९, राजोरी गाँड़ेन, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जरी करके पूछोवन सम्पत्ति के अर्थन के
लिए कार्यवाचियों करना है।

उक्त सम्पत्ति ६ एकड़ी के वंचाल में कोई भी वाल्मीकि ।—

(क) इस सूचना के राबपत्र में प्रकाशन की तारीख
से ४५ दिन की अवधि वा तस्वीरें व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हाए;

(ख) इस सूचना के राबपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
द्वितीय किसी घम्य व्यक्ति हाए, घोहस्ताकरी
के पास लिखित में किये जा सकें।

इटटोड्स ——इसमें प्रयुक्त लम्बों और पदों का, जो ‘उक्त
अधिनियम’ के दायाव २०८० में परिवर्तित
हैं, वहाँ अंग होया जो उस दायाव में दिया
गया है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी मकान प्लाट नं० जे०-५/१५, राजोरी गाँड़ेन,
नई दिल्ली भूमि का माप—१६० वर्गगज, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

विनांक : 25-5-82

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/२/एस०-आर०-१/
१०-८१/८५०८—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की घारा
269-प के अधीन नमम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० 31/20 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भू
मास्तीक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल्य में कमी
करने या उससे बचने में अविक्षा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे मारतीय आ०-४० प्रविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-प के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नृथात् :—

1. श्री बी० आर० भट, सुपुत्र श्री बी० मुखिया भट,
निवासी-31/20 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. (1) श्री दलजीत सिंह
(2) राजिन्द्र सिंह
(3) जसबीर सिंह भौंर
(4) श्री जगमोहन सिंह, सुपुत्रगण श्री हरनाम सिंह,
निवासी-31/20 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यकारी शुरू करता हूँ।

उक्त अन्तर्नियन्त्रित अन्तरक को अधीन की अधिकारी भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

मनूसूची

2, 1/2 मंजिला बिल्डिंग नं० 31/20 ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली, भूमि तादादी 200 वर्गमील, लिज हॉल्ड ।

नरेन्द्र मिहं
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-5-1982

मोहर :

प्रस्तुत बाईं. टी. एन. एस.—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत परिवार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

(निर्देश सं० आई० ए० मी० /एक्य०/२/एस०-आर०-१/
१०-८१--आन: मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ओर जिमका सं० भूत्पूर्व नं० 195 ए० है नथा जो वर्तमान नं०
439, कूचा ब्रजनाथ चांदनी चौक में स्थित है (आंतर इसमें उपावड़
अनुमूला में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कारण, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अंतर्तार्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तभ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

उत्त, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कंबरसेन, दक्षत पुन्न श्री बिश्मभर नाथ,
निवासी-438, कूचा ब्रजनाथ चांदनी चौक,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री दानदेव भारद्वाज, सुपुत्र श्री ब्रजावर मन,
निवासा-फस्ख नगर, 683 हाल कटरा हर द्याल,
नई मङ्ग, दिल्ली ।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मकान छाई मंजिला पुँजी, दरोबस्त बयम तहत आरोजी
लगभग 463 वर्गगज या जिम कदर भी भूमि कम व अधिक
सीमाओं के बीच मौजूद है, प्रो० भूत्पूर्व नं० 195/ए०, वर्तमान
नं० 439 बयम कनेक्शन नं० व बिजली—जो उपरोक्त मकान
में नगे हुए हैं; वास्त्वा कूचा ब्रजनाथ, चांदनी चौक, दिल्ली ।

नरेन्द्र मिह
गठम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दानाक : 25-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामीण अधिनियम, 1961 (1961 ज्ञ 43) की धारा
269व(1) के प्रधीन सूचना

मारन सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश न० आई० ए० सी० /एक्य०/2/एस०-आर०-1/
10-81/84-15—अन् मुझे, नरेन्द्र मिह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दसके उच्चात् 'उत्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन प्रत्येक विधानी को, यह विश्वास रखने का कारण
है नि रायकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपयों से प्रधिक है।और जिसकी स० बी०-21 है तथा जो किर्ती नगर, ग्राम-
बसईदारापुर, दिल्ली में स्थित है (आग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), ७५८८८ वर्ता अधिकारी के वर्गीक्रय नई
दिल्ली में रजिस्ट्रेक्शन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिक्रिया न किया गया है और मुझे यह विश्वास
रखने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसमें दृश्यमान प्रतिक्रिया में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पद्धति प्रतिक्रिया विकल्प है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और
प्रत्यक्षरण (अन्तरारीयों) ही बीच में प्रत्यक्षरण के लिए तथा
गया गया प्रतिक्रिया विकल्पित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित
वास्तविक रूप से करने नहीं किया गया है:-(क) अन्तर्क्रिया के द्वारा उक्त अन्तरक के दायित्व में
किया करने द्वारा उसमें वर्तन में सुविधा के लिए,
आर/या(द) गमा किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
में, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रधीनायं प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,मैं अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, भौतिक अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तिगत, अर्थात् —(1) श्री के० के० सेहगल सुपुत्र श्री सीताराम सेहगल,
निवासी 88-सेण्ट्रल टाउन, जलन्दह और अदर्स ।
(ग्रन्तकर)(2) श्रामिकी प्रेमवती देवी पत्नी श्री राम बिलाल गोयल,
निवासी बी०-21, किर्ती नगर, नई दिल्ली ।
(ग्रन्तकरिता)को यह सूचना जारी करके त्रृतीय सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मालौपें:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तकारी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।संख्यांकनण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वहीं
अर्थ होया, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्र० न० बी०-21, भूमि का माप—666 66 वर्गगज,
स्थापित—किर्ती नगर, एसिया ग्राम-बसईदारापुर, दिल्ली ।नरेन्द्र मिह,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली-110002दिनांक 25-5-1982
मोहर

प्रस्तुत जाइ. टै. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी० /एस्य०/।।/एस०-आर०-।।/
10-८।—६।०३—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दृष्टि भूमि है तथा जो ग्राम हमीदपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभार्थ
अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री गिरधारी पुढ़ गुली
निवासी—हमीदपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामाकृष्ण पुढ़ श्री सूक्ते सिंह
निवासी—श्वेतूजेड० 37, नागली जाहव, नई
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांकरण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसनी

दृष्टि भूमि : 15 बीघे 10 बिस्ते खसरा नं० 9/13, 9/12/2,
9/18/1, 9/13/2, 9/19/1, 9/12/2
ग्राम हमीदपुर दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15.6.1982
मोहर :

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्त :—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गिरधारी पुत्र गुरु
निवासी—हर्मादपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना(7) मीरी किणन पुत्र सूबेमिह
निवासी—डब्ल्यू—जैड-37
नांगरा जामब निवासी जनकपुरी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/II/एस०-आर०-11
10-81/6104—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० क्षुधि भूमि है तथा जो ग्राम हर्मादपुर दिल्ली में स्थित है (और इसके उपचर अनुसूची में पूर्ण रूप से शामिल है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवाह करने का कारण है कि वयस्त्रौदृष्टि संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एक दरमान प्रतिफल आपकी अनुकूलता से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरीक्षी (अन्तरितार्थी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इसे किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुद्दिता के लिए; और/या

अनुसूची

(क) एसो किसी जाय वा किसी धन वा अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आण-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

क्षुधि भूमि : 11 ओडा 9 विस्तारम्

बसरा नं० 7/21, 8/25/3, 14/15/1, 14/15/2

ग्राम : हर्मादपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
संभव प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II दिल्ली—110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपलागा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

दिनांक : 15-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० ई० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत शरदार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्र० रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एस०-आर०-II/
10-81/5984—अतः मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपावन्द अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के वार्तिय, ग्राम अर्लीपुर, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांक
अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदौ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री मांगे राम और राम पत

पुत्र वृथ गम,
निवासी ग्राम अर्लीपुर, (दल्ली)।

(अन्तर्क)

(2) श्री भन्जु जैन पत्नी पवन कुमार जैन,
निवासी-3074, गली गंगादार, पहाड़ी धौर्य
दिल्ली।

(अन्तर्विता)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एवं
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जों भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितपद्धत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जों उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 बीघे 9 बिस्ते
खसरा नं० 1844, 1845/2, 1883/2
ग्राम—अर्लीपुर दिल्ली।

नरेन्द्र मिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज दिल्ली, नई दिल्ली-110002

**उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—**

दिनांक : 15-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ३० सी०/एक्य०/२/एम० आर०-२/
१०-८१/६०८०—अतः भूमि, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका निवास बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं० कृपिभूमि है तथा जो ग्राम बुराई, दिल्ली में स्थित
है (ग्राम इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर,
1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौतिकीय
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहूँ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा
यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

13--156GI,82

(1) श्री सुर्योदय कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री आर० श्री अग्रवाल,
निवासी—4869/24, अमारा रोड, दर्शन गंज,
दिल्ली।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्री रमेश गुप्ता सुपुत्र श्री अमर मिहं
निवासी—630 निर्मला निवासी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

फो यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्विरधी व्यक्तियों पर
मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदिध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

कृषि भूमि 9-1/2 बिल्ड, खमरा न० 430/3, बुरारी,
दिल्ली।

नरेन्द्र मिहं
मक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 25-5-1982।

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एस.-----

(1) श्री राम नरायण सुपुत्र श्री मासू
निवासी—ग्राम—जाटिकरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) कुमारी आणा जैन सुपुत्री श्री वी.० ग्रन० पमर्जी,
25 फैल्म यालोर्ना, नई दिल्ली।

(ग्रनांगना)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्णय में आई० ए० मी० /एक्य०-२/ग्रा० आर०-२/
10-81/5867—ग्रन०: मुझे, नरेन्द्र मिह,आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने के
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैश्रीग्रन० की में दृष्टि भूमि है तथा जो ग्राम नटिकरा, विल्लों में
स्थित है (श्रीग्रन० उपर्युक्त अनुमूल्य में पुर्व रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1981को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वान्तर रो अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुमती

दृष्टि भूमि क्षेत्र 9 विधे 19 विधे, रेक्ट० नं० 26, खसरा नं०
13/2, 26/69, मित 26/20/1, ग्राम—जाटिकरा, दिल्ली।(ख) एम्बी किसी आय या किसी अन्य अर्थात्
कर, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

नरेन्द्र मिह

मक्षम प्राविकारा।

महायक आपकर आयक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-160002

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकतः :--

दिनांक : 2.-5-1

माहूर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—————

प्रायोगिक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश मं० आरा० नं० 1675/एक्व००/23-II/82-83-
अत , मुमे० जी० भा० गर्ग,

प्रायोगिक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

आरा० जिसका मुमे० नं० 10 (पी) ज्ञाट नं० १२-२४-२५ है, तथा जा
कानवीवाग, ग्राम से स्थित है (यार इसमें उपावड़ अनुसूची में
आौर पूर्ण त्वय में वर्णित है), अजिस्ट्रेकर्नी अधिकारी के कार्यालय,
ग्राम से अजिस्ट्रेकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, नारौख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को
गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल, से ऐ दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण न किए तथा पाया गया प्रतिफल,
भिन्नलिखित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायोगिक प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मीतरवा कल्पना का भागीदारों
श्रा गोविन्द भाई एफ० मिस्ट्री
फुलथुटी को० —ग्रो०—हाउसिंग—सोसायटी ब्रोड
(अन्तरक)

2. डा० आमता० उलाबेन अशोक कुमार कपड़िया
उपा० नर्मिंग होम
नल्लूभाई चक्रवार्ती चौधरी
(अन्तरिता०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तापील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्तान्तरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जनूल्ली

मिलक्यस जो गम० नं० 40 (पी) ज्ञाट नं० ए 24-25,
का नवीवाग, ग्राम अक्तूबर, 1981 में रजिस्ट्रा की गई है।

जा० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायोगिक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 8-6-1982

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-23-I/82-83, नियन्य अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जून 1982

निर्देश स० प०० आर० न० 1964—अत, मुझ, ज० म००
गंगा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
श्रीरजिमका स० शाहपुर बांड न० 2, मर्वे न० 2162 आर म्य००
गर्वे न० 1028 है, तथा जा हाटन में हुल अक्लेश्वर या हास्टीटल
के नजदीक लाल इवाज। म स्थित है (श्रीरजिमसे उपायद्वं अनुसूच
में आई पूर्ण स्थ० १ वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी, के नियन्य,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अध्यान, तारीख 7 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रत की गई है और मुक्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रांति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपात में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्री रोशन लाल हरखचन्द जैन और अन्य
न्य लाल बगलो, नारायण भुवन, अहमदाबाद

(2) श्रीमती वसन्ती हरखचन्द जैन,
पारम्परुज मोमायटा, अम्बावाड़ा अहमदाबाद
(अन्तरक)

2 श्री ईश्वर भाई बलजीभाई तन्ना / के/आर० होटल मेहनूल,
इलैक्ट्रीमिटी हाउस के सामने।
जै० अक्लेश्वर या हास्टीटल के नजदीक, लाल इवाजा,
अहमदाबाद

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

एष्ट्रीकरणः—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

अनुसूची

मिलकियत जो होटल महुल नाम से प्रचलित है जो शाहपुर
बांड न० 2, मर्वे न० 2162 और म्य००, मर्वे न० 1028 है
जिसका क्षेत्रफल 110 वर्ग याड है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद
रजिस्ट्रेक्टरी रजिस्ट्रेशन न० 12029/7-10-81 है।

ज० म० गंगा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-१, अहमदाबाद

नाम्रता : 10-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर जापक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जून 1982

निर्देश मा० पा० अ० १० ना० १९६५/२३-१/८२-४३ —अर्जन
मुद्दे, जा० सा० गर्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ((जस इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)), को धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

आरजिसकी मा० २१७ पा० १०८० ना० २०८०पा० १०८० पा० ३ ए०
९ + २०/३ है, तथा जो पुण्यश्लाक विकास मंडल, स्वास्थ्यक चाँ
शमता, नवरगपुरा में स्थित है (ग्राम उपावड़ ग्रन्तुसूची में
आई गूर्ण न्यू भै वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकर. रु. १५ वर्षान्य
अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन । ग्रन्तुवर, 1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति वा उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरिताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीया
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था। छिपने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-व के अन्तरण
में, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थात् :—

(1) (1) व.मर्टे. विम नावेत च नभाई शाह
(2) श्री चंतुभाई डॉ व्याभाई शाह नाना प्रपार्टमेंट्स,
महाराष्ट्र, बोम्बे-२६

(अन्तरक)

२. श्री एस० व० गुवल, पुण्यश्लाक विकास मंडल, ५/डॉ.
न्यू हाईवार्ट, नवरगपुरा, अहमदाबाद

(अन्तर्भित)

का यह भूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में काई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

मनकियन जो टा० १० फी० एम० २०, एस० पा० ना० ३, ए०
पी० ना० १९+२०/३ है, जिसक अंतर्फल ५८३ वर्ग यार्ड है, जो
पुण्यश्लाक विकास मंडल, स्वस्तिक चाँग रास्ता के नजदीक,
नवरगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्री
कर्ता रजिस्ट्रेशन ना० ११७४८/१-१०-८१ है।

जो० भी० गर्म
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1982
माहर !

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० पी० आर० 1966/23-1/82-83—यतः, मुझे,
जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० मर्वे नं० 185-1 1 टी० पी० एस० 23 एफ० पी०
नं० 440 है, तथा जो नंदनबाबा सोसाइटी, शाहीवाग, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालय अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नारीख 22 अक्टूबर, 1981

को पर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथित में
वास्तविक रूप सं कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के उपरिवर्तन
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के सिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, इन प्राप्तियों को धारा 269-घ की उपाधि (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

1. (1) श्रीमती शाहीबेन हरीलाल भावसार
(2) श्री कृष्णाकान्त नटवरलाल भावसार
हरीद्वार श्रीजीवाग फ्लैट रोड, तृतीय फ्लैट के
सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. अखबुदा सावरमती को०-ओ०-हा० सोसायटी लिमिटेड
नेयरमैन—भीखाभाई कचरादास पटेल, 1, नंदनबाबा
सोसायटी, शाहीवाग, अहमदाबाद।
(अन्तर्वर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यदाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मर्वे नं० 185-1-1, टी० पी० एस० 23 एफ० पी० नं०
440 कुल क्षेत्रफल 806 वर्ग यार्ड जो गांव अचेर में स्थित है तथा
मब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं०
12791/22-10-81 और 12776/22-10-1981 है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 11-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्री बोडाभाई गनेशभाई लाटी बाजार, सुरेन्द्रनगर
(अन्तरक)

2. श्री गारदा विजय शो मिल की ओर से पटेल अर्जन
नेजाभाई, लाटी बाजार, सुरेन्द्रनगर
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1963/23-1/82-83—यतः,
मुझे, जी० सी० गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो लाटी बाजार, सुरेन्द्रनगर
में स्थित है (और इसमें उपांग अनुमूली में और पूर्ण स्पष्ट में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बठकान में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) का 16) के
अधीन अक्षतवर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंदूह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण रिक्षित
में वास्तविक स्पष्ट से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी धरने या उसमें बचन में सुनिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1921
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम 1957
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था इसके सं
सुविधा के लिए;

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 440 वर्ग यार्ड है जो लाटी
बाजार सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार बठकान रजिस्ट्री-
कर्ता विशेषज्ञ नं० 4253/22-10-1981 है।

जी० सी० गर्ग,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

तारीख : 9-6-1982
मोहर :

प्रस्तुत आदृ. टी. पन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयकार अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निदेश म ० प ० आर ० न ० 1962/23-I/82-83-
अन्तः सुझे, जो ० मा ० गर्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास लरने का
कारण है कि स्थापत्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,00/- रु. में अधिक है

अग्र जिसका म ० है नथा जो जोगवर
नगर, जिला सुरेण्टनगर में स्थित है (अग्र इमें उपावड़ ग्रन्ति-
सूची में अग्र पूर्व स्थप भं रिंग है), रजिस्टर्ना अंगठार
के कार्यालय, विधावन में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिनं, दिनांक 22-10-81

को पूर्णित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्क) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक स्वरूप में कथित नहीं किया गया है ---

(1) वा श्री सुशांतबेन कुमार वा सुरेण्टिहजी शाला
श्री सुवीर कुमार सुरेण्टिहजी शाला, मोटा पांग
चीन, विधावन माठ।

(अन्तर्गत)

(2) वगनं फौगल; दुस्त, प्र०० गाँधा रिम्बर गार्ड,
श्री नाशानान गेंधजीगार्ड और अन्य, धारी
बाजार, सुरेण्टनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन करदाने के अन्तर्क के दायित्व
में किसी करने या उसमें बदलने में मूल्याना के लिए,
अग्र/या

मामूली

जमीन जिसका कुल शेतफल 1626 वर्ग यार्ड है जो
जोगवरनगर, जिला विधावन में स्थित है तथा मध्य
रजिस्टर विधावन रजिस्ट्रर्ना विक्रीखत नं १२९३/
22-10-81 है।

(क) अन्तरण से होई किसी आय की वासन, उक्त
अधिनियम के अधीन करदाने के अन्तर्क के दायित्व
में किसी करने या उसमें बदलने में मूल्याना के लिए,
अग्र/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसके भागीदार आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसमें म ० गर्म ०
के लिए;

जी० मी० गर्म
सक्षम अधिकारी
आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमति
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अप्रभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक: 9-6-1982

मोहर :

प्ररूप आहू. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती युगोनवेन सुबोधभाई पोलिस परेड
ग्राउण्ड, शहीदगांग, अहमदाबाद।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)

श्रीमत रंग I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निवेश सं० पं० आर० नं० 1961/-23- /82-83.—
अतः सुन्न, जी० मी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकास प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एम० 14, ई० पी० 323 पैको
सब प्लाट नं० 2, पैकी न्हिस्सा नं० 1 जो दरियापुर कांजीपुर
अहमदाबाद में स्थित है (आई इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रेकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 5-10-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित म
वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(क) असरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अमीन जिसका कुल धेनफल 640 वर्ग मीटर है टी०
पी० एम० 14, ई० पी० 323, पैकी सब प्लाट नं० 2
पैकी नं० 2 हिस्सा नं० १ है नथा अहमदाबाद रजिस्ट्रे-
कर्ट रजिस्ट्रेशन नं० 10877/31-8-80, 11924/
5-10-81 और 10878/31-7-80 है।

जी० मी० गर्ग,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (नियंत्रण)
श्रीमत रंग-I, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14-156GI/82

दिनांक : 7-6-1982

मोहर :

प्रसूप बाई. टी. एन. एस.—

"का अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून, 1982

निवेदण मा० पा० आया० 1960/23-1/82-83,--यत् मुझे,
जा० मा० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदचारू 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. गे अधिक है

और जिमक: मा० मर्वे नं० 1516/1+2+3+4 है तथा
जो ग्रामाली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूचि
में श्रृं पर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-10-81
का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
जरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरान प्रतिफल से, ऐसे दूसरान प्रतिफल का
पंदरह अन्तरित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायद में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेशभाई सोमभाई प्रज्ञपती असलाली,
तालुका-दासकरोई, जिला अहमदाबाद।
(गन्ध/क)

(2) 1. श्री दन्दजीन गोविधनदास श्रीमीन मीठाखली,
6 गोड के नजदीक, नवरगपुरा, अहमदाबाद।
2. प्रफुल्लभाई ज.वा.भाई पटेल लौ गाँड़न
पापटमेन्ट, पुलिमत्रिज, अहमदाबाद।
3. जयेशभाई प्रफुल्लभाई पटेल, अहमदाबाद
1 जयन्तीभाई गोविधनभाई श्रीमीन मीठाखली,
6 गोड के नजदीक, नवरगपुरा, अहमदाबाद।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके प्रवार्तन सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप्—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखिती के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो असलाली अहमदाबाद में स्थित है जिसका
सर्वे नं० 1516/1+2+43 4 है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद
रजिस्ट्रेशन नं० 12734/22-10-81,
12735/22-10-81, 12740/22-10-81 और 12741/
22-10-1981 है।

जी० मी० गर्ग
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

दिनांक 7-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निदेश मं० पी० आर० नं० 1959/23-I/82-83—
अतः मुझे, जी० सी० गर्म

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उक्त 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकार प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० गे अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 179-2-1, टी० पी० एस० 21 एफ० पं० ५१ है तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुपूर्वा में आ० पृ० स्प० संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अग्रलिय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 नं० 16) के अधीन, 13-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एक ही प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरुपण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों उपर प्रत्यरुपण निविर में दास्ताविज़ियों में कार्यान्वयित नहीं हिता गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय का बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावधि अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किसी ने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री नारायणदास संकलनचन्द्र पटेल एच० यू० एफ० के कर्ता पटेल भवन स्नेहकुञ्ज सोसायटी के सामने, मुरेन्द्र मंगलवास रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पालबेन भूपेन्द्रकुमार ठाकुरलाल और भूपेन्द्रकुमार ठाकुरलाल, जयहिन्द हाई स्कूल के नजदीक, मर्निंगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिता)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के निवन्ध में कोई सो आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन से अधिक या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जोभी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू बढ़ छिनी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रथोहस्ताक्षरी नाम लिखित में दिए जा मांगे।

एष्टोकरण:—इसप्रयुक्ति गद्दों और पदा ता, जो उक्त प्रधिनियम का प्रयोग 20-६ में पारित्वाति है, उक्त प्रयोग ता, जो उक्त प्रधिनियम में दिया गया है।

मन्त्री

मिलकीयत जिसका कुल क्षेत्रफल 297.50 वर्गमीटर है जो एक० पी० नं० ५१, सर्वे सं० १७९-२-१, टी० पी० एस० २१, पालडी अहमदाबाद में स्थित है तथा सर्व-रजिस्ट्रीर अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० ५५३५/ 13-10-1981 है।

जी० सी० गर्म
'क्षम पायिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद।

दिनांक: 7-6-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जून, 1982

निर्देश स० पं० आर० न० 1958 /एक्सवी० 23-1/
82-83-प्रत : मुझे जी० सो० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-प के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बंगला नं० 2, केन्टोनमेंट देरिया
है। तथा जो केन्टोनमेंट, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्टी अधिकारी के कार्यालय, अह-
मदाबाद में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 30-10-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य व उक्त उन्नरण विविध में गठनित रूप से वित्त
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण व दूँ किमी आय की वापन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या निमी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
मुश्किल के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन गिम्नलिखित व्यक्तियों अधृतः :—

(1) श्रीमती रेनुकाबेन मुमनभाई की ओर से श्रेयांक
सुमनलाल प्रीम मनगर, एलिमिनीज, अहमदाबाद,
(अन्तरक)

(2) श्री नानभाई के० सेठ, नरमा; पांडंट, श्रेयंस
विलिंग बोम्बे ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तथांवंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मापन होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीनर उक्त स्थावर नामांति में हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्नाकरी के पाप लिखित
में किए जा सकेंगे ;

स्वप्नोकरण.—इनमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन प्रदर्शारण पे दिया गया है।

अनुसूची

मीलकत जिसका कुल क्षेत्रफल 876.54 वर्ग घाँड़ है
जो बंगला नं. 2 केन्टोनमेंट अहमदाबाद में स्थित है तथा
सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रिकरण विभागात न०
4335/3-10-81, 4334/20-4-81 और 4332/
3-10-1981 है।

जी० सो० गर्ग
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-6-1982
मोहर :

प्रहृष्ट प्राईंटो० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संघीयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1957/एक्वी/23-I/82-83-

अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सभी प्राविकारी को, वह विश्वास करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, त्रिमात्र उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० एस० 1189 में 1194 है तथा
जो रेलवेपुरा अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-10-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्ननिम्न। उद्देश्य में उस अन्तरण निम्निन में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मीर/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अस्त्र आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान
में सुविधा के लिए।

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

- (1) श्री मनत बालाभाई शाह
 - (2) अशिवन बालाभाई शाह
 - (3) रविस्त्र बालाभाई शाह
 - (4) हरेन्द्र बालाभाई शाह
 - (5) सुधोध भाई एम० शाह
 - (6) श्रीमती चंदन बेन एम० शाह
 - (7) योगेण एस० शाह
 - (8) श्रीमती अन्द्रमनीबेन शाह
 - (9) जे० बी० शाह
 - (10) अमरराण एस० शाह
 - (11) अनुभाई एम० शाह
 - (12) श्रीमती विद्याबेन ए० शाह
 - (13) परेश एम० शाह
- मभी बखात मानवन्दा को खड़की बोशीबाड़ा की पोल
कालुपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मेवर्स आनंदना एंड कम्पनी की ओर से श्री मूलचन्द
कवलगम कपासिया बजार, अहमदाबाद, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पुर्वोक्त पर्यवर्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 283 वर्ग याड़ है जो
रेलवेपुरा अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखाता नं० 12542 में
12554/अक्टूबर, 1981 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग,
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, अहमदाबाद

तारीख: 5-6-1982

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1982

निर्देश सं. पी.आर.नं. 1956/23-I/82-83--

अतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० ब्लाक नं० 512 है तथा जो आपली
तालुका, दसफोर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें
उपावड़ ग्रन्तुमत्ता में ग्री० पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकार, के नवालिय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-10-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिरा को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अंतररक (अंतररकों) और अंतरिरती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कानूनी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उक्त अंतरिक्ष-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबिल्स में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अंतरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के सिए;

अतः जब उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वृथात् :—

1. (1) रत्नांशुभाई प्रह्लाद भाई
- (2) श्री लीकमलाल जेठाभाई
- (3) श्री दयारथभाई प्रह्लाद भाई, आयनो, तालुका
दसफोर।

(प्रत्यक्ष)

2. अरुनभाई नानूभाई मनसा।
नरेन्द्रभाई मनीषांकर व्याम
श्रोमती अन्द्रीकाबेन नरेन्द्रभाई व्याम रुम० न० 1,
जूना मच्चिवालय के नजदीक दांरंग पार्क न० 2
श्रोम 3, अहमदाबाद, मरखेज रोड, विवेकानन्द
सोमायटी, अहमदाबाद।

(अन्तिमान्त.)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संघीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर मूल्य
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भातर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बूबारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुवी

द्वेती का जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 24321 वर्ग
यार्ड है जो ब्लाक नं० 512, आपली तालुका दसफोर पर
स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता
बिक्रीखात नं० 12348/16-10-81, 12338/1-10-81;
और 12354/16-10-81 है।

जी० सी० गर्ग,
मकान प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: ३-६-१९८२

मोहर:

प्ररूप आइ, टो, एन, एस, -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन मच्छन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

અહમદાબાદ, દિનાંક ૫ જુન ૧૯૮૨

निर्देश सं० प्र० प्राया० नं० 1955/23-1/82-83--

अन्तः पक्षे जी० स० गर्गि०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-से के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपचार बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसके में टॉपीं ५० प्र० ६. एफ०पी०न० १९०
है तथा जो पालड़, अहमदाबाद में स्थित है (ओर इसमें
उपार्व अनुसूचि में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के नामालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम; १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन
७-१०-१९८१

को प्रवैक्त संपत्ति के उचित आजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित आजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकर्ता) और अंतरिती (अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्माणित उक्तदृश्य से उक्त अन्तरण निर्मित है वास्तविक, यह भूमि को धूत नहीं किया गया है।

(१५) अंगरण में हमें किसी आदि की वास्तव, उत्थ
अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक को
दायत्व मा कभी करने दा उसम बचन मा सुविधा
के लिए आवश्यक।

(म) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने या संविधि के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनसंसद
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) श्री दशरथ भाई आत्माराम पटेल नार्थीविन,
 आत्माराम मुलजभाई विधवा पत्ती,
 बलदेवभाई आत्माराम और अन्य,
 पतेलपुरा (पा रड़ि) अहमदाबादः
 (अन्तरक)

(अन्तरक)

(अन्तर्राष्ट्रीय)

करे यह सूचना जारी करके प्रबोक्त सम्प्रीति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह भी आशेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णक्रिया व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और णदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

www.mif

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 1081 वर्ग यार्ड है जो पालड़ी अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखाता नं. 12025, 12022, श्रीर 12029/7-10-81 है।

जी० मी० गर्ग,
मक्षम प्राधिकारी
भायाय भायकर यगुक्त (निर्भग)
अर्जन रेण-१, अहमदाबाद

तारीख : 5-6-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्थिक, भवानीक आयकर आयका (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जून, 1982

निर्देश मं० पी०आर० नं० 1954 ग्रन्थ 23-I/82-83--

अतः श्रीम्, जी०सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० 255 सब प्लाट नं० 3, ई०
पी०एम० 3 है। तथा जो शेखपुर-खानपुर, नवरंगपुरा अहमदाबाद
में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन अक्तूबर, 1981

को पूर्णित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरिर्णयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याद गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में धान्तरिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक सं० हॉट० किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायित्व में किसी करने या उसमें बचने में मविभा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पारोंजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
मविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री चीनुभाई रमनलाल गजजर और अन्य,
मीथाखली के नजदीक
नेलवे कोमिंग एलिमिन एज, अहमदाबाद,
(अन्तरक)

- 2. (1) श्री दशरथ सिंह मोहन सिंह जाडेजा,
प्रवान कोलोनी, नवरंगपुरा,
अहमदाबाद
- (2) श्रामी, नीपुनाबेन गिरीशनन्द जवेरी-अम्बली, गोला,
जवेरीवाड, अहमदाबाद
- (3) श्रामी पुष्पाबेन मुरेश भाई गुप्ता और अन्य,
७/५ रत्न कोलोनी, गुजरात विधायीठ के गामो
आश्रम रोड, अहमदाबाद
- (4) श्री कैलासबेन गुनवंतलाल शाह
गारदा मंदिर रोड ए-६, बसंत पार्क एपार्टमेंट,
बसत कुंज, अहमदाबाद
- (5) श्री भद्रकुमार शान्तीलाल मेठ और अन्य लनीफ
बगला, शाहीबाग अहमदाबाद
- (6) श्री हीराकल कर्मचन्द मेठाया सी०/ओ० न्यू कोटन
मील्स दरीयापुर इरवाजावाटर अहमदाबाद
- (7) श्री अमृतलाल चुशीलाल गाँधी-सी०/ओ०
श्रीराम बियरिंग्स, नेशनल चेम्बर्स आश्रम रोड
अहमदाबाद.

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के मिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9ए, 4ए, 1ए, 4ए, 11ए, 12ए,
6-वी जो शेखपुर-खानपुर नवरंगपुरा अहमदाबाद में स्थित है।
तथा उसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखाता
नं० 10143, 9689, 12847, 3179, 3186, 3181,
2343 9690/अक्तूबर, 1981 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, अहमदाबाद

तारीख : 5-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सशायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1982

निर्देश सं० पी० ओ० आर० न० 1953 एन्ड० 23-I/82-83--

अनु. मुख्य जी० मी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० 304, 277 एस० पी०
नं० 3, टी० पी० ए० 29 एफ० पी० नं० 102 है। तथा जो
वाडज अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के वार्षिक अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
22-10-81.

को पर्यावरित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान
प्रतिफल के लिए उत्तरित को गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, ऐसे इथमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तर्भिन्नी (अन्तर्भिन्निया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुधार के लिए;
और /या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ उत्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधार
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्शल :--

15-156GI/82

(1) श्री गोविन्द लाल मानेकलाल पटेल
जुना, बाडज, अहमदाबाद

(2) श्रीमती शाल्मालेन गोविन्दलाल पटेल अहमदाबाद

(3) श्री रमेशन्द्र गोविन्दलाल पटेल अहमदाबाद

(4) श्री रमेशन्द्र गोविन्दलाल पटेल अहमदाबाद
जुना बाडज, अहमदाबाद,

(अन्तरक)

(2) संभवनाथ अपार्टमेंट को०ओ०ह०१०

सोसायटी लिमिटेड

सी०ओ० श्री भुपेन्द्र हेमचन्द्र शाह

संभवनाथ अपार्टमेंट, उस्मानपुरा

अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीकृत होता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

चीफ़ ऑफिसर विमान सब रजिस्ट्रीर अहमदाबाद रजिस्ट्रीरनी
विशेषासांख्य 12752/22-10-81, 127151/22-10-81,
12656/22-10-81 और 12749/22-10-81 है।

जी० मी० गर्ग

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद..

तारीख: 5-6-1982

मोहर:

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं ० पी०आर० नं० 1952/एक्यू-२३-१/८२-८३—

अतः मुझे, जो०सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि ई०पी०एस० 29, टी०पी०एस० 29, है तथा जो ई०पी० 102, बाड़ज अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायदृश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-१०-८१

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्षित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बांतरक (बांतरकों) और अंसरीरी (बन्तरीरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य बासितयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरीरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती विमलावेन शंकरसाल पटेल
जुना बाड़ज,
अहमदाबाद-13

(अन्तरक)

(2) संभवनाथ अपार्टमेंट को०ओ०
एसोशिएशन सोसायटी लिमिटेड
के/ओ भूपेन्द्र हेमचन्दभाई शाह,
संभवनाथ अपार्टमेंट, उस्मानपुरा,
अहमदाबाद.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेयः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख झं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितखूब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त हैं, वही वर्त्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मीलकत जिसका सर्वे नं० 304-1 और सर्वे नं० 277 बाड़ज, ई०पी०एस० नं० 29, ई०पी० नं० 102, हिस्सा नं० से और हिस्सा नं० 1, तथा मब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखाता नं० 12577/23-१०-८१ और 12821/23-१०-८१ है।

जी० सी० गर्ग,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 5-6-1982

माहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री अनंद प्रसाद नाथालाल सेवक
रामप्रीति कालोनी, खोखरामहेमदाबाद,
ग्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 3 जून 1982

निर्देश सं० पी०आर० नं० 1951/एष्यू-23-1/82-83—

अतः मुझे, जी० सौ० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 112, एस०पी०नं० 39, क्षेत्र-
फल 654 वर्ग यार्ड है। तथा जो खोखरा ग्रहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइं किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसूचना
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—

(2) सौराष्ट्र बुहार सुधार घाटी होतेच्यू मंडल का
ओर से द्रस्टी शाहपुर दरवाजा बाहर नरोत्तम-
दास भीमाभाई मिस्ती, फिक्षकुंज सोसायटी,
फांकरीया, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाचियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवौध
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहन्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में निर्भायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मीलकत जिसका सर्वे नं० 112 पैकी एस० पी०नं० 39
कुल क्षेत्रफल 654 वर्ग यार्ड है, जो खोखरामहेमदाबाद में
स्थित है, तथा सब-रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता
रजिस्ट्रेशन नं० 12100/82-10-81 है।

जी० सौ० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 3-6-1982

भोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जून 1982

निर्देश नं० पी०आर० नं० 1950 एम्स०-23/82-83--

अतः मुझे, जी०सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक०पी० नं० 840, सर्वे नं० 18 और 18 अ-9 है। तथा जो कोचरब, पालडी, सीमा, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे अधीन 1-10-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और कन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिहूँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. (1) श्री नम्हुबेन, बामनराव ढोलकिया की विधवा पत्नी

(2) निरंजन बामनराव

(3) परीक्षीत बामनराव

(4) अंजनकुमार बामनराव,

रत्न भिलास पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. सेजल विकास मंडल (एसोशिएशन),
नूतन सोसायटी, पालडी के सामने,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदातियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह्न भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मीस्कत और मकान जो एक० पी० नं० 810५ म्यू-निसिपल सर्वे नं०, 18अ० से 18अ० 9, कोचरब पालडी में स्थित हैं तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्री खाता नं० 11722/1-10-81 है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 3-6-1982

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्र० र० आई.टी.एन.एस -----

(1) श्रीमती मालवीषेन विलीप माई हुयेसिंह, शाहीबाग
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संघायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जून 1982

निर्देश मा० पो० आरा० ना० 1949 एक्यु०-२३-१/८२-८३-

अत मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. स अधिक हैऔर जिसका मा० राव० ना० 160/1 सी० मा० ना० 14 है। तथा
जो दरियापुर कार्जीपुर ज़िला-अहमदाबाद में स्थित है
(आर इस उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टा० अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-10 ८।को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करना या कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वांकित भू अधिक है और अन्तरक (अररका) और अतारिती
(अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्दरश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है ---(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बावजू, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उम्मे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;(2) प्रपाजड प्रवान शाहीबाग को० ओ० हा० सोसायटी,
प्रमोटर—

1. रमेशभार पी० पटेल—अहमदाबाद

2. बाबूभाई मोमाभाई पटेल—अहमदाबाद

चनद्याम चैम्बर, सुभाष ब्रीजको होडे अहमदाबाद, ।

(अन्तरिती)

वह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
गायबाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रन्नन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौलिकत जो दरियापुर—कार्जीपुर में स्थित है, तथा
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन ना० 19705/1-10-81
है ।जी० सी० गर्ग
संक्षम प्राधिकारीमहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेज-1, अहमदाबादबत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ता० ---पाराम्ब 3-6-1982
मोहर

प्रस्तुप ग्राहौं दी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जून 1982

निर्देश सं० पी० ग्रा० नं० 1948/एक्य०-23-I/82-83—

अतः मुझे, जी० सी० गर्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. भूं अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 11 है। तथा जो बोडकदेन
तालुका-दस्फोर अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपादद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है; रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 1-10-81
का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चीनुभाई चंद्रलाल
हर्षदभाई चंद्रलाल
अमिलकुमार चंद्रलाल,
चंद्रलवेन चंद्रभाई,
बोडकदेव, तालुका-दस्फोर,
जिला-अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री निरंजन चंद्रबदन शाह
कर्ता एच० य० एफ० के पर्णकुटी,
मोसीबाग, एलिसब्रीज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रालय

मीलकर जो सर्वे नं० 11 पर स्थित है जिसका कुल
क्षेत्रफल 1 एकड़ 19 गुंथा है बोडकदेव तालुका-दस्फोर जिसका
रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 11740 /1-10-81 है।

जी० सी० गर्म
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज- , अहमदाबाद।

तारीख: 3-6-1982

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 3 जून 1982

निर्वेश सं. पी० आर० नं. 1947 23-I/82-83---
अतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. नं. 1314, 1315, 1340,
1342, 1427 और अन्य है। तथा जो श्रीलज गांव, जिला-
अहमदाबाद, में स्थित है (और इससे उपार्द्ध अनुसूचि में
पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908)
का 16) के अधीन अक्टूबर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्तर प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
यादा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कार्यस नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्ता या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. चीतन नवनीतलाल परीख एच० यू० एफ०
की ओर से कर्ता श्री चीतन नवनीतलाल परीख
ओलिम्पिज, अहमदाबाद.

(अन्तरक)

2. संजय श्रेनिक लालभाई
लाल बंगलो, गाहीबाग,
अहमदाबाद, ।

- (2) शेषोक कस्तुरभाई जावेरी, डा०बी०ए० रोड,
चौंबाई अहमदाबाद।
- (3) श्रविन्द पानालाल सेठ-“महमाये” मीठादली,
ऐलिम्प्रीज अहमदाबाद
- (4) श्रीनीलभाई कस्तुरभाई जावेरी-सामुह डा०बी० ए०
रोड ऐलिम्प्रीज अहमदाबाद
- (5) इन्द्रबदन प्रभालाल शाह, कल्पना ऐलिम्प्रीज
अहमदाबाद
- (6) चीनुभाई मन्नीभाई की ओर से-रत्नमनो, श्रावण-
रोड कोरसेनेर श्रापाल सी० सेठ अहमदाबाद
- (7) संजय भहेशभाई जावेरी-गुलबाई टेकरा, शामदी,
ओलिम्प्रीज अहमदाबाद
- (8) प्रफुल चीनुभाई -शीतल बाग,
पंचीक, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण ४—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्लूपी

जी०सी० गर्ग
जिसका कुल शेषफल 12117, 12095, 24245,
12121, 12097, 14887, 12312, 13773, वर्ग
वार्ष है जो जांश श्रीलज जिला—अहमदाबाद में स्थित है
तथा नम रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखाता
नं. 12938, 12935, 19934, 12933, 12931,
12932, 12937 और 12936/अक्टूबर, 1981 है।

जी०सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अहमदाबाद

तारीख: 3-6-1982

सोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही प्राया
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जून 1982

निर्देश सं० पी०आर० नं० 1946 23-1/82-83—
अन्तः मुझे जो०न०० गर्ग

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), नी प्राया
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी मं० टी० पी० एस०-३ एफ० पी०नं० 320,
एस० पी०नं० 8 है। तथा जो चंगीसपुर अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न
से बर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908) का
16) के प्रधीन 13-10-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पलटः
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरिक्षों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियम में वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है—

(क) प्रायकर में ही किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धाराओं
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

पत. शब्द, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ का उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) मानिल लेन्ड डेवलपमेंट कम्पनी।

गांगादार—प्रमोटरमाई रत्नालाल गच० २० एफ०
व० कर्ता। श्री हरभूजभाई उम्मुरुराई गाह,
अहमदाबाद,

(प्रत्यक्ष)

(2) पत्नीर्विपाक प्रार्टमेंट ऑफर्स एस०१८७८
मेम्बर—आरदच्छद, रमनलाल गाह,
पलवां पार्क, स्टूलिंग्स मार्केट,
नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख ये 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से
किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पार कदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीत्रक्षयत जिसका टी०पी०एस० 3, एस०पी० नं० 326,
एस० पी० नं० 8, कुल क्षेत्रफल 136.57 वर्ग यार्ड है जो
चंगीसपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्री-
कर्ता सब रजिस्ट्रार नं० 12176/13-10-81 है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1-अहमदाबाद

तारोत्तम: 3-6-1982

मोहर :

प्र० प्र० ल० ल० ल० ए० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

राष्ट्रीय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जून, 1982

निर्देश गं० पी०ग्रा० नं० 1945 23-१/८२-८३-

अतः मुझे जी०मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'वो अधिकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विष्वास करने वाले कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

श्रीर जिसकी मं० गर्वे न० 206, एम० पी०न० 21, पैकी नं० 1018, 1697, 1322, है। जो 3659, 3661, 3834, 3825 श्रीर 2209 गाव-देज, दमकाई में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूचि में प्रांग पूर्ण स्वप्न से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के राष्ट्रीय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) व। 16) के अधीन 1-10-81

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है प्र० पूर्वोक्त विष्वास करने वाले कारण है कि यात्रीन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) प्र० प्र० अन्तरिती (अन्तरितिय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल । नम्नलिखि उद्देश से उक्त अन्तरण सिविल में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया ।

(क) अन्तरण से हुई अपौ श्री आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के कागितव में कमी हो गा तो उक्त रूपों के लिया; श्रीर/गा

(ब) ऐसी किसी आप या किसी वन या अन्य आमियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वा० उक्त अधिनियम, या धन-क/प्रनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, तिगान में नुकिया कर लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अकिलयों, अथवा

16-15GGI/82

श्री श्रात्माराम शचरत लाल पाण्डे स्पनी एच

प० प०

(1) श्री हरीदास श्रात्माराम दलाल और

(2) श्रीमती विनोदावेन लक्ष्मनलाल दलाल

अहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेशकलाल बलदेवदाम ठक्कर खाजीज ।

तालुका-मेहमदाबाद

निर्गा-गोडा

(प्रत्यक्षिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के निए लार्याविद्यां फरमावं।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में तो इसी आधेन:

(क) इस सूचना के राजावत न प्रकाशन को तारीख में 45 दिन की अवधि या नवसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना हो तामीन वे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गाँड़ में समाप्त होती है, के भीतर पूरक व्यक्तियों में से किसी तरीका द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र ल प्रकाशन को तारीख न 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितवद लियी गयी ताकि द्वारा व्यापार व्यापारी तथा निवास दें किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रधुक्त शब्दों ग्रांड परा दा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही शब्द है जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

माल्क जो गाव-देज, तालुका दसकाई मे स्थित है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन न० 11769/ 1-10-1981 है।

जी०मी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 1 अहमदाबाद

तारीख: 3-6-1982

मोहर:

प्रधान मंत्री द्वारा एवं एम - -----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-८ (१) तथा निम्नलिखित

भारत सरकार

कार्यालय, महापक्ष आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज़ अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक ३ जून १९८२

निर्देश म. पी०आर० न०, १९४४/२३-१/८२-८३--

ग्रन्त मुझे जी०सी०गर्ग

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-८ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु. में अधिक है

श्रीर जिमर्की य० मर्डे न० ४४९ है। तथा जा इमनपुर
मीम, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनु-
मूल्य में आग पूर्ण स्थप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के बायकिय अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम
१९०८ (१९०८) का १६) के अधीन ७-१०-८।

को पूछकिय सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य संकर के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरिता) दो दीच पार तरफ ८०% तक पाया गया प्रति-
फल विनाशिति - इसका ग. नं. ११९०८/७-१०-८। अन्तरित
स्थप से कार्यकृत नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अत श्रब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-८ की उपाधा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् - -

(१) मनोहर श्राद्धसं ग्रार० पाफ० पाठनर

(१) श्री मन्यनारायण शक्तव्याल मनोहर

(२) श्री तटवरनाल शक्तव्याल मनोहर १९८-२,
जुना माधुपुर द्वावाना
अहमदाबाद

(अन्तर्गत)

(१) श्रीमति कचनबेन आर० शारह १२,
जैननगर, ओलिस्प्रीज अहमदाबाद

(२) श्रीमती नारगीबेन प्रबोधचन्द्र शारह ४,
रणवर्धा को-ओ० हा० सामायर्टी लिमिटेड जार्दा
मंदिर रोड,
अहमदाबाद

(अन्तर्गती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप - -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में ५०
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध कियी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इकत
अधिनियम, के अध्याय २० के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मील्कन जिसका कुल क्षेत्रफल ७२६ वर्ग यार्ड है जा
जा इमनपुर मीम ग्रहमदाबाद स्थित है जिसका सर्वे न०
४४९ है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रीकरण रजिस्ट्रेशन न०
११९०८/७-१०-८२ है।

जी० सी० गर्ग
मध्यम पांचवांग

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज़-I अहमदाबाद

तारीख: ३-६-१९८२
मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एम.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 3 जून 1982

निर्देश म० पी.आर० न० 1943 23-1/82-83/

अन्तः भूमि जी०मी० गग्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय गम्पा०, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. गं अधिक है

ग्रीष्म जिम्मा न० टा०प०।०००० ४, एफ० पी० न०
१४०-५, है तथा जो खात्वारा महमदाबाद बाउन्डी अहमदा-
बाद में स्थित है (आप इसमें उपाधन अनुमूल्य से ग्रीष्म पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908)
का 16) के अधान 5-10-81

को पूर्वान्तर समर्पित कर उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रीतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और भूमि यह विश्वास
करन का कारण है कि यथापूर्वान्तर समर्पित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रीतिफल से एसे दृश्यमान प्रीतिफल का
न्यूनतम प्राप्तिशाल गं अधिक है और अंतरक (अंतरक्र) और अतिरिक्ती
(अन्तरिरीतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप स कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बजने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एसा हूँ किसी आय की धन या अन्य अस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:--

(1) कुन्तालकमी गिरधारीलाल गिरधारीलाल का
विवाह पत्नी गीतार्थी मदन, मम्मती कालार्ती,
गान्ताकुज बेस्ट, बोम्बे
(2) श्री राजेन्द्रकुमार गिरधारीलाल इ-15
सरदार बलब्रह्माई पटेल मंसायटा नेहरू रोड,
बिले पालने, इस्ट, बोम्बे

(अन्तरक)

2. कमल अपाठंडे आर गांग गासार्मीपटू
प्रमुख —श्री गिरिशमाई मनुभाई भट्ट
400/4, गीरधर मास्टर का एम्पाउंड, सरगपुर,
ग्रहमदाबाद

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर समर्पित के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त समर्पित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रण पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समर्पित में हिलचढ़न
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलस्तात्त्वकी के पास
निर्धारित में किए जा रहे हैं।

स्थष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मा पर्यामापत्त
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मोत्कल (मकान) जो खात्वारा अहमदाबाद बाउन्डी पर है
जिम्मा टी० पी० ओ० न० 4, एफ० पी० न० 140 5 हैं/
तथा रजिस्ट्रीकर्ता मत्र रजिस्ट्रार विक्रोखाना न० 11950/
5-10-81 हैं।

जी० मा० गग्न

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (गिर्जामण)

अर्जन रेज-१ प्रद्युमनाग्राद

तारीख 3-6-82

माहूर:

प्रस्तुप आहूँ, टो, एन, एम.

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधिन सूचना

भारत भरती

कार्यालय, सहायक अधिकारी व भावता (निरीक्षण)

અર્જન રે. ૧-૧ મહારાષ્ટ્રાબાદ

प्रह्लादाचार्य दिनांक २ जून १९३२

ਜਿਦੋਂ ਮੱਧ ਪਾਠਕਾਲ ਨੂੰ 1942 ਅਕਤੂਬਰ 23-1/82-83—
: ਮੁਖ, ਜੀਓਸੀਓ ਗਗਨ,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाता है), को बता 269-व के अधीन सक्षम प्राविकारी का यह विषय करने का कारण है कि स्थावर उपयोगिता जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 15-ब०० है तथा जो स्वास्तिक कोश्चो० हार० मायायटी राजकोट में स्थित है (आग्रह सं० उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रेशन कर्ता अधिकारि के काव्यालय राजकोट में रजिस्ट्रेशन अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन
3-10-81.

कां पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कीं गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतर्रक्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल ऐसा नहीं उभित उद्धरण से उबक बन्तरण लाभवत में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(१) श्रीमती पुष्पाकेन हरीलाल जाइब महाराजा
सोमायठी, भगमपुर,
शाज़कोट ।

(2) दामोदर नागजी सेजपाल कामपाल चौक,
वधेला मंदिर तजदीक,
गजकोट।

को यह भूमिका जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ध का अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उनके सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की व्यवधि, जो भी व्यवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति ग़ारा;

(ब) इस युवता के राजाराम में प्रकाश का नारीब । 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा बांटौड़स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-5 में परिमाणित हैं वही ग्रन्थ द्वारा जो उप अध्याय में दिया गया

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की वापत, सकत अधिनियम के अलान कर देन के अस्तरक का दायरेम कर्मी करने था उसस बदलने मे मूलिका के किए प्रोप्रिया

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन् या अन्य आस्तियों को,
 जिन्हें भारतीय आप कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग
 अनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रवट नहीं किया गया था
 या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के
 लिए;

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 277 वर्ग याड है। जो स्वस्त्रीक की प्रीओहा० सोसायटी लिमिटेड राजकोट में स्थित है तथा राजकोट रजिस्ट्रेकर्ट विक्रीखाता नं० 7830।
3-10-81 है।

जो०सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज- , अहमदाबाद

अत अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अधिकार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः—

प्रकृष्ट प्राईंट टी. एन. एम. ००—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निम्नांकण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून, 1982

निर्देश मापींग आरो ० नं० १९४१/एन्वी-२३-१/८२-८३—

अन्तः भूमि, जाति भीं गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सम्पत्ति प्राप्तिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

आर जिसका मा० मवे० १८६-२, १८७-१ है। तथा जा० ब्रेंडा-पग राजकोट मा० स्थित है (अर इसमें जावधि अनुसूची मा० और पूर्ण स्पष्ट संबंधित है), राजस्थानी श्राविकारा के कार्यालय राजकोट मे० रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अन्तूवर, 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संक्षेप के दस्तावेज प्राप्ति-ल के लिए अन्तरित की गई है और इसके बह प्रियदाम करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्तावेज प्राप्तिकल से, एसे दस्तावेज प्राप्तिकल का पञ्चांग प्रतिशत मे० अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरिता) के बीच एग अन्तरण के लिए एसे परा० या प्राप्तिकल निम्नलिखित उद्देश्य मे० उक्त अन्तरण निम्नित मे० वाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधान कर दिने के अन्तरक के खात्रस्व मा० कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक सत्तारकी दृष्टान्त प्रकल नहीं। किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा० सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के, अनुसरण मे०, भौं, उक्त अधिनियम की धारा १८७-वा (1) की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(१) श्री मूलजी रत्नाभाई पटेल १४, केवडावाडा, राजकोट।

(अन्तरक)

(२) श्री दिलेशचन्द्रा बलभद्राम पाडिया २१, नन्हाउडगार सोमायर्टा, राजकोट।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कामना की जाए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे० क्वोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लक्ष्यमान्य व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मा० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे० परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा० दिया गया है:

अनुसूची

जर्मन जिसका युल क्षेत्रफल ३४१-३-० वर्ग याडि है जो बोडीपग राजकोट मे० स्थित है तथा अहमदाबाद रेजिस्ट्रीकर्ता मव रजिस्ट्रार विर्काखाना ना० ८१०९/अन्तूवर, 1981 है।

जी० भी० गर्ग
मक्षम प्राप्तिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

—गोग २-६-१९८०
माहू.

प्रस्तुप आई टी.एन.एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1982

निर्देश सं. पी.ओ.आर.० नं. 1940//एक्यू. 23-१/
82-४३-ग्रंजन, मुझे जाइसी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमें उन्नीस लाख रुपये
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं. सर्वे नं. 864 है। नथा जो ज्यूबोली
गाँजन जवाहर रोड, राजकोट में स्थित है (आग दृश्यमें उगा-
यड अनुसूची में यार पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कायालिय, राजकोट में रजिस्ट्रालय अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधारान 15-10-1981-
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य भे क्रम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाथा गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण निर्णय में दागतः इन
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वार्षिति मा कमी करने या उसमें वर्चने मा भूत्या
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंतरितों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तथा उसमें
सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की नपारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, वर्थात् -

(1) रमादेव, उक्त शारदा प्राविद्यो 'नाय विहार',
रसक्रम, जिला पचायत के सामने,
प्रोफिट यांत्रोंके राड,
राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रेश नुसार कोठारा 2,
पचनाथ एकाट, 'कमर वाली',
राजकोट।

(अन्तरक)

मा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या के रता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मामले में काहूँ भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवौध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 466 वर्ग मीटर है जो
जवाहर रोड, ज्यूबोली गाँजन के नजदीक, राजकोट में स्थित
है, तथा जिसका पूर्ण नाम राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रोमाता
नं. 8056/15-10-81 से दिया गया है।

जी० मी० गर्ग
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंजन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख 2-6-1982
माह

प्रस्तुप आइ'. डॉ. एन. एफ. -----

(૧) અંગરોભાડ ગામજાભાઈ ટક બાનોયાવાર્ડ નં ૧
રોડાંગાંડ ।

आद्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ગ્રંજન રેઝ-૧, એહમદાબાદ

अहमदाबाद, दिनांक २ जून १९८२

(2) श्रीमती गुलावबेन दुगरसी महता।

था रभेजकुमार इगरस्मो मेहता और अन्य,
क/प्रा गोविंद कुमठीत,
मागवा चौक,
रेतबो होटल वे नजदीक,
राजकोट ।

(अन्तरक)

निर्देश सं० पी० आर० न० 1939/एन्यू० - 23-I/

82-83—अतः मुझे, जी० सी० गग्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन खाली गविकारों को यह विद्युत करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मर्वन० 337-प्लाट न० 13 पैकी है। नथा नथा जो गीतानगर राजकोठ में स्थित है (आश डगम उपायद अनुगच्छी में आंख पुण स्पष्ट रह वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रभिलारी वे रामनाथ राजवार में रजिस्ट्रीशन अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन अकन्तुबर, 1984.

कांग पूर्वोक्त संस्कृत के उचित धाराएँ मात्र में कम के दृश्यमान प्रोटो-लैन के लिए अनुरित की गई हैं और नहीं; यह विद्यमान तत्त्वों का कागण है कि यथापर्वत का उचित धाराएँ मन्त्र, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठान में, एवं दृश्यमान पत्तिष्ठान द्वारा प्रदत्त प्रतिशंख में अधिक है और अन्तरण (अन्तरकरण) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पादा यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उनका अन्तर्गत निर्मित है—

करे यह सूचना जारी करके पृष्ठोंका सम्पर्क के अर्जन के लिए कार्यशालाहाँ करता है।

उक्त भाष्यका के अर्जन के सम्बन्ध में कोहु भी आधोपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गुम्भाना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त नहीं हो, के भीनर प्रूवकरा व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम ग्रन्ती के ग्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निःसंत में किए जा सकेंगे।

रपार्टीविवरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण में हर्द किसी आय को बाबत, उत्तर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनसाची

(क) एसी किसी वाय या किसी धन या उन्न आस्तियों को जिन्हें भारतीय अधिकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भर- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत हवाग प्रकट गहरी किया गया था तो किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए ।

मकान जिमका कुल शेवफन 229-0-0 वर्ग यार्ड है जो मीतानगर राजकोट में स्थित है तथा जो राजकोट रजिस्ट्रेशन अधिकारी भव रजिस्ट्रार विकासना नं. 8077 पाँच 8078/अस्त्रवर, 1981 है।

जी० श्री० गर्ग
गथम पाणि० रंगे
भाष्यक भाष्यका आयुर्वद (फर्म)श्रण
अंतिंश रंग-१, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, दार्थतः :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोक्ता)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1982

निर्देश मं० पी० ग्रा० न० 1938—/एक्य०-23-1/82-83—
अतः मुझे, जी० मी० गर्ग,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु में अधिक हैऔर जिसकी मं० सर्वे नं० 54-3-3, ट०० पी० एस०, 21
एफ० पी० नं० 412 है। नथा जी० श्रम्भीकार ग्र० सोमायष्टी
वापुनगर, अहमदाबाद, में स्थित है (और इसके 'उपचक्र'
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेक्शन अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 21-10-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से लम्ब के दृश्यमान
प्रतिश्छल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिश्छल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिश्छल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
श्छल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है।(क) अन्तरण से हर्दौ किया आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने प्रैं सर्विधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, नियम में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—(1) श्री भुपेन्द्र रसीकलाल सरखेज रोड, मनेनकगढ़,
गुजरात। ।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रोम गागवा अपार्टमेंट ओनर्ग एम्सियेन्ट
गुम्बा—था० हम्मुखभाई गंगदाम भाई परगाड़, ग्रनीकानगण
सोगायठा, वापुनगर, अहमदाबाद।

(अन्तर्गती)

करे यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पादन के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पंचांधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दो दो से रामात् इती हो, दो जीतर पूर्वावृत
व्यक्तियों ने से किंतु व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर लक्ष्य अवधि सम्पादन में लित-
बद्ध 'रुपी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लितित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

मौलिक जिसकी सर्वे नं० 54-3-3, ट०० पी० एस० 21
एफ० पी० न० 412, युक्त ध्वेष्टल 637 वर्ग यार्ड हैं जो
छडावड उर्फ माइलपुर में स्थित है। जिसका रजिस्ट्रीकर्ना
रजिस्ट्रेशन नं० 12282/21-10-81 है।जी० मी० गर्ग
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर विभाग (नियोक्ता)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

नामांक्य : 1-6 1982

मात्रा :

प्रस्तुत नाइ. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1937 एम्य० 23-I/
82-83—अतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संबंधी का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 81/4 जी० आई० डॉ० सी० वटवा है तथा जो जी० आई० डॉ० सो० वटवा इंडस्ट्रीयल एस्टेट में स्थित है (और इससे उपाङ्ग अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-10-81।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संबंधी का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल का पक्कह प्रतिशत अधिक है और अन्तरह (अन्तरांती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी छन या भन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

लेतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषाय (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बबैश्वरी पलस मिल्स 81/4, वटवा जी० आई० डॉ० सी०, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) गायत्री पेस्टोकेम मेन्य० प्राइवेट लिमिटेड 81/4, वटवा जी० आई० डॉ० सी०, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के नम्बर में कोई भी ग्राहक नहीं :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन ही अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ममतृषी

मलिकयत जिसका प्लाट नं० 81/4, जी० आई० डॉ० सी० वटवा, वीसोल सिटी तालुका है। जिसका क्षेत्रफल 3059 वर्ग याड़ है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 12894/24-10-81 है

जी० सी० गर्ग
मक्षम प्राधिकारी
इयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1982

निर्देश मं० प०० आ०० नं० 1936-23-I/82-83--

अतः मुझे, जो० मा० गर्मा०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नत वाजार मूल्य,
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० सर्वे नं० 75, गाव-सात है। तथा जो
मोता तालुका डमकोई में स्थित है (आ० एम० उपायदङ्ग
अनुसूची में और प०० व्यप्र में नम्बर ३५), रजिस्टर्ड न्यौ
अधिकारी के आर्थिक, अहमदाबाद में 'निम्नलिखित' अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-10-1931

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से अधृत के छलपान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकता संपर्कित वा उक्त वाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, एसे व्यवहार प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रतिफल) और
बंतरकी (अंतरितियाँ) के नीचे एसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अन्तरित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भारा या अन्य अधिनियमों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उत्ता अधिनियम, या
भार-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की झपथाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री अत्मानम साणेकलाल सोना तालुका डमकोई
जिला अहमदाबाद।

(अन्तर्गत)

(2) श्री गान्मभाई वामनभाई, चौमनलाल गीधलाल
रोड, एनिसब्राज अहमदाबाद।

(अन्तर्गत)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथवर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--दृगमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं।
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

जगान जिसकी सर्वे नं० 75 है जो सोना ग्राम तालुका
डमकोई में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 3 एकड़ 26 गुंदा
है तथा जिसका वर्गन अहमदाबाद रजिस्टर्ड कर्ना विक्रेता
नं० 6164/26-10-81 में दिया गया है।

जो० सी० गर्मा०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारिखः 1-6-1982

मंहा :

प्र० ४८० आई० टी० प००० एस०--
प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) को
धारा 269-ब (1) के मध्यान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1935 23-I / 82-83—अतः,
मुझे जी० सी० गर्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे ६में
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, का गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम ग्राहिकारी जो, यह विश्वास कर्त्ता
का कारण है फि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है
और जिसकी मं० मकान है। तथा जो संघवा जेरी मोर्खी,
जिला राजकोट में स्थित है (ओर इसे उपाधिष्ठ अनुसूची
में और पूर्ण स्पष्ट नहिं है), रजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के
कार्यालय, मोर्खा भैरोज़ार का अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधान 20-1-1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के इन्हें बाजार मूल्य से लम के
दृश्यान प्रतिकूल के लिए अन्तरित को नहीं है और मूल्य पर
विश्वास करने का कारण है फि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फ़ैद्दह प्रतिशत में आधिक है तथा
अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिकी (अन्तरिक्षी) के बीच
ऐसे अन्तरण की जए तब पाया गया प्रतिफल, निम्ननिम्न
उद्देश्य से उक्त अन्तरण (नीचा) में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई किसी आय का वापत उक्त अधिनियम के अधीन नहीं देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) पा उक्त अधिनियम, या प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पदेन्द्रसुनार मानेकलाल मंघवा; अमोर्याल
दृष्ट का; ओर से दृष्ट; श्री भगतकुमार मनहर-
लाल नंघवा; के० ओ० कुन्दन विला, दृष्ट नं०
14, बांग, वाम्बे।

(अन्तरक)

(2) थो जैन श्वेतम्बर मुर्ति पूजक तयगच्छा संघ,
मोरवा दृष्ट, प्रायुषः श्री छबाल मोहनलाल संघवा,
लागताथ शेरा, मोरवी, जिला राजकोट।

(अन्तरित)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप नहीं

(क) इस गुना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख पे ३० दिन तो अवधि, जो भी अवधि बाद में नगार होती तो, के ३० पूर्वान्तर व्यक्तियों में से दिनों व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अदोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इनमें प्राप्त गवां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 2400 वर्ग फैट है, जो
संघवा जेरी, मोरवी, जिला राजकोट में स्थित है तथा जिसका
पूर्ण वर्णन है मोर्खा रजिस्ट्रीकर्ता विश्वास नं० 4306/
20-1-1982 में दिया गया है।

जी० सी० गर्म
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

त रौप्य 2-6-1982

मोहर :

प्रधम आई. डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 2 जून 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1934 23-I/82-83—अतः
मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो सघबी शेरी मोर्खी,
जिला राजकोट में स्थित है (प्रीर इससे उपब्रह अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ती अधिकारी के
कार्यालय, मोर्खी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 20-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्हु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कृप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उसके करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आहिए था, छिपाने जै सुविधा
के लिए;

बहु अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षितमों, अवधार :—

(1) श्री महेन्द्रकुमार मनहरलाल संघबी मेमोरीयल
ट्रस्ट की ओर से ट्रस्टी श्री मरसजुमार मनहर-
लाल संघबी, के० प्र०० कृत्तिविल्ला, स्ट्रीट नं०
14, खार, बम्बे।

(अन्तरक)

(2) श्री कार्त्तिलाल मानेकलाल संघबी श्री प्रबोन्हंद्र
मानेकलाल संघबी, श्री महेन्द्रकुमार मानेकलाल संघबी
सेनापती बापत रोड, दादर, बाम्बे।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरभूमि व्यक्तियों पर सूचना
को हातिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :--इसमें प्रभुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जगद्गुरु

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 1600 वर्ग फीट है जो
संघबी शेरी, मोर्खो, जिला राजकोट में स्थित है तथा सब-
रजिस्ट्रार मोर्खी रजिस्ट्रीकर्ता विक्रियत नं० 4307/20-1-82

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 2-6-1982

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 23-I/82-83

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1933—अतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 407-1, पैकी टी० पी० एस०-3, एफ० पी० नं० 1-74, है। तथा जो बेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-10-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्नतिरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से कठित नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाव की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या ग्रामीण या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती हाए प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की वाय 269-व के अनुदरण में मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपलाए (1) के अधीन, निम्नतिवित अधिकारी, अर्थात् ॥—

(1) श्री हरीबदन बंडकाम्त सत्यपार्थी 1630, मांडवीकी पोल, अहमदाबाद।

(2) श्रीमती इन्दुमतीबेन परमानंद परीख, 8 फ्लोर, दानी सवन, ब्लोक नं० 30, वालकेपर, ओम्बे-6

(बत्तरक)

(2) श्री नरेन्द्रकुमार नरसिंह लाल शाह 9-जय भारत एपार्टमेंट, स्वामी नारायण रोड, मनीनगर, अहमदाबाद

(प्रमत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तस्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा प्रश्नोत्तराकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपादकीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अड्याय 20-व में परिचालित है, वही अंग हीण, जो उस अवधार में दिया गया है।

मनूसपौ

जमीन जिसका सर्वे नं० 407 एस० पैकी टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 174, जिसका कुल क्षेत्रफल 770 वर्ग मीटर है। जो बेजलपुर सिम अहमदाबाद में स्थित है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 11732/1-10-81 है।

जी० सी० गर्ग
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अहमदाबाद

तारीख : 29-5-1982
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेट टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 23-I/82-83

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 1932--ऋत॑ मुझे जी० सं० गग्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सदाचम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 199 और 194 पैकी टी० पी०
एस० 21, एफ० पी० नं० 336, है। तथा जो एम० पी०
नं० 4, पालडी अहमदाबाद, में स्थित है (और जो इस
उपावद्ध अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-10-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल से एसैंस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त
विक रूप से कार्यित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हृदृ कि किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे अन्तरण से सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितया
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

धरतः अथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चंद्रशेखर चंद्रभाई चोशसी 8, दुर्गा मंजिला
नोंता एप्पमेन्ट, नारायणनगर रोड, वासना अहमदाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री अनील कुमार त्रिकमल पटेल श्रीमती नीराबेन
अनील कुमार पटेल श्री परेश अनीलकुमार पटेल सी-5
नीरव फ्लैट्स, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमति

मकान जो पालडी में स्थित है। जिसका सर्वे नं० 199
और 194 पैकी टी० पी० एस० 21, एफ० पी० नं० 336
एम० पी० नं० 4 जिसका कुल क्षेत्रफल 382 वर्ग मीटर
है तथा जो अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विभाग नं० 12073/
12-10-81 सब रजिस्टर अहमदाबाद है।

जी० सी० गग्न
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 29-5-1982

मोहर :

पृष्ठ प्राप्ति ३० टोरो एस० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1931—अत मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें-इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ; कि स्थाष्ट्र भवित्व, जिसका उचित ग्राहार मूल्य 25.00/- रुपये से अधिक है और इनकी सं० नं० 1240 ए०-२ व्हार नं० 1409 है। तथा जो गाँव असलाली, अहमदाबाद, में स्थित है (ओर, इसमें उगावद्व अन्यसूची में यौन पूर्ण स्पष्ट नै वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टर्स अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेक्टर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1982।

का० पूर्वोक्त मान्यता के उचित बाजार जल्द से बड़म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मझे यह विश्वास दर्शने का कारण है कि एयाप्टर्स के सम्भाविता का उचित बाजार मान्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत गे ० १ त है और अन्तरक (अन रना) और अन्तरिक्त (अन रिंटर) के बीच ए० में अन्तरण ; लिए तद यांग प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य रे उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी वरने या उससे दबने से सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ उत्तरित दबाव प्रकट नहीं किया गया था ।—ये जाना चाहिए १, इंप्रेन म ।—प के लिए.

(1) श्री परमोत्तमदास इन्द्ररमाय श्रीं ऋत्य गाय असलाली तातुका दिसकाई।

(अन्तरक)

(2) श्री इंश्वरकूमा को० डैग० सौ० लोमिटेड अरमेन श्री शोरोप मनुभाई मेंकेटरी बीर्यानचद्र चीमतलाल असलाली, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को इह सूचना जारी करके दूर्वास्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(ए) इह दूर्वा के राजात्रि में प्रकाशन की तारीख १५ दिन की अवधि या तरम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना नी नामील से ३० दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में बमाल द्वारा द्वारा, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के नातर उक्त स्थान भवित्व भवित्व में हितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवृत्तिशक्ति के पास लिया जाना दिया जा सकेंगे।

सातो हरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय २०-के परिभाषित हैं, वहां अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यसूची

जमीन जिसका रावें नं० 1240 ए०-२, ब्लॉक नं० 1407 जो गाव असलाली, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रेक्टर्स विक्री खत नं० 4117/ 15-10-1981 है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अद्यता (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

तारीख : 29-5-1982

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1930—अतः मुझे, जी० सी० गर्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 22, एफ० पी० नं० 22,
एस० पी० 12 है। तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

19-10-81

को प्रयोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
त्रुटिया के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्री लक्ष्मनभाई रामजीभाई खरीदेंद्रो रोये हाउस,
कोचरप, पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मुगतमलजी चेलाजी श्री बलचंद्री को-प्रो० राह०
सोसायटी, डाबुवे पार्क सोसायटी, सावरमती, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

फैसे यह सूचना आरो करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अंतर्गत के एवं इसमें
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 901 वर्ग यार्ड है जो टी०
पी० एस० 72, एफ० पी० नं० 22, एस० पी० नं० 12,
पालडी अहमदाबाद में स्थित है। तथा अहमदाबाद रजिस्ट्री-
कर्ता विक्रीखत नं० 12345/19-10-81 है।

जी० सी० गर्म
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 29-5-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति ८० टी० एवं एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का आदा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1929—प्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण + कि साम्राज्य अधिकारी के उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० में अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे न० 36, रानीप गाम, है तथा जो रानीप, सावरमती, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपार्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-81

को प्रत्येक सप्ताह के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबन, सब का अधिनियम के अधीन कर देने के सम्मुख के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;

आरया

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें सार्तीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत्येक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविधा के लिए;

प्रतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की आदा 269-ए के अनुसरण में,, उक्त अधिनियम की आदा 269-ए की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तीतः :—

(1) गांडाजी सालुजी और हलुजी बीराजी, रानीप सावरमती, अहमदाबाद ;

(प्रत्यक्ष)

(2) श्री रमनभाई मोतीभाई पटेल प्रमुख फिल्मिंग को-ओ०हा० सोसायटी लिमिटेड, रानीप, सावरमती, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर व्यक्ति के अधिन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी घावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्ध में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोद्धताकारी के वास निवित में किए जा सकेंगे।

संपादकारण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों प्रौर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तस्तूपी

जमीन जिसका कुल शेखफल 850 वर्ग यार्ड है। जो रानीप, सावरमती, अहमदाबाद में स्थित है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रीकरण बिक्रीखात सब रजिस्टरार नं० 12329 ता० 16-10-81 है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 29-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० डी० एन० एस०--

(1) अमरसी शरणावेन एम० आस, ६४, श.रक्षा
मोतायटी, एलिसप्रेज ग्रहमदावाद ।

(ग्रन्तिरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, संकायक आयकर आयस्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1928-एक्टी-23-I/82-83--

—ग्रन्थ: मुम्पे, जी० स० गर्ग,

प्रायः हर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' रुद्ध गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन पञ्च प्राविकारी को, पृष्ठ विवास करने का कारण है कि एवावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 88 एफ० प०० नं० 130, टी० प०० एस० 26, एस० प०० 9, है। इया जो वासता सौभ अहमदाबाद में स्थित है (श्रौर धर से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्णित है), रजिस्ट्रेवर्ती अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अहमदाबाद में ज्ञास्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-10-1981 को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निर तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण विषित में वातविक रूप से कार्यक नहीं किया गया है—

(क) प्रस्तुरण से दूई छिपी प्राय की बाबा उस प्रविनियम के प्रक्षेपन कर देने के प्रस्तुरक के दायित्व में कभी करने पर उससे व्यवस्था में अधिकार के लिए; ग्रीष्म/गा

(ख) ऐसी किसी भाष्य पा किसी धन पा अन्य धार्सियों
को, जिन्हे भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम पा धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
मविधा के सिए।

बत : अब, उक्त प्रधिनियम, को धारा 269-ग के प्रभुत्वरण में मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यवहारों, प्रधर्ति :-

(2) श्री सुमर्तिलाल वाडलाल गाह, अरचिता प्रपार्टमेंट भद्रपुग के नजदीक, अहमदाबाद ।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त पर्याप्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(अ) इस मूलना के राज्यवत्र में प्रकाशन की नारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा यथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुखत शब्दों धीर पदों का, जो उच्च प्रशिक्षियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ हो गा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपनाएँ

जमीन जिसका सर्वे नं० 88 पकौ, एफ० पी० नं० 130 टो० पी० एस० नं० 26, एस० पी० नं० 9, कुल भेलफल 419 वर्ग यार्ड है जो बासना संगमा अहमदाबाद में स्थित है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रेकर्टा सब रजिस्ट्रार बिक्रीखत नं० 12361/16-10-81 है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राणिकारी

तारीख : 29-5-1982
मोद्दुर :

प्रकृष्ट प्राइंट टी. प.न. ० एम. ०

आयोग अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा
26-१ १ १ नवंबर सूचना

वार्षिक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिनियम (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1982

निर्देश सं. पी. ० आर. ० नं. १९२७—प्रत: मुझे, जी. ०
सं. ० गर्ग,

श्रावाहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), में व्यापा 269-वा के अन्तर्गत अधिनियमी सौ, प्रति विषया करने का कारण है कि स्थानीय भाषा, जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मर्व नं. 259 ब्लॉक नं. 505, 4 एकड़ 29 गुंडा है तथा जो ग्राम आंवली, तालुका दसफोर, अहमदाबाद में स्थित है (आंवली इसके उपाबद्ध अनुसूची में आंवर पूर्ण है और वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-10-1981

को पूर्खीकृत मध्यस्थि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिकृत के लिए अन्तर्नियम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मध्यस्थि का उचित बाजार मूल्य, उम्मेदवान प्रतिकृत म, ऐसे दृश्यभान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बावजूद अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकृत निम्नांकित इकाय ने उक्त प्रतिकृत विधिन में वास्तविक रूप से कथित ही हित दिया गया है:—

(क) अन्तरण सहै उक्त कसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमो उक्त व्यापक विधि के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या उसी घन वा अन्य मासितियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपेक्षानाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जहाँ: अथ उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित वर्णनायों, अस्ति:—

(1) श्री जेठाभाई सोमामाई, मंगलभाई जेठामाई और अन्य आंवली, तालुका दसफोर, अहमदाबाद।

(अन्तर्लेख)

(2) श्री अंबालाल माधुरभाई श्रीमती ताराबेन अंबालाल और अन्य, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त मध्यस्थि के अंतर्न के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यम्ब में काई भां प्राप्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना को जमीन 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताथरी के पास लिखित ने किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, ने अध्याय 20-वा मे परिभाषित है, वन्न अर्थ होगा, जो उत अध्याय मे दिया गया है।

अमृसूची

खती को जमीन जो आंवली तालुका दसफोर मे स्थित है। जिसका सर्व नं. 259, ब्लॉक नं. 505 है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता सब रजिस्ट्रार विशेषत नं. 12425/19-10-81 है।

जी. ० सं. ० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

तारीख: 29-5-1982

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरिक्षण)

अर्जन रेंज 23- / 82-83

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1926—अतः मुझे जी० सी० गग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- सवये में अधिक है

और जिसकी सं० 66 एस० पी० नं 1 है। तथा जो
पारसी भट्टा कल्यान मील के सामने नरोडा रोड में स्थित है
(और इससे उपापद्म अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-10-1981

को प्रवृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का लाभ है कि यथावृत्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
तदा किया गया है :—

(क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा क
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

मतः, प्रबृ, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मे. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:

(1) श्री फानजीभाई प्रभुभाई उक्त प्रभुदास बोडफदेव,
तालुका दसकोर।

(अन्तरक)

(2) श्री जागजीभाई भलाभाई खारी यारसी भट्टा,
कल्यान मील के सामने, नरोज रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी होके प्रवृत्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यम में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तस्वीरधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
तापात होती है, के प्रीतर तूतीत अवित्यों में में
किसी अवित्य द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अवादृश्वाक्षरा के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

विस्तृतीकरण :—इसमें प्रत्यक्त गम्भीर पदों ता, जो उक्त अधि-
नियम ८ अध्याय 20-क में विभागित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका नं० 66, एस० पी० नं० 1 जो
बोडफदेव में स्थित है जिसका कुल देतफल 2710 वर्ग
यार्ड है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रान्त नं० 12828/
23-10-81 है ।

जी० सी० गर्ग
सभापत्र प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 29-5-1982

मोहर :

प्रस्तुत वार्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्थन रेंज 23-I/82-83

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1925—अतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹5,000/- रु. से ऊपरीकै सं० सर्वे नं० 206-2 पैकी, आदौ जमीन है। तथा जो बाँडेकदेव, तालुका दसफोर अहमदाबाद में स्थित है (अंगर इससे उपाबद्ध अनूमूल्य में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकुर्चर्ट अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के दृश्यमान गतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मैं वास्तविक रूप में छापित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवृत्त था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् 5---

(1) श्री बुलाभाई मोतीभाई एच० य० एफ० के
कर्ता थलसेज, बोडकदेव, तालुका दसफोर, जिला अहमदाबाद
(अन्तरक)

(2) श्री वालजाभाई कहराभाई रवारी मामदेवभाई
रामजोभाई रवारी विषाभाई माफभाई रवारी और अन्य नरेजा
रोड, कल्यान मीठ चालके मामने पुंजानाल की चाल,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयमें करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन और रका कुल क्षेत्रफल 2934 1/4 वर्ग यार्ड है।
जो गांव बोडकदेव, तालुका दसफोर, जिला अहमदाबाद में
स्थित है तथा यहांका पूर्ण वरणन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्स
बिकायत नं० 125 97/21-10-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I
अहमदाबाद

तारीख : 29-5-1982

मोहर :

प्रस्तुत आइ. टी. एन. पृष्ठ. - ----

(1) श्री मायु सी० सूके

(अन्तरक)

आधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० एल० सी० 580/82-83—ग्रंथ. मुक्त पी०
पी० जै० थोमसकुट्टि०

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूचि के अनुसार

स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोलकाता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया। प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है प्रतिक्रिया
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(2) श्री एन० जमप्रकाश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायबाहूमां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी जाक्षणें :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(३) अन्तरण से हुई किसी आय की वारता, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूल्यपा
के लिए; और/या

22 Cents of land as per schedule attached to Doc No. 3210
dated 21-10-1981.

(४) ऐसी किसी आय या किसी भन या, अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाही ए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

पी० जै० थोमसकुट्टी
सक्षम प्राधिकारी

महायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धा० रा 269-प के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, इन्द्रांति :--

तारीख : 11-6-1982
मोहर :

प्रूफ आहे टी.एन.एस.-----

(1) श्री बाजी सी० लूल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० नवप्रकाश

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहोना करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्योहै भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तिगत पर
सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी
मध्यम बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वस्त्र व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ण द्वारा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूचि के अनुसार है, जो कोल्लम में
स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूचि में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 21 अक्टूबर 1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
मूल्य से कीर्त्ति नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविस्तारों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
संविधा के लिए;

22 Cents of land as per schedule attached to Doc. No. 3211
dated 21-10-1981.

पी० जै० तोमसकुट्टि
संक्षेप प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अह: अब, उक्त अधिनियम 1 की भारा 269-ष के, जनूसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-6-1982
मोहर :

प्रस्तुप आर्ड ऑ इन एस.-----

(1) श्री जोग सी० लूक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन भूमि

(2) श्री एन० नन्दकुमार

(प्रतिरक्षित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 11 जून 1982.

निर्देश सं० एल० सी० 582/82-83—अतः सुझ, पी०
जे० तोमसकुट्टी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूचि के अनुसार है, जो कोल्लम में
स्थित है (श्रीर इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कोल्लम में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ८--

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी जाक्षणः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

24 Cents of land with building as per schedule attached to
Doc No. 3209 dated 21-10-1981.

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

पी० जे० तोमसकुट्टी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :--

तारीख : 11-6-1982

मोहर :

परम्परा आई. टी. एन. एस. ----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना
 भारत मरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्गतिक्रम)
 अर्जन रेज, नयपुर
 नयपुर, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश मं० राज०/सह० आ० अर्जन— यतः मुझे, एम०
 एस० गांधी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित दाता, मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० है तथा जो कल्याणपुरा में
 स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है) जिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय सागानेर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
 आरीख 3-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वारा अनुसूचना के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके द्वारा अनुसूचना के लिए अन्तरित की गई है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है . . .

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, (धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 11)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, लिप्तने में सूचिता के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपशरण (1)
 के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३-

91-156GI/82

(१) श्री शम कल्याण न नव निवासी खातीपुरा,
 जयपुर ।

(अन्तरक)

(२) श्री गमतना एवं पत्नी निवासी खातीपुरा, जयपुर
 (प्रतिरक्षी)

को यह सूचना आरी द्वारा पूर्वादि नामांगण के द्वारा ५ दिन
 घार्यवाद्यतां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, और अतिर दूसरा
 या तीसरा ये ग किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के अतिर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्सादारी ये पास
 निवास में किया जा दर्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि 13 बीघा 10 विस्वा स्थित ग्राम कल्याण-
 पुरा उर्फ खातीपुरा नहसील सागानेर जो उप पंजीयक,
 सागानेर द्वारा कम मंड्या 600 दिनांक 3-11-81 पर पंजी-
 पद्ध क्रिय पत में और विमुक्त रूप से विवरणित है।

एस० एस० गांधी

सक्षम प्राधिकारी
 महाध्यक आयकर आयुक्त (निर्गतिक्रम)
 अर्जन रेज, नयपुर

तारीख: 11-8-1982

मोहर :

प्रृष्ठ पा० टी० एन० एस० -----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश संख्या राज/महा आ० अर्जन—पन. मुझे, एम०
एस० गांधी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सदाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य है तथा जो पृथ्वीसिंहपुरा में स्थित
है, (और इसे उपावद्ध अनुमती और पूर्ण रूप में दिया
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागानेर में, रजि-
स्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 12-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्भिन्न में वास्तविक
रूप में कठिन नहीं किया गया है:--

(क.) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख.) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जगन्नाथ पुत्र मांगू बागडा, पृथ्वीसिंहपुरा,
तह० मांगानेर

(पत्रक)

(2) श्री प्रताप सिंह भान, निवासी बामबाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाईशुयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 बीघा 15 बिस्ता स्थित ग्राम पृथ्वीसिंह-
पुरा, तहसील मांगानेर जो उप पंजियक, मांगानेर जिला जयपुर
द्वारा कम संख्या 554 दिनांक 12-10-81 पर पंजिबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम० एम० गांधी
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 11-6-1982

मोहर :

प्रस्तुति वाइ.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं. राज०/महा० ग्रा० अर्जन-ग्रत मुझे,
एस० एस० गांधी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं. ह नया जो मारनगपुरा में स्थित
है, (श्री इमन उपायद्वयनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) उजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मागानेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 14-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अंदर कर देने के अन्तरक ते
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ब) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश पुत्र जंगलराम, रामेश्वर पुत्र जंगलराम
निवासी सारनगपुरा, तहसील सांगानेर

(अन्तरक)

(2) कुमारी फिरोजा रहमान पुत्री अब्दुल रहमान
चौधरी द्वारा संरक्षक श्री अब्दुल रहमान चौधरी, मकराना,
जिला नागौर

(प्रतिरक्षित)

को यह सूचना जारी करके प्रवक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्येष ८—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवर्त्तित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रभुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 बीथा 13 बिस्वा कलटीवेटेड लैण्ड स्थित ग्राम सारनग-
पुरा तहसील सांगानेर द्वारा क्रम संख्या 558 दिनांक
14-10-81 पर पंजिबद्व विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एस० एस० गांधी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 11-6-1982
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-- --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269-ब (1) के प्रधान सूचना

भारत प्रधान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश संख्या राज०/सह० आ० अर्जन—अत. मुझे,
एस० एस० गांधी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अंतर्गत सकल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ऊंचा बाजार मूल्य 25,000/-
है से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो पृथ्वीसिंहपुरा में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से,
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सांगानेर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 12-10-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निम्न अन्तर्भूत की गई) और पत्र यह 'इच्छास
करने का आग्रह' १५ वर्षांकी सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उन्हें दृश्यमान रतिफल से, एवं दृश्यमान प्राप्तकर्ता का
पन्द्रह प्रेरण से यहि १५ ली. अन्तरक (अन्तरक), और
अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तद या
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(a) अन्तरा से हुई किसी आय का बाबत उक्त
अधिनियम के १७८ कर ८८८ अध्यन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, इकाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की झप्थारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगन्नाथ पुत्र मांगू बागडा, पृथ्वीसिंहपुरा तह
सांगानेर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विश्वज्योति पत्नि श्री प्रतापभानु सिंह
निवासी बांसवाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(a) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राहोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अन्तरूची

कृषि भूमि 18 बीघा स्थित ग्राम पृथ्वीसिंहपुरा तहसील
सांगानेर जो उप पंजियक सांगानेर द्वारा क्रम संख्या 553
दिनांक 12-10-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित

एस० एस० गांधी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 11-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश संख्या राज/सहा० आ० अर्जन— प्रेस मुझे,
एस० एस० गांधी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो सिंगारपुरा में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में सौर पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सागानेर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 23-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्णु
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से इसे किसी आय की वाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर के, अन्तरक के
दायित्व में कभी करने वा उपसं
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन के अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1924
(1924 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में
सुविधा के लिए;

अस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपर्याप्त (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्री प्रताप पुत्र सुश्रावाल बलाई निवासी मौजमा-
बाद।

(अन्तरक)

(2) श्री डाल चन्द्र पुत्र गुलाबचन्द्र बलाई निवासी
देवरी।

(अन्तरिसी)

तो यह नुवाता जाते करक उर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया छरूता है।

अर्जन न सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेप—

(क) इस इच्छा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
गूस्तना ही तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस इच्छा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किए गए अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
प्रिवेट रूप से जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— यह अर्जन एवं वादों और वादों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 20 बोधा स्थित ग्राम सिंगारपुरा तहसील
सागानेर जिला जयपुर जो उप पञ्चायत सागानेर द्वारा पंजिबद्ध
विक्रय पत्र संख्या 632 दिनांक 23-11-81 में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

एस० एस० गांधी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 11-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आहू. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज पूना

पुना 411004, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश आय० ए० मी०/मी० ए०/ए० मी० आर० मिरज II
आकटो 81/667/82-83—अन्तः मुझे आय० के अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

आंग जिसकी सद्या ग्राम पंचायत न० 1185 सी० एस० न०
2285 ता० मिरज जिं० रागली है तथा जो मेसाल में
स्थित है (आंग इसमें उपाबड अनुसूची में आंग पूर्ण स्पष्ट में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृष्ट्यम निबंधक
मिरज II में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1981
को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के नियंत्रणित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरफोर्म) और अन्तरिती
(अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी नहीं या उससे वर्षमें में
सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी शन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छप-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपबारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

(1) श्री बाहुबली सालगोंडा पाटिल, और दूसरे म्हेसाल,
ता० मिरज जिं० मांगली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एस० मनबोरा चंश्वरमैन वसंतसर्व मेवा
सहकारी मोमार्यटी लिमिटेड, म्हेसाल, ता० मिरज जिं०
मांगली।

(अन्तर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ब्र) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषित अवधि के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरी हरण :— इनमें प्रयुक्त गढ़ी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवारित
हैं, वहीं अंदर होगा, जो 31 अक्टूबर में दिया
गया है ।

मानसूची

जमीन और मकान जो ग्रामपंचायत न० 1185, सी०
एस० न० 2285, म्हेसाल ता० मिरज जिं० मांगली में
स्थित हैं।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1689 जो अक्तूबर
1981 को दृश्यम निबंधक मिरज II के दफ्तर में लिखा
हुआ है ।)

आर० के० अग्रवाल
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज पूना

तारीख 14-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आदेशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदेशकर आयत्त (निरीक्षण)

ग्रंथनं रेज पुना

पुना 411004, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश म ० आय प० सी०/सी० १०५/गम आर० नामिक
अक्त० ८१/७१२/८२-८३—यह मुझे, आर० के० अग्रवाल
आदेशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्या एम० न० 428/ ग/७ प्लाट न० ३८
है तथा जो माणिकशानगर नामिक में स्थित है (और इससे
उपांबढ़ अनुसूची में और पृष्ठ रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय मूल्य निवधक नामिक में,
रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का २६) के
अधीन, तारीख अक्तूबर 1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त सम्पत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों), और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसने भ दामनीक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की 'बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आदेशकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
शनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था उसमें में
सुविधा के लिए;

(1) श्री नारायण रामचंद्र साहूले २/५, समर्थ नगर
चूनाभट्टी (सायन) घम्बे-400022।

(अन्तरक)

(2) श्री जयनिलाल करमचंद्र पटेल नटराजन का आप
हाउसिंग गोगायटी निः० नागचौक, पञ्चवटी, नामिंव-१

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
प्रविष्ट हो दिया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो सं० न० 428/ग/७ प्लाट न० ३८, माणकशा
नगर, नामिक में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलोक्षण न० 4897 जो अक्तूबर
1981 को दृश्यम निवंधक नामिक के दफ्तर में लिखा है।)

आर० के० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आदेशकर आयत्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज पुना

प्रलूप आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुद्धत (निरीक्षण)
अर्जन रेज पुना

पुना-411004, दिनांक 2 जून 1982

निवेश आई० ए० सी०/सी० ए५/ए०स० आर० नासिक/
नम्ब० 81/709/82-83—अतः मुझे, आर० के० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रा. से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लाट नं० 34, आर० एस० सं० 712/
2ए और 2डी/34 है तथा जो डिसेंजा शिवगिरी कालोनी गंगापुर
रोड नासिक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय
दुय्यम निबंधक नासिक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे घृह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में शास्त्रीय रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 77) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुभवण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मिसेस ग्रेटा कलरा मडेरिया और मिसेस लेस्टर
जोसेफ मोडेरिया मारी कांटेज, 12वीं रोड, कथोलिक कालोनी
चेंबर, वम्बे-400071।

(अन्तरक)

(2) श्री डग्लस डिसोइया, 4 ब्लॉक आफ इंडिया विलिंग
हिल रीड, बांद्रा वाम्बे-400050

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अर्जनकर्ता में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
से लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं० 34, रि० स० नं० 712/
2ए और 2डी/34 डिसेंजा शिवगिरी कालोनी, गंगापुर
रोड, नासिक में स्थित है।

(जिसे करिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5207 जो नवम्बर
1981 को दृश्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

आर० के० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, पुना

तारीख : 2-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई०.टी०.एन०.एस० -----
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज पूना
 पूना, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/सी० ए५/एम० आर० अहमद
 नगर/ग्राहक 81/710/82-83— यतः मुझे, आर० के०
 अग्रवाल,
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ग(1) के अधीन मक्कम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी मंदिराप्रभ० नं० 454/2 है तथा जो कापुरवाडी
 अहमदनगर में स्थित है (और इसमें उपावच अनुसूची में और
 पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 दृश्यम निबंधक अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981
 को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए उन्नतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरक में कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में इमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और या;
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या द्वन्द्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
 20-156GI/82

(1) श्री गुलशन कुमार जिवनदाम उभराया और 3
 मावेडी, जि० अहमदनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री अजित सिमरतमल बोरा और 3, एम० जी०
 रोड विजय साडी सेंटर, अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्द
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

संरक्षकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो सं० नं० 454/2, कापुरवाडी, जि० अहमदनगर
 में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2978 जो अक्टूबर 1981 को दृश्यम निबंधक अहमदनगर के वफतर में लिखा है।)

आर० के० अग्रवाल
 सक्तम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 7-6-1982

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेंज पना

पूना-411004, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश सं० आई प० सी०/सी० ए० ५/एस० आर०
जलगाँव दिस० ८१/७१३/८२-८३—अतः मुझे आर० के०
प्रयत्नवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण इसे कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या शेत गेट नॉ 349 है तथा जो कुमुद्वे
खुर्द में स्थित है (और इसमें उपविद्ध शनुमूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय
दुय्यम निबन्धक जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नारीख दिनम्बर 1981।

नों पूर्वोक्त संघर्षित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघर्षित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के इन्हीं प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवितप्राप्तों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष हवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में राबिधान के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुग्रहण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्र की समाप्ति (1) के अधीन निष्पत्तिपूर्ण घावितयों, अर्थात् :—

(1) श्री विक्रम नवल पाटिल, कुमुम्बे खुर्द पी० चिंधीली
ता० जि० जलगांव।

(ग्रन्तरक) (2) श्री तुकाराम सोनू काले और 5,474, विठ्ठल पेठ,
जलगांव

; (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्टेटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासा है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

संग्रही

खेतिकी जमीन जो सेत गेट नं० 349 कुमुम्बे खुर्द में
ता० जि० जलगांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4439 जो दिमांक 1981 को द्वयम् निबंधक जलगांव के दफ्तर में निखा है।)

आर० के० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज. पना

तारीख : 7-6-1982

मोहर :

प्रसूच बाई. टी. एन. एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 7 जून 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/सी० १०५/एस० आर०
अहमदनगर/अक्टूबर 81/711/82८३—अतः मुझे आर० के०
अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 454/1 है तथा जो कापुर वाडी अहमदनगर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्यम
निबंधक अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

का भूर्वैक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किस जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुलजन कुमार जिवनदास उमराव और 3
सांवडी, जिं० अहमदनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक सिमरतमल बांरा और 3 एम० जी०
रोड, विजय साडी मेंटर, अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीन सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस गुरुता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की व्रद्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की व्रद्धि, जो भी
व्रद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस 'गुरुता' के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर यम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति हारा अधोइस्ताक्षरी के पास
निलिन में किए जा सकेंगे।

दृष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, उक्त प्रधायाय 20 वां परिभाषित है, वही
प्रथ होंगा जो उक्त प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन जो सं० नं० 454/1 कापुरवाडी, जिं० अहमदनगर
में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2979 जो अक्टूबर
1981 को दुर्यम निबंधक अहमदनगर के दफ्तर में लिखा
हुआ है)।

आर० के० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 7-6-1982

सांहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 2 जून 1982

निवेश सं० आई० ए० सी०/सी० ए० 5/एस० आर० जलगांव /707/ अक्तूबर 1981/82/83—अतः मुझे, आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भवित्व, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० शेत सं० न० 269/2B तथा जो मेहरूण जि० जनांव में स्थित है (और इसके उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पुना मोतीराम महाजन पो० मेहरूण, ता० जि० जलगांव।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिलद्व विश्वनाथ पाठिल मैत्रेजिंग पार्टनर मेसर्स सोनल ट्रेडर्स 172 नवी वेठ, जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधारी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावधार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भवित्व में हितमद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

जमीन जो सं० न० 269 मेहरूण में स्थित है और जिसका क्षेत्र 1-18 हेक्टर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3884 जो दुर्घम निवंधक जलगांव के दफ्तर में लिखा है।)

आर० के० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 2-6-1982

मोहर :

प्रसूप बाई० टी. एन. एस. -----

(1) श्री सुरेश तुकाराम चौधरी पोलन पेठ, जलगांव
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स प्रगति बिल्डर्स, जलगांव पार्टनर श्री ग्रन्तिश्वद
विश्वानाथ पाटील 172 नवी पेठ, जलगांव।
(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

पूना 411004, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/सी० ए०-५/एम० आर०
जलगांव / आवृद्ध० 81/7/7/82-83--अतः मुझे आर० के०
अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिनके संबंध में गोटेट नं० 337/2 है तथा जो प्रिपराले
जिला जलगांव में स्थित है (और इसमें उपावड्ह ग्रन्तुसूची में और
पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्र वर्त्ती अधिकारी के कार्यालय
दुर्घम निबंधक जलगांव में, राजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को प्रावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित
में वास्तविक रूप से कीर्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

खेती की जमीन जो गोट नं० 337/2 पर प्रिपाले
जिला जलगांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रहृत विलेख नं० 3851 अक्टूबर
1981 को दुर्घम निबंधक जलगांव के दफ्तर में लिखा
दुआ है।)

आर० के० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूप नाइ. टो. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, पूना
पूना 411004, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं० आय ए० सी०/सं० ए०-५/ एम० आर०
करवीर/प्रकटो 81/718/82-83—यतः मुझ आर० के
अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पाद, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आर० एम० नं० 875/3 प्लाट नं० 7
है तथा जो ईवार्ड ताराबाई पार्क कोल्हापुर स्टॉ
में स्थित है (आर० इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दुयम निबंधक करवार में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारोंख अक्तूबर 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बाधने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री उद्योगसिंह जयसिंह राव घासपड़ शर्वजी पार्क,
कोल्हापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गविनाश विश्वासराव पाटिल मलकापुर बंगले
कम्पाउण्ड 14 'ई' विशालगढ़ हाउस कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरोपित करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बार में सभात्र होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो आर० एस० नं० 875/3, प्लाट नं० 4,
ई० वार्ड, ताराबाई पार्क में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीत विलख नं० 3337, जो आक्तूबर
1981 को दुयम निबंधक करवार के दफ्तर में लिखा
हुआ है।)

आर० के० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 9-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमति लीनावाई मेघराज कार्तिया पंचवटी
नासिक-3।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना 411004, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं० आय ए० सा०/सो०ए० एम/पृष्ठ० आर० नासिक
अक्टो० 81/714/82-83-यतः मुझे आर० के० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आर० ए० सं० 717/धी-1 ए० 1-1
है तथा जो एच० प० ८० ट० कॉलेज रोड न.निक्स में स्थित
है (और इसे उपावद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेशन अधिदारी के वार्तालय दुर्योग निवंधक
नामिक में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, न.री.ब अक्टूबर 1981 :

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखद में
वास्तविक रूप से कथित रही दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे वधने में समिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थी अन्तरिती स्थारा इकट्ठ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिधा
के लिए;

अनुसूची

जमीन जो आर० ए० नं० 717/1धी—१ ए-१-१ एच
पी० ट० कॉलेजरोड, नासिक में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रेशन विलेख नं० 5003 जो अक्टूबर
1981 को दुर्योग निवंधक, नासिक के दफ्तर में लिखा
हुआ है।

आर० के० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्रसूप बाइ^१.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

पूना, 411004, दिनांक 9 जून 1982

निवेश सं० आई० ए० सो०/सो० ए०/एस० आर० जलगांव/

अक्तूबर-81 716/82-83—यतः मुझे आर० के० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसको संछग सं० एस० नं० 2190/1 है तथा जो
बमलीग पेठ जलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधि-
कारी के कार्यालय दुय्यम बंधक जलगांव में, रजिस्ट्रीकर्ट
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भ्र
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कर्मा करने या उससे बचन पै सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभाव
के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः :—

(1) श्रमिती कमावाई हरी कोल्हपुर और अन्य जा०
प्रदौ०प परशुराम पटवर्धन सरस्वती बंगला लेन नं० 10,
प्रभात रोड, इरानडवाने, पुणे-4।

(अन्तरक)

(2) श्रमितो वेखरी विनायक चौकीदार 303,
बलीराम पेठ जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की ताप्रिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोक्तरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो सो० एस० नं० 2190/1,
बलीराम पेठ जलगांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर विलेख नं० 3476 जो अक्तूबर
1981 को दुय्यम निबंधक; जलगांव के दफ्तर में लिखा
हुआ है।)

आर० के० अग्रवाल
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख 9-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एम.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संस्थायक आयकर अधिकत (निरीक्षण)

ग्रजैन रेज, पूना

पुना 411004, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश म ० आय ए० सी०/सी० एम/एम० बास्ट्रे/अक्टूब०/
81/715/82-83—यत् मुझे आरा० के० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संस्थायक अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिम्मकी मंजूषा बैंक नं० 1487 है तथा जो रकवा नं०
13 में स्थित है (श्री० इसमें उपावड़ अनुसूची में आंश पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकार के कार्यालय दुर्यम
निवंधक बास्ट्रे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चल प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(अ) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कारदाने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, शिपाने में सुविधा
के लिए,

(1) कुमार, हिंग खुरणेदर्जा भरचा तथाबैं, टेरेस
52 फॉर्मेट, रोड, बास्ट्रे 400036।

(अन्तरक)

(2) मेमसे एम० प्रकाश एंड कम्पनी जी/151 प्रेम
नगर, ठाणा (इस्ट)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवारीह्या करता है।
उक्त संपत्ति के अर्जन के सबसे मौके भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति व्यापार अधीक्षाकारी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जर्मान जो बैंक नं० 1487, स्ट्रीट नं० 13, सेक्षन
30 ए० प० उल्हासनगर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० आरा० 2702,
अक्टूबर 81 को दुर्यम निवंधक बास्ट्रे के दफ्तर में लिखा
है)।

आरा० के० अग्रवाल

संस्थायक प्राधिकारी

मालायक आयकर अधिकत (निरीक्षण)

ग्रजैन रेज, पूना

तारीख : 9-6-1982

भारत

प्रस्तुत आई दा । — एम - - - - -

(1) श्री हर्मेन्द्र प्रसाद

(अन्तरक)

भारत कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जिसेन्द्र कुमार श्री वृजेश कुमार ठारा पिना
संग्रहक श्री बद्धी प्रसाद दिलजीवंपुर नावालिंग गोरखपुर।

(अलारिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जून 1982

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० औ० 59/अर्जन—
अत मुझे, ए० प्राप्ताद,

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के
अधीन संक्षेप अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिभवी मूल्य 545/155/7 सी है तथा जो सेक्टर
ए० महानगर लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपावड़ अन्त-
मूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 अक्टूबर 1981
को पर्यावरण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तारीतियों) के बीच एम अन्तरण के निए नया पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित म वास्तविक

(1) श्री हर्मेन्द्र प्रसाद

का यह सूचना जारी करके प्रबोच्च सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रबोच्च
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिहित में किए जा सकेंगे।

स्थावरकरण:-—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदार्थों को, जो उक्त
व्यक्तिवाच, के अध्याय 20-क में परिचायित हैं,
वही अर्थ होता जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

बास्तु

(क) बस्तुरप्त व दूर्दृष्टि वाल की वापत, उक्त
बास्तुरप्त के बीच कर देने के बन्दरक के वायित्व
में कभी करने वा उसके बचने में सुविधा के लिए;
वापत/का

(ख) दूर्दृष्टि वाल वा दूर्दृष्टि वाली संस्थानी
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरार्दो द्वारा प्रयट नहीं किया गया
या या दिया जाना आहिए था, छिकन में सं०-१
के लिए;

आराजी 3200 वर्गफुट का 545/155/7 सी महानगर
सेक्टर ए लखनऊ तथा वह समूर्ण सम्पत्ति जो सेलडोड एवं
फार्म 37 जो संख्या 6447 में वर्णित है जिसका
पंजीकरण मब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक
19-10-81 को किया जा चुका है।

१० प्रसाद

संजय प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयक्त (निरीक्षण)
मर्जन बोर्ड लखनऊ

अब अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

दिनांक 10 जून 1982
मोहर

प्रकृति आई.टी.एन.एस.,-----

(1) श्रीमती मृदुला जोशी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गणेश प्रसाद गोयनका

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं 1106/एक्यू.आर-III/82-83—यतः मुझे,
के० सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभावर प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं 16/1वी है तथा जो चक्रबेरिया लेन,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और,
पुण्यस्थ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 1 अक्टूबर 1981।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके रख्यमान प्रतिफल से, एवं रख्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहो किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उस
प्राधिनियम के अधीन कर वन के अन्तरक
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मूलिधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनश-
क्ति, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभार्य बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविभा के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आयकारियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सभाव्य होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

16/1वी, चक्रबेरिया लेन, कलकत्ता,
7K-7ch -20 sq. ft. जमीन

के० सिन्हा

सभाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III

54, रफीअहमद किदवाई रोड

कलकत्ता-16

यतः बत, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाय (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धित:—

नामिक: 9 जून 1982

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—--

(1) श्री धर्मि लिलाधर

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री अनंजाना खार किया

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं० 1100/एक्य० आर III/82-83—यत
मुझे, के० मिन्हा,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 3, 4, 5 एंड 6 है तथा जो देयारस्ट्रीट,
कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और,
पूर्णरूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 31 अक्टूबर 1981।
को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निभित
में वास्तविक न होना किया गया है।

क्योंकि यह सूचना आरी करने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में मेरे भी वास्तेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरा के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
बार/पा

मिन्हा3, 4, 5, एंड 6, देयारस्ट्रीट कलकत्ता।
15 के० 13Ch जमीन साथ मकान 1/4 घोर) है।

(ब) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

के० मिन्हा
सक्षम अधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III
54, रफीअहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा 1,
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत हूँ--

तारीख : 9 जून 1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं० 1101/एक्यू आर III/82-83—यतः मुझे,
 कें. सिङ्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-प के अधीन सभी साक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थानीय संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3, 4, 5, और 6 हैं तथा जो देयार स्ट्रीट
 कलकत्ता, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
 पूर्णरूप से वर्णित हैं रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन तारीख 31 अक्टूबर 1982।

को पूर्णैकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 गन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
 पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तुविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यालय में
 कमी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ उन्निटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा
 के लिए;

यतः नव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के, अनुसरण
 में, या, एकत अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धीरेश लिलाधर

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमलता खारकिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
 वाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 वाले में सबसे छोटी हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
 हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

अनुसूची

3, 4, 5, और 6 देयार स्ट्रीट, कलकत्ता ।
 15 के० 13ch जमीन साथ मकान, (1/4 शेयरा)

के० सिङ्हा
 सकाम प्राधिकारी
 आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज III,
 54; रफिअहमद किल्डवाई रोड,
 कलकत्ता-16

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट टी॰ एन॰ एम॰ ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जून 1982

निवेश सं० टी०-ए०-२०६/८१८२/४३० ए० मी०/रेंज-१/
कल/१९—यतः मुझे, के० भिन्ना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-व के अधीन सकान प्राप्तिकारी को, यज्ञ
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर ममति, त्रिपक्षा
उचित बाजार मूल्य 25,000/- इये से अधिक है,
और जिसकी सं० 24 है तथा जो जवाहरलाल नेहरू रोड
लकड़ता स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और,
पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 24 अक्टूबर 1981।

को पूर्वोंकर ममति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकाल में वास्तविक रूप में कठिन
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या वस्तु वास्तवियों
को, जिन्हें पारंपरिय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अमन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

(1) श्री शेलेन्ड्र नाथ चौधुरी

(अन्तरक)

(2) मेमर्स फ्रान्सिस के लिए को० प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंकर ममति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त ममति के अर्जन के ममतन्त्र में योई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की नामीज में 30 दिन की अवधि;
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोंकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निकाल में किये जा सकेंगे।

हस्ताक्षणः— इन्हें प्रयुक्त गढ़ों और ताँओं का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित
हैं, उन्होंने अप्यं द्वारा, जो उम अध्याय में दिय
गया है।

मन्त्री

24 जवाहरलाल नेहरू रोड, कलकत्ता 1 बी-17 के० 11ch
9 sq. ft. जमीन पर मकान (1/3 घोयर)

के० सिन्हा
सुभग प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,

34 रफीप्रहाद किरवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 14-6-1982

मोहर :

बत 1 बृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसूच
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अधिकारी और दौ एन एस. — — —

(1) जिवेन्द्र नाथ जोशुरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) की अधीन सूचना।

(2) मेमर्स फार्मिस केलिंग कं. प्राइवेट लिमिटेड

(भॉलिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, भौत्यक आयकर आयक्त (निर्वाचन)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-IV कल/19—यतः मुझे,
के० मिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए की अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. स अधिक है।

और जिसकी मं० 24 है तथा जो जवाहरलाल नेहरू रोड़,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और,
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रेजिस्ट्रार कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 24 अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पच्छह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती
(अन्तरिगतों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ना आया गया।
परन्तु इन्हिं उड्डेश में युक्त घनारण लिखित में
प्रासादीक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भवकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिखान में संविधा के लिए,

24. जवाहरलाल नेहरू रोड़, कलकत्ता, 1 बी-14 के-11 ल०
9 ब्रग फीट जमीन पर मकान। (1/3 शेयर)

के० मिन्हा
संश्ल प्राप्तिकारी
भौत्यक आयकर आयक्त (निर्वाचन)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उप-ता '1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-6-82
मोहर :

प्र० प्र० आ० टौ० ए० ए०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तर्फ़ दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आ० आ० सी०/ए००४०/२/ए००० आर०-२/
१०-८१/५७९०—यतः मुझे नरेन्द्र मिह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रिथला, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण हण
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

कां प्र० व० सं० सं० सं० कृषि भूमि के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हटाए किसी वाय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूल्यां
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मूल्यांकन के लिए;

अब अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री रामेश्वर और राम मेहर सुपुत्र श्री बलवन्त,
निवासी ग्राम—रिथला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मुकेश कुमार सुपुत्र श्री शोभ प्रकाश, निवासी
सी०-१५१, नारायणा, हृष्टस्टीयल एस्ट्रिया दिल्ली।

(अन्तर्भीकरण)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी जाक्षणेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बिहे 4 बिहवे, खनरा सं० 65/1 (5—8),
ग्राम—रिथला, दिल्ली।

नरेन्द्र मिह

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 7th May 1982

No. A. 32014/1/82—Admn. III—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the periods mentioned against each or until further orders whichever is earlier : -

Sl. No.	Name	Period for which promoted
1.	S.R. Gehlon	1-5-82 to 31-5-82
2.	K. P. Sen	17-5-82 to 2-8-82

2. Smt. Tejinder Kaur who was earlier promoted as Section Officer w.e.f. 1-2-82 for a period of 3 months vide notification of even number dated the 8th Feb. 1982 stands reverted to the of Assistant with effect from 16th February 1982.

The 2nd June 1982

No. A.31014/1/82-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Mukul Chatterjee appointed as Probationer in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission on the basis of the Indian Administrative Services etc. Examination 1977, substantively to the Section Officers' Grade of the Service in the same cadre with effect from the 2nd July 1981.

Y. R. GANDHI
Under Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL AND A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 25th June 1982

No. A-31014/7/80-AD.I(DPC).—The President is pleased to appoint Shri M. C. Mathur, Officiating Technical Adviser (Accounts and Income Tax) in the Central Bureau of Investigation as Technical Adviser (Accounts and Income Tax) in the Central Bureau of Investigation in a substantive capacity with effect from 28th April 1982.

R. S. NAGPAL,
Administrative Officer (E), C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi, the 1 May 1982

No. O.II-963/72-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Shri K. J. C. K. Reddy, Assistant Commandant 71 Bn CRPF with effect from the afternoon of the 12th May, 1982.

A. K. SURI,
Assistant Director (Estt.).

New Delhi-110066, the 15th May 1982

No. O.II-900/76-Adm-3.—Shri B. S. Rana who was officiating as Section Officer on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 12/12/78, has been appointed as such on regular basis with effect from 7-7-80.

No. O.II-1/82-Adm-3.—Shri N. A. Hira, Subedar Major (Office Supdt) of the CRPF has been promoted to the grade of Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 1-4-1982.

J. M. QURESI,
Dy. Director (Adm.)

New Delhi, the 22nd June 1982

No. O.II-1445/79-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr (Mrs) Jyotsna Trivedi as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis, with effect from 7th June, 1982 (F.N.), for a period of three months only or till 22—156GI/82

recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier

No. O II-1609/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) G. Chellakannu as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis with effect from 12th June, 1982 (F.N.), for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

Y. N. SAXENA,
Dy. Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL

CFNTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 25th June 1982

No. E-29020/82-GA-I.—The President is pleased to appoint the following officers substantively as Assistant Commandant in the Central Industrial Security Force w.e.f. 1st January, 1981:—

1.	Shri Ishwar Singh
2	” MS Bose
3.	” NND Kaul
4	” DS Treasure
5	” K.R.C. Nair
6	” S.N. Ganju
7	” B. Sarkar
8	” Shyamal Roy
9	” A.B. Mazumdar
10	” P. K. Lahari
11	” N. C. Das
12	” K. A. Punoose
13	” S. C. Jana
14	” S. K. Banerjee
15	” S.N.P. Sinha
16	” S.N. Dass
17	” N. C. Sengupta
18	” M.A. Jabbar
19	” P. R. Pillai
20	” R. K. Mukherjee
21	” P. P. Mitra
22	” B.B. Pooviah
23	” N. C. Sood
24	” Y. N. Khanna
25	” R. C. Kalia
26	” Chet Ram Singh
27	” M. M. Thapar
28	” K. K. Kaul
29	” S. C. Laul
30	” K. G. Thomas
31	” P. K. R. Nair
32	” John Chauhan
33	” M. L. Khurana
34	” R. K. Bhagat
35	” B. S. Rana
36	” G. S. Sandhu
37	” R. P. Dubé
38	” A. S. Shekhawat
39	” S. L. Prasad (SC)
40	” Z. S. Sagar (SC)
41	” R.M. Upadhyay
42	” S. K. Tah
43	” V. Louis Raj
44	” S. K. Verma
45	” C.S. Varadaraja
46	” S. K. Arora
47	” Ajit Singh
48	” C. D. Kukreti
49	” O. P. Sharma
50	” S. R. Sharma
51	” M. K. Chopra
52	” R. G. Thampi

53 Shri K. S. Ahluwalia
 54 P. S. Nandal
 55 „ L. N. Mohla
 56 „ S. K. Chadha
 57 „ P. R. Bhuttan
 58 „ Sheo Raj Singh
 59 „ S. S. Samyal
 60 „ Bhupinder Singh Rana
 61 „ M. L. Abrol
 62 „ V. Muraleedharan
 63 „ G. S. Nurpur
 64 „ J. R. Gupta
 65 „ B. K. Chakraborty
 66 „ S. K. Mukherjee
 67 „ S. K. Chakraborty
 68 „ J. L. Karmakar
 69 „ B. K. Pillai
 70 „ A. S. Khaturia
 71 „ Y. P. Jogewar
 72 „ R. M. Dash
 73 „ C. D. Rai
 74 „ D. C. Roy
 75 „ U. P. Behera
 76 „ A. N. Dwivedi
 77 „ L. P. Singh
 78 „ Nitinani
 79 „ Dev Raj Lal
 80 „ A.S. Bhatti
 81 „ S. K. Kohli
 82 „ Bhagwati Prasad
 83 „ P. P. John Alex
 84 „ Isham Singh
 85 „ H. C. Panwai
 86 „ K. S. Minhas
 87 „ P. N. Deo
 88 „ N. S. Yadav
 89 „ H. V. Chaturvedi
 90 „ N. K. Khajuria
 91 „ R. R. Bhardwaj
 92 „ H. S. Pannu
 93 „ D. S. Badwal (ST)
 94 „ S. K. Jaiman
 95 „ G. N. Zutshi
 96 „ K. C. Bhoomba
 97 „ Inder Mohan
 98 „ P. C. Gupta
 99 „ S. P. Dwivedi
 100 „ R. Jankiraman
 101 „ J. L. Sharma
 102 „ Surender Mohan
 103 „ N. Ramdass
 104 „ O. P. Bhasin
 105 „ N. K. Anand
 106 „ S. K. Rishi
 107 „ P. A. Pandharkar
 108 „ S. N. Singh
 109 „ M. R. Dinesan
 110 „ Gyanender Singh
 111 „ K. P. Nar
 112 „ S. P. Moolchandani
 113 „ V. N. Tiwari
 114 „ O. K. Sharma
 115 „ N. J. Sambrickar
 116 „ A. S. Mathusuktha Rao
 117 „ K. A. Belhappa
 118 „ C. L. Tripathi
 119 „ G. R. Dhar
 120 „ S. Thangachan

121 Shri J. M. Sethi
 122 „ R. K. Jolly
 123 „ Santokh Singh
 124 „ G. S. Dhillon
 125 „ S. R. Nath
 126 „ Krishna Jinnallegedda
 127 „ Raghunath Singh
 128 „ A. K. Sengupta

SHIVRAJ BAHADUR
Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 1 June 1982

No. 10|11|82-Ad.I.—The President is pleased to appoint by promotion, Shri Himakar, Assistant Director (Data Processing) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Deputy Director (Data Processing) on ad hoc basis, as Deputy Director (Data Processing), in the same Office, on regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 28th May 1982, until further orders.

2 The headquarters of Shri Himakar will be at New Delhi.

The 25th June 1982

No. 11|34|79-Ad I.—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Office Superintendents and at present working as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations as mentioned against each, on ad-hoc basis, as Assistant Director of Census Operations on a regular basis, in temporary capacity in the same office, with effect from the forenoon of the 8th June, 1982, until further orders:

No	Name of the Assistant Director of Census Operations.	Office in which working	
		1	2
1.	Shri M.R. Dahri	.	DCO, Madhya Pradesh, Bhopal.
2.	Shri P.D. Pradhan	.	DCO, Maharashtra, Bombay
3.	Shri R.C. Chandnani	.	DCO, Rajasthan, Jaipur.
4.	Shri A.S. Asghar	.	DCO, Jammu & Kashmir Srinagar.

2. The headquarters of S/Shri Dahri, Pradhan, Chandnani and Asghar will be at Bhopal, Bombay, Jaipur and Srinagar respectively.

No. 10|37|81-Ad I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri K. S. Rawat, Investigator in the Office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 8th June, 1982, until further orders.

2 The headquarters of Shri Rawat will be at New Delhi.

P. PADMANABHIA,
Registrar General, India.

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE AND
GOLD CONTROL APPEALATE TRIBUNAL

New Delhi the 26th June 1982

No. 6(3)|CEGAT|82.—Shri Hanish Chandra Chakraborty, lately working as Office Superintendent in the Customs House Calcutta assumed charge as Assistant Registrar,

Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal, Calcutta Bench, Calcutta, in the forenoon of 21st May, 1982.

R. N. SEHGAL,
Registrar.

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA**

Trivandrum, the 11th June 1982

No. Lstt.A/VII 9-80[Vol.II]40.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri Boby K. Thomas, permanent Section Officer (Audit & Accounts) to officiate as Accountants Officer with effect from 31-5-1982 (PN), until further orders.

S. GOPALAKRISHNAN,
Dy. Accountant General (Admn.).

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I.
WEST BENGAL**

Calcutta, the 24th June 1982

No. Admn.I/1038-XVIII/104.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on *ad hoc* and provisional basis Sri Bidyut Prakash Kundu, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer, in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 18-6-82 or from the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer whichever is later until further orders. It should be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during the pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case No. 14818 (W) of 1979.

The services of Shri Bidyut Prakash Kundu on his promotion to the Accounts Officer Cadre are placed at the disposal of Sr. Dy. Accountant General (Accounts) of this office for being posted *vice* Sri M. B. Guha, A.O. transferred from Accounts Group to the Office of the Director of Audit, Central, Calcutta.

No. Admn.I/1038-XVIII/106.—The Accountant General-I, West Bengal, has been pleased to appoint on *ad hoc* and provisional basis Sri Sunil Narayan Basu, permanent Section Officer, to officiate as Accounts Officer, in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 21-6-82 or from the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer whichever is later until further orders. It should be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during the pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case No. 14818(W) of 1979.

The services of Sri Sunil Narayan Basu on his promotion to the Accounts Officer Cadre are placed at the disposal of Sr. Dy. Accountant General (Works) of this office for being posted *vice* Shri D. K. Sengupta, Accounts Officer, on leave.

J. S. MEHROTRA,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, SIKKIM

Gangtok, the 8th June 1982

No. Admn.I/92/81-82/1118.—Sri Shri S. N. Ghose and S. K. Choudhury, Section Officers on deputation from Accountant General, West Bengal and Accountant General, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, etc. respectively are appointed to officiate on deputation as Accounts Officers in the office of the Accountant General, Sikkim with effect from 31-5-82 (PN).

M. S. PARTHASARATHY,
Sr. Deputy Accountant General.

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL RAILWAY**

Bombay V.T., the 22nd June 1982

No. Au.[Admn.]Misc.[Con.]2284.—Shri N. I. Mathew Offg. S.C. Section Officer (A), of this Office is promoted as Audit Officer in the offg capacity with effect from 13-5-1982 (PN).

S. Y. GOVINDRAJAN,
Director of Audit.

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 25th June 1982

No 4/82/A/M.—The President is pleased to confirm the following Officers in the grade of Senior Medical Officer/Assistant Director, Health Services with effect from the date mentioned against each:

Name of Officers	Date
1. Dr. N. C. Malakai	1-4-80
2. Dr. D. K. Sanyal	1-4-80
3. Dr. A. R. Chattopadhyay	1-4-80
4. Dr. S. K. Bhattacharya	1-4-80
5. Dr. (Miss) J. R. Barua	1-4-80
6. Dr. R. K. Pal	1-4-80
7. Dr. P. G. Saikai	1-4-80
8. Dr. S. K. Majumdar	1-4-80
9. Dr. M. G. Chakraborty	1-4-80
10. Dr. P. K. Mukherjee	1-4-80

C. S. GOURISHANKARAN,
Addl DGOF/Member (Personnel)

**INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD**

Calcutta, the 22nd June 1982

No. 31[G]82.—On attaining the age of Superannuation (58 years) Shri P. M. Sen, Offg. Deputy Manager (Subst. & Permit. Foreman) retired from service with effect from 30th September, 1981 (AN).

V. K. MEHTA,
Asstt. Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 21st June 1982

No. CLB.I/1/6B/82/6.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. TC(12) 58, dated 7th March 1958 namely :—

In the Table appended to the said Notification after S. No. 3(ii) the following entries shall be added in column 1, 2 and 3 namely :—

1.	2.	3.
"3(iii) Assistant Commissioner Food & Supplies.		Delhi."

SURESH KUMAR,
Additional Textile Commissioner.

**MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi-110011, the 22nd June 1982

No. 12(400)63-Admn(G). Vol. III.—The President is pleased to permit Shri D. N. Kaul, Deputy Director (Chemical), Small Industries Service Institute, Indore to retire from

Government service on attaining the age of superannuation with effect from afternoon of 31-5-82.

No. 12(571)/68-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Manmohan Singh, Assistant Director (Gr. II) (Metallurgy), Small Industries Service Institute, Ludhiana as Assistant Director (Gr. I) (Metallurgy) on ad-hoc basis at the same Institute with effect from the forenoon of 27-5-82 until further orders.

No. 12(582)/68-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. P. Bose, Assistant Director (Gr. II) (Met.) Small Industries Service Institute, Madras as Asstt. Director (Gr. I) (Met.) on ad-hoc basis at the same Institute with effect from the forenoon of 17-5-82 until further orders.

No. 12(583)/68-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri T. C. Venugopal, Assistant Director (Gr. II) (Met.) Production Centre, Ettumanur as Assistant Director (Gr. I) (Met.) on ad-hoc basis at the same station with effect from the forenoon of 27-5-1982 until further orders.

No. 12(594)/68-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. B. Das, Assistant Director (Gr. II) (Met.) Small Industries Service Institute, Calcutta as Asstt. Director (Gr. I) (Met.) on ad-hoc basis at the same Institute with effect from the forenoon of 26-5-1982 until further orders.

No. A.19018(598)/82-Admn.(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri A. K. Bose, Small Industry Promotion Officer (Mech.) SISI, Allahabad as Assistant Director (Gr. II) (Mech.) at Extension Centre, Meerut under SISI, Kanpur with effect from the forenoon of 19-4-1982 until further orders.

The 24th June 1982

No. 12(541)/66-Admn.(G) Vol.-II.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Rajan Asstt. Director (Gr. I) (Chem.) SISI, Trichur as Dy. Director (Chem.) on ad-hoc basis at the same Institute with effect from the forenoon of 23-4-1982 until further orders.

C. C. ROY,
Dy. Dir. (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 24th June 1982

No. A-6/247(623)/70.—The President has been pleased to appoint Shri V. B. Khanna, Assistant Director of Inspection (Met/Chem) (Grade III of Indian Inspection Service) in the Office of Director of Inspection, N. I. Circle, New Delhi as Deputy Director of Inspection (Met/Chem) (Grade II of IIS) at DGS & D (Hqrs.) w.e.f. 2-6-1982.

2. Shri Khanna relinquished the charge of the post of ADI (Met/Chem) in the Office of Director of Inspection N.I. Circle, New Delhi on the forenoon of 2-6-82 and assumed the charge of the post of DDI (Met/Chem) at DGS & D Hqrs. on 2-6-82 (FN).

3. Shri Khanna will be on probation for a period of two years w.e.f. 2-6-1982.

The 28th June 1982

No. A-17011/68/74-A6.—The President is pleased to appoint Shri Anil Gupta, Assistant Director of Inspection (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) in the Dir. General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg.) (Grade II of Indian Inspection Service Group 'A', Engineering Branch) on ad hoc basis with effect from the forenoon of 1st June, 1982 in a leave vacancy from 1-6-82 to 17-7-1982 in the same Directorate General at New Delhi and until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri Anil Gupta will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

N. M. PERUMAL,
Dy. Dir. (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 18th June 1982

No. 18913/A-19012(4-RS)/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Mineral Exploration Corp. Ltd., Shri Kanabir Singh, Driller, has resigned from the services in the Geological Survey of India with effect from 28-2-76 (FN). This is issued in supersession of this office notification No. 2517B/A-19002(4-RS)/78-19B dated 25-7-1980.

The 19th June 1982

No. 4/90B/A-19012(4-JRO)/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Mineral Exploration Corporation Limited, Shri J. R. Ohi, Driller resigned from the service in the Geological Survey of India with effect from 28-2-76 (FN). This is issued in supersession of this office notification No. 2517B/A-19002(4-JRO)/78-19B dated 7th August, 1980.

J. SWAMI NATH,
Director General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 22nd June 1982

No. 4-182/81/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri K. D. Lanjewar to a post of Statistician in the scale of Rs. 650-1200/-, in this Survey at North East Region, Shillong, on a temporary basis with effect from the forenoon of 14th May, 1982, until further orders.

M. S. RAJAGOPALAN,
Sr. Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22nd June 1982

No. 29/4/81-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri B. M. Pandya, Assistant Editor (Script), AIR, Baroda to officiate as Farm Radio Officer at All India Radio, Bhuj with effect from 14-6-1982 (FN).

S. V. SESADRI
Dy. Dir. Admn.
for Director General

New Delhi, the 23rd June 1982

No. 4/26/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. A. Khan as Programme Executive, All India Radio, Lucknow in a temporary capacity with effect from the 15th March, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200.

The 25th June 1982

No. 10/38/80-SIII.—Consequent upon acceptance of his resignation on account of his selection for the post of Junior Executive, Trainee (Electronics) in Coal India Ltd., Shri Swapna Lal Chaudhury Asstt. Engineer, H.P.T., A.I.R., Chinsurah has been relieved of his duties in AIR w.e.f. the afternoon of 15-4-1982.

C. L. BHASIN,
Dy. Dir. of Admn.
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 25th June 1982

No. A.12014/3/80-St I.—The DGHS is pleased to appoint Shri V. V. Ganapathi to the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Madras with

effect from the forenoon of 3-5-82, on an ad-hoc basis and until further orders.

SHIV DAYAL,
Dy. Dir. Admn. (ST)

**MINISTRY OF IRRIGATION
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER
FARAKKA BARRAGE PROJECT**

Farakka, the 25th June 1982

No. E|PF-II|259/4260(6).—Sri Biswanath Saha, Overseer (Civil) of this Project has been promoted to the post of Assistant Engineer (Civil) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the Farakka Barrage Project, Ministry of Irrigation, Government of India on adhoc basis for a period of one year with effect from 27-4-82 F.N. or till the post is filled up on regular basis which ever is earlier.

R. V. RANTHIDEVAN,
General Manager
Farakka Barrage Project

**MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Faridabad, the 24th June 1982

No. A.12026|2|78-A.III.—The deputation of Shri S. K. Sood as Accounts Officer in this Directorate at Faridabad which was initially for a period of 2 years w.e.f 19-11-1978 and subsequently was extended for the period from 19-11-80 to 18-2-1982, has been extended for a further period from 19-2-1982 to 17-4-1982 (F.N.) on the existing terms and conditions of deputation.

G. S. SHUKLA
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION**

Bombay-85, the 24th June 1982

No. PA.79(2)|81-R-III.—On transfer from Directorate of Purchase and Stores, Bombay Sri Reuben Philip de Souza, Assistant Personnel Officer assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in BARC with effect from the forenoon of June 19, 1982.

No. PA.81(5)|82-R-IV|627.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dawood Khan Haroon Khan, a permanent Assistant Foreman and a temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB with effect from the forenoon of February 1, 1982, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders.

B. C. PAL,
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF ESTATE MANAGEMENT**

Bombay-400 094, the 11th June 1982

ORDER

No. 10|254|71-Adm.—WHEREAS Shri Bhumiah Poshiah, Tradesman 'B' in the Workcharged Establishment of Directorate of Estate Management has remained absent from duty unauthorisedly w.e.f 23-2-1981.

AND WHEREAS vide Memorandum No. 10|254|71-Adm. dated September 10, 1981 sent by Registered A/D, the said Shri Bhumiah Poshiah was informed of the proposal to hold an enquiry and given an opportunity to make representation if any, within 10 days of the receipt of the said memorandum.

AND WHEREAS the said Shri Bhumiah Poshiah received the said memorandum on 22-9-1981, but failed to submit any representation.

AND WHEREAS it was proposed to hold an enquiry against the said Shri Bhumiah Poshiah and the following communications sent by registered post to the last known address of the said Shri Bhumiah Poshiah were returned undelivered by the postal authorities with the remark that the addressee has gone abroad :

- A. Letter No. 10|254|71-Adm. dated 24-11-81 and 17-12-81 directing Shri Bhumiah Poshiah to attend the enquiry on 16-12-81 and 4-1-82.
- B. Letter No. 10|254|71-Adm. dated 2-4-82 asking Shri Bhumiah Poshiah to attend the enquiry on 12-4-82.

AND WHEREAS the said Shri Bhumiah Poshiah has continued to remain absent from duty and failed to inform the Directorate of Estate Management of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Bhumiah Poshiah has been guilty of remaining absent and voluntarily abandoning the service.

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping the Directorate of Estate Management informed of his present whereabouts the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry.

And now therefore the undersigned hereby removes the said Shri Bhumiah Poshiah from service with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN,
Director.

Copy to :

Shri Bhumiah Poshiah, Dopada No. 26, Chikuwadi, near BARC Bombay-400 094.

Shri Bhumiah Poshiah, Poshatti Palli P.O. via Email Wada, Karim Nagar Distt. Andhra Pradesh.

Bombay-400 094, the 5th June 1982

ORDER

No. 2|711|81-Adm.—WHEREAS Shri Bhaskar Nikam, Helper 'B', DEM has been absenting from duty without permission from 1-9-1981.

AND WHEREAS the following memoranda sent by registered A/D to Shri Nikam to the last known addresses at Bombay and Jalgaon have been returned undelivered by the postal authorities with remarks to the effect that the whereabouts are not known :

- (a) Memorandum dated 17th October 1981 directing Shri Bhaskar Nikam to report for duty immediately.
- (b) Memorandum dated 3rd November 1981 again directing Shri Nikam to report for duty.
- (c) Memorandum dated November 25, 1981, proposing to take action against Shri Nikam giving him an opportunity to make representation, if any, against the proposal.

AND WHEREAS the said Shri Nikam continues to remain absent from duty;

AND WHEREAS the said Shri Nikam has been guilty of remaining unauthorisedly absent from duty from 1-9-1981 and voluntarily abandoning the services;

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping the Directorate of Estate Management informed about his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under Rule 14 of the CCS (CC&A) Rules, 1965.

NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred vide DAE Notification No. 22(1)68-Adm. II, dated 7th July 1979 and Rule 19(ii) of the CCS (CC&A) Rules, 1965 hereby removes the said Shri Bhaskar Nikam from service with immediate effect.

H. N. SAXENA, Administrative Officer.

Shri Bhaskar Nikam, Siddhartha Colony, Plot No. 251, Chembur, Bombay-71.

Shri Baskar Nikam, At & Post Malshevagi, Taluka Chelingoori, Dist. Julgaon.

Bombay-400 094, the 18th June 1982

ORDER

No. 10|436|77-Adm.—WHEREAS Shri B. J. More, Helper 'A' in the Workcharged Establishment of D.E.M. has remained absent from duty unauthorisedly w.e.f 7-3-1981.

AND WHEREAS vide Memorandum No. 10/436/77-Adm dated July 24, 1981 sent by Registered A/D, the said Shri B. J. More was informed of the proposal to hold an enquiry against him and given an opportunity to make representation, if any, within 10 days of the receipt of the said memorandum.

AND WHEREAS the said Shri B. J. More received the said memorandum on 28-7-81 but failed to submit any representation.

AND WHEREAS it was proposed to hold an enquiry against the said Shri B. J. More but the following communications sent by registered post to the last known addresses of the said Shri B. J. More were returned undelivered by the postal authorities with the remarks that the addressee has gone abroad :

- (1) Intimation dated 24-11-81, 17-12-81, 2-4-82 and 13-4-82 asking Shri B. J. More to attend the inquiry on 16-12-81, 4-1-82, 12-4-82 and 26-4-82.

AND WHEREAS the said Shri B. J. More has continued to remain absent from duty and failed to inform the Directorate of Estate Management of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri B. J. More has been guilty of remaining absent and voluntarily abandoning the service.

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping the D.E.M. informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry.

And now therefore the undersigned hereby removes the said Shri B. J. More from service with immediate effect.

H. N. SAXENA
Administrative Officer.

Copy to:

Shri B. J. More 37/33, B.D.D.
Chawla, Worli, Bombay-400 018.

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION
Bombay-5, the 21st June 1982

No. PPLD 3(235)/76-Fsl.1,8595.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri R. K. Suri, a permanent Assistant in DAE Secretariat as Assistant Personnel Officer in this Division in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-LB-40-960 with effect from the forenoon of June, 16, 1982 until further orders.

R. V. BAIPAI,
General Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX
Hyderabad-500762, the 23rd June 1982

No. N.F.C / P. A.R/1603/1671.—Chief Executive Officer, Nuclear Fuel Complex appoints the undersigned Scientific Assistants (C) to officiate as Scientific Officers in the grade of (SB) with effect from the date and on initial pay shown against their names in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810 -EB-35-880-49-100-EB-49 1200 in Nuclear Fuel Complex in a temporary capacity until further orders.

S. No.	Name	Basic Pay	Dt. of promotion
1	2	3	4
<i>S/Shri</i>			
1.	Y. Nageswar Rao	845	1-2-1982
2.	Surendrajeet Singh Bhatia	845	1-2-1982
3.	P. K. Damodaran	810	1-2-1982
4.	Mohd. Zahoor-ul-Haq	775	1-2-1982
5.	G.V. S. N. Sarma	775	1-2-1982
6.	G.G. Pillai	775	1-2-1982
7.	S. Ramaswamy	775	1-2-1982
8.	B. Gopal Rao	775	1-2-1982
9.	U. Krishna Murthy	775	1-2-1982
10.	G.V. Subba Rao	775	1-2-1982
11.	C. Narayana Rao	775	9-2-1982

1	2	3	4
<i>S/Shri</i>			
12.	L. Prabhakar Rao	740	1-2-1982
13.	G. N. Srisailam	740	1-2-1982
14.	M. A. Raoof	740	1-2-1982
15.	S. Rajasekhara Rao	740	1-2-1982
16.	K. Mohan Rao	740	1-2-1982
17.	P. Raghava Rao	740	1-2-1982
18.	Mohd. Nasir	740	1-2-1982
19.	Syed Azeezuddin	710	1-2-1982
20.	S. S. Harinath	680	1-2-1982
21.	H. Krishna Murthy	680	1-2-1982
22.	Varghese Babu	680	1-2-1982
23.	S. Devarajan	680	1-2-1982
24.	P. Shrinivashan	680	1-2-1982
25.	P. Chandrasekharan	680	1-2-1982

G. G. KULKARNI
Manager, Personnel & Adminn.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 28th June 1982

No. AMD-16/5/82-Rectl.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. P. Sharma, permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant, Rajasthan Atomic Power Project as Assistant Accounts Officer in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of May 31, 1982 until further orders.

T. D. GHADGI,
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the June 1982

No. 05032/82/Feb.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Dibakar Barik, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Talcher), to officiate as Scientific Officer Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of February 2, 1982 until further orders.

R. C. KOTIANKAR,
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 19th June 1982

No. 6/11/81-CED(H).—The Chief Engineer, Civil Engineering Division, Departments of Space, is pleased to promote Shri S. L. Pathak, Draughtsman 'E', Civil Engineering Division, Department of Space as Engineer-SB in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of October 1, 1981 and until further orders.

L. RAJAGOPAL,
Administrative Officer-II

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 3rd June 1982

No. 5/82.—Shri N. P. Nagarksheth Assistant Collector of Central Excise, Group 'A' (Hdgrs), Baroda retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-5-1982 A.N.

The 9th June 1982

No. 6/82.—Shri B. R. Joshi Superintendent of Central Excise, Group 'B' Ahmedabad Division IV retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-5-1982 A.N.

No. 7/1882.—Shri R. G. Desai Superintendent of Central Excise, Group 'B' of BULSAR DIVISION retired on attain-

ing the age of superannuation pension in the afternoon of 31-5-1982 A.N.

No. 8/1982.—Shri N. G. Barot, Superintendent of Central Excise, Group 'B' of Baroda Division-II retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-5-1982 A.N.

J. M. VERMA
Collector of Central Excise,
Baroda

Bombay, the 21st June 1982

F. No. II/3E(a)2/77 PTI.—Shri A. R. Kudalkar, Superintendent, Central Excise, Gr. 'B' in Bombay-I Central Excise Collectorate has retired on superannuation on 31-4-82.

F. No. II/3E(a) 2/77 Pt. I.—The following Office Superintendents have on ad-hoc promotion assumed charge as officiating Administrative Officer/ Examiner of Accounts/Assistant Chief Accounts Officer of Central Excise Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-I with effect from the dates shown against their names. S/Shri S. B. Mane and R. B. Wagh have been promoted on purely ad-hoc basis against leave vacancies.

S. No.	Name	Date of assuming charge
1.	Shri S.G. Gupte	30-3-82 F/N
2.	Shri R.S. Dhople	31-3-82 F/N
3.	Shri M.K. Mane	31-3-82 F/N
4.	Shri M.S. Sane	31-3-82 F/N
5.	Smt. Parvathy Ganeshan	31-3-82 F/N
6.	Shri N.J. Karande (SC)	31-3-82 F/N
7.	Smt. S.D. Mhatre	31-3-82 F/N
8.	Shri P.S. Dive (SC)	31-3-82 F/N
9.	Shri S.B. Mane	16-4-82 F/N
10.	Shri R. B. Wagh	19-4-82 F/N

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise
Bombay-I.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-66, the 19th June 1982

No. 22/6/81-Adm. I (B)—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the under-mentioned Supervisor/Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director, Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity, with effect from the date indicated against each, until further orders:—

Sl. No.	Name of Officer	Date of taking over charge
1.	Shri K.L. Khitha	17-3-82 (AN)
2	Shri T.N. Padmanabhan	31-5-82 (FN)

S. BISWAS
Under Secretary (P)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M. V. Nilkanth Industries Private Limited

New Delhi, the 11th June 1982

No. 273/10/30.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that

at the expiration of three months from the date hereof the name of the M. V. Nilkanth Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Shiva Khandari Udyog Private Limited

Patna, the 18th June 1982

No. (836)PS/2032.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Shiva Khandari Udyog Private Limited has this day been struck off the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Dinapur Cold Storage Private Limited

Patna, the 19th June 1982

No. (618)PS/2046.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Dinapur Cold Storage Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Patna Times Publication Private Limited

Patna, 19th June 1982

No. (725)PS/2049.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Patna Times publication Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Chandra Gupta Prakashan Limited

Patna, the 22nd June 1982

No. (407)560/78-79/2107.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Chandra Gupta Prakashan Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Ekaant Hotels Private Limited

Patna, the 22nd June 1982

No. (1210)560/80-82/2110.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Ekaant Hotels Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Kwality Ice Creams (Jamshedpur) Private Limited

Patna, the 22nd June 1982

No. (1311)78-79/2113.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Kwality Ice Creams (Jamshedpur) Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Imam Properties & Fabricators Private Limited

Patna, the 22nd June 1982

No. (1226)560/78-79/2116.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Imam Properties & Fabricators Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Bihar Type Foundry Private Limited*

Patna, the 22nd June 1982

No. (1009)-560/78-2119.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Bihar Type Foundry Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Thakur Chip Boards Limited*

Patna, the 23rd June 1982

No. (706)78-79/2132.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Thakur Chip Boards Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Garmex Private Limited*

Patna, the 23rd June 1982

No. (1213)560/81-82/2135.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Garmex Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Rai Sahab S. Arora and Company Private Limited*

Patna, the 23rd June 1982

No. (268)3|78-79|2138.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Rai Sahab S. Arora and Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Sri Narayan Yatri Bhawan and Tourism Industries Private Limited*

Patna, the 28th June 1982

No. (1169)/560/4/81-82/2205.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date

hereof the name of the Sri Narayan Yatri Bhawan and Tourism Industries Private Limited unless cause is shown to the country will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. W. ANSARI
Registrar of Companies,
Bihar, Patna

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bangalore Electronics Private Limited*

Bangalore, the 24th June 1982

No. 1689|560|82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Bangalore Electronics Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Ranchi, the 22nd June 1982

ORDER

Jurisdiction—Income-tax Act, 1961—Section 124(1)—Jurisdiction of Income-tax Officer, Ward-A, Circle-I, Ranchi C.I.T., Ranchi Charge

No. Jurisdiction/IAC.Asst-II/82-83/5072-5141.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Ranchi hereby directs that with effect from 1-7-82 Income-tax Officer, Ward-A, Circle-I, Ranchi shall perform his functions in respect of all areas or persons or classes of persons or all incomes or classes of incomes or all cases which are presently under the jurisdiction of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Assessment Range-II, Ranchi.

C. B. RATHI
Commissioner of Income-Tax
Ranchi

FORM ITNS

(1) Shri Rameshwari and Ram Mehar
S/o Balwant,
R/o Vill. Rithala, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mukesh Kumar.
S/o Om Prakash
R/o C-151, Naraina Indl. Area, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-II|110-81,5790.—Whereas, I
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Rithala, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Oct., 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in the Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 10 Bighas 4 Biswas Kh. No. 651(5-8)
and 66 5(4-16) Vill. Rithala, Delhi

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 25-5-82
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
23—156GI/82

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mir Singh, Chiranjit Lal, Devi Ram, Jai Bhan and Layak Ram S/o Bhola
R/o Vill Mundka, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Krishna Gupta w/o Vinod Kumar Aggarwal
R/o 24/25, Model Basti, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC(Acq-II)SR-JJ/10-81/5842. Whereas I,

NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Mundka, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer referred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 25-5-82

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rameshwar and Rani Mohar
S/o Balwant R/o Rithala, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sapna Gupta w/o L. Om Parkash
R/o C-151, Naraina Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-II|10-81|5791.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Rithala, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri land Mg. 10 Bighas 4 Biswas Vill. Rithala, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 25-5-82
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Rameshwar and Ram Thehar
S/o Balwant
R/o Vill. Rithala, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC(Acq-II)SR-II|10-81|5789.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearingAgri. land situated at Vill. Rithala, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981

to: an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Pawan Kumar
S/o L. Om Parkash
R/o C-151, Naraina Indl. Area Phase 1, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Agri. land 10 Bighas 4 Biswas Vill. Rithala, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 25-5-82
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Mansa Ram
S/o Ram Datt
R/o Vill Bakarghau, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jot Ram
S/o Chandgi Ram
R/o Vill Nasispur, Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) ◎

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G 13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I P ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Re: No IAC(Acq-II)SR II/10-81/6099 —Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Agrt. land situated at Vill Bakarghau, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agrt Land Mg 15 Bighas 8 Biswas Vill Bakarghau, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date 25-5-82
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq-II]SR-II|10-81|6129.—Whereas, J.
NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Jafferpur alias Hiran Kudna, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Mange Ram S/o Jot Ram & Balwan Singh S/o Jot Ram R/o Vill. Hiran Kudna, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash S/o Ishwari Dass, Lal S/o Ishwari Dass Subhash Chand S/o Ishwari Dass R/o WZ 1642, Multan Mohalla Rani Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 19 Bighas 1 Biswas Vill. Jafferpur alias Hiran Kudna, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 25-5-82
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Ram Narain
S/o Maroo of Vill.
Zatikra, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Manshani
S/o N. S. Manshani
R/o 13/33 Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, T P ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC(Acq) II SR H 10/81 5816 Wherby I,

NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agric. land situated at Vill. Zatikra, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agric. land Mg. 14 Bighas 8 Biswas Kh. No. 27/6, 15, 56
11 Vill. Zatikra, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 25-5-82
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II
6-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I P USTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq-II]SR-II|10 81|5862—Whereas I
NARINDAR SINGH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
 Agri land situated at Vill Siraspur Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Paras Ram
 S/o Khem Chand for himself and behalf of
 Sh Rajinder Singh
 (Transferee)
- (2) Shri Raj Kumar
 S/o Amrit Lal
 R/o 13/33 Shakit Nagar Delhi
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Mg 1 Bighas 6 Biswas (1300 Sq yds) Kh No 644 Vill Siraspur Delhi

NARINDAR SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
 Acquisition Range II
 Delhi/New Delhi

Date 25-5-82
 Seal

FORM ITNS

- (1) Shri Mir Singh, Chirangi Lal, Devi Ram, Jai Bhan and Layak Ram sons of Shri Bhola, R/o VIII. Mundka, Delhi
(Transferor)
- (2) Shri Brij Mohan Bansal S/o Kedar Nath Bansal R/o 5083 Rui Mandi Sadar Bazar, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-II|10-81|5843.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Mundka, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

24—156C 1/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 10 Biswas Vill. Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-5-82
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. JAC[Acq-II]SR-II|10-81|5832.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Attar Singh, Daryao Singh, Kartar Singh sons of Dharmia, Mukhtiar Singh, Mahender Singh, Nafe Singh &/o Datta Ram Vill. Siraspur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Shyam Lal &/o Mathura Prashad and Goidhan Dass &/o Baru Singh A-465 Shastri Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bigha 10 Biswas Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 25-5-82

Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Satya Prakash Tyagi (2) Ved Paikash
Tayagi sons L. Shri Durga Prasad Tyagi both
R/o Vill. Hulambi Kalan, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Daya Nand S/o L. Shri Sri Chand
R/o Vill. Hulambi Kalan, Delhi
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq-II]SR-II|10-81|5802.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Hulambi Kalan, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 7 Bighas 4 Biswas Kh. Nos. 44/(4-16)
and 44/8(2-8) Vill. Hulambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said, to the following
persons, namely :—
Seal :

Date: 25-5-82
Seal

FORM I

(1) Shri. Pushpa Rani w/o Kundan Lal
R/o 1/41, Ramesh Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shrimati Subhashni Nihawan
W/o Anil Kumar
R/o C-4A/40C, Janakpuri, New Delhi.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-II|10-81|5821.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 3 Bighas 1 Biswa Vill. Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 25-5-82
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Ram son of Jodha
R/o Vill. Mitrau Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. C. Sud
S/o G. C. Sud
R/o C-2 East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR. BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-II|10-81|5812.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Mitrau Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 18 Bighas 3 Biswas Kh. Nos. 51|12|1 (3-5), 21 East (0-9), 62|10|1(3-14), 11|2, (1-16), 20|2 (2-2), 21|1(2-2), 63|16|1 (0-8), 25|2(0-18) and 81|16|1 (2-19) Vill. Mitrau, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
36—136GI/82

Date: 25-5-82
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-II|10-81|5800.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill Batikra, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Oct., 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Narain
S/o Maroo
R/o Vill. Zatikra, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Sharma
S/o L. Munshi Ram Sharma
R/o C-623, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 14 Bighas 8 Biswas Vill. Zatikra, Kh. No. 9, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-82.
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Daryo Singh
s/o Datta Ram,
R/o Vill. Bankher, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Kumar
s/o Mukh Ram
R/o 2/40, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq.-II]SR-II|10-81|5804.—Whereas, I.
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Bhore Garh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 13 Bighas 15 Biswas, Vill. Bhore Garh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 25-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI.**

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-II|10-81|6017.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land, situated at Vill. Libaspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gaj Raj Singh R/o Samepur, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Virender Kumar Goel R/o C-1/74-A Lawrence Road, Delhi-35.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 1010 Sq. yds. Kh. No. 24/22, Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Rati Ram s/o Sis Ram R/o Mundka, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri H. R. Sabharwal Family Trust, C-69, Kirti Nagar, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq-II]SR-II|10-81|6110.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land, situated at Vill. Mundka, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 7 Bighas bearing Kh. No. 75/7 Min. (2-8) and 8(4-12) of Vill. Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—156GI/82

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Rati Ram s/o Sis Ram R/o VPO Mundka,
Delhi.
(Transferor)
- (2) H. R. Sabharwal Family Trust C-69 Kirti
Nagar, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/6111.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Agri. land situated at Vill. Mundka, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on October, 1981
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
thereof by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
(45 of 1957) (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 6 Bighas of Vill. Mundka. Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri Shyam Lal S/o Mathura Pd. & Gordhan Dass
s/o Baru Singh R/o Shasti Nagar, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Laxmi Narain S/o Sunder Lal R/o WZ-27,
Mahabir Nagar, Delhi-18.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-II|10-81|6112.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land, situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Q

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agr. land, Mg. 1 Bigha Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Attar Singh, Kartar Singh Daryao Singh s/o Dharma R/o Vill. Siraspur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Shyam Lal s/o Mathura Pd. R/o B-1751, Shastri Nagar, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II(SR-II)J0-81/6119.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with object of .—.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 2 Bighas 10 Biswas, Vill. Siraspur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Jeet Ram s/o Chhatar Singh R/o Vill. Pooth Kalan, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Bharati Devi w/o Jeet Ram, Anita d/o Jeet Ram, Ram Chander, Ram Kumar, Raj Pal, Sunita Singh, Naresh R/o Vill. Pooth Kalan, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq.-II]SR-II|10-81|6108.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri land situated at Vill. Pooth Kalan, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 27 Bighas 7, 1/2 Biswas, Vill. Pooth Kalan, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/6113.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Shyam Lal s/o Mathura Pd. & Gordhan Sharma s/o Baru Singh R/o Shastri Nagar, Delhi.

(Transferee)

(2) Sh. Yashpal Nuangia s/o Jagan Nath Nuangia R/o Kirti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 1 Bigha Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR C R BUILDING, J P ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi the 25th May 1982

Ref. No. IAC-Acq. II SR-II 10-81-6120.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(1) Shri Attar Singh, Kartar Singh, Darya Singh s/o Dharma Rajinder s/o Sardar Singh, Mukhtiar Singh s/o Mohinder Singh Nafe Singh
R/o Vill. Siraspur, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Shyam Lal s/o Mathura Pd. & Gordhan Dass
s/o Barul Singh
R/o Shastri Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Agri land Mg. 2 Bighas 10 Biswas Vill. Siraspur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 25-5-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE.**

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/6122.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri land situated at Vill. Pooth Kalan, Teh. Mehrauli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Rajasvi Charitable Trust through its Trustees :
 (1) Dr. R. K. Jarath s/o Amar Nath Jarath
 r/o C-114 Inderpuri, New Delhi,
 - (2) Dr. Ashok Kumar Bali s/o S. S. Bali
 R/o A-971 Inderpuri, New Delhi,
 - (3) Jagdev Raj Sehgal s/o Hans Raj
 R/o A-22 Inderpuri, New Delhi,
 - (4) Dr. Amarjit Singh Rajwant s/o Narinder Singh
 R/o C-127, Albert Square,
 Gole Market, New Delhi,
 - (5) Dr. Suranji Ball w/o A. K. Ball
 R/o A-97, Inderpuri, New Delhi,
 - (6) Vinodini Jarath w/o R. K. Jarath,
 - (7) Indu Sehgal w/o Jagdev Raj Sehgal
 R/o A-22, Inderpuri, New Delhi,
- (Transferors)
- (2) Master Kamal Indra Singh & Master Anu Indra Singh
 (m) s/o S. Awai Indra Singh
 R/o U-12 Green Park, New Delhi
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agri land 8 Bigha 8 Biswas Reg. No. 27171 (2-6), 21/4/1 (1-15), 15/24 (1-14) & 25 (3-3) in Vill. Pooth Kalan, Teh. Mehrauli, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II
 Delhi New Delhi

Date . 25-5-1982

Seal :

FORM ITNS— --

(1) Shri Desa s/o Khushal
R/o Burari Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGEG-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq. II]SR-II[10-81]5893—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Agri land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri land Mg 3 Bigha 4 Biswas Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26--156GI/82

Date : 25-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Subh Ram, Lachhe Ram sons of Bahar Singh
R/o Vill Palam Delhi,
(Transferor)

(2) M/s. Agro Seeds Corp. 26 F Conn. Place,
New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5927.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Palam, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land. Mg. 17 Biswas Vill. Palam Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

I * therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II SR-II/10-81/5926 —Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Daya Sarup & Om Parkash, sons of Shri Sher Singh R/o VPO Holambi Kalan, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Devinder Singh s/o Mangal Singh, Ramnik Singh s/o Labh Singh R/o B-235, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 8 Bighas 13 Biswas Vill. Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 25-5-1982
Seal :

FORM IIINS

(1) Sh. Atter Singh s/o Richha Ram
R/o Vill. Nawada, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Harvinder Singh s/o Darshan Singh
R/o 136 Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-JI/10-81/6127.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri land situated at Vill. Nawada Mazra Hastsal, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri Land. Mg 716 Sq. Yds Kh. No. 599 Vill. Nawada Mazra Hastsal Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5897.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ranbir s/o Sohan Lal
Sheo Tash s/o Chet Ram
R/o Libaspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal s/o Net Ram
Birbal Singh s/o Digha Ram
Lal Singh s/o Chuna Lal
R/o Samepur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 4 Bighas 6 Biswas Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Gaj Raj Singh R/o VPO Samaspur, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ashok Gupta R/o E-9, C. C. Colony, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref No JAC/Acq II/SR-II/10-81/6016.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being Agri. land situated at Vill. Libaspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agri. land. 1050 Sq. yds. Kh. No. 24/22 Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 25-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Mir Singh s/o Pat Ram
Vill. Palam, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Agro Seeds Corp. 26F Conn. Pjace,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5923.—Whereas I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri, land situated at Vill. Palam Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri land. Mg. 17 Biswas Vill. Palam, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Mahinder Singh s/o Rhoop Singh
R/o VPO Paprawat, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(2) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Hari Singh, Chandgi Ram s/o Behari
R/o Paprawat, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. 1AC|Acq. II|SR-10-II|81|5839.—Whereas, J.
NARINDAR SINGH
being the competent authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing

Agri land situated at Vill. Paprawat, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land. Mg. 1 Bigha 4 Biswas Kh. No. 390, Vill.
Paprawat, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS.

(1) Sh. Shyam Lal s/o Mathura Dass
s/o Baru Singh
R/o G-465 Shastri Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/6035.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) S. Harcharan Singh Kohli
s/o S. Mool Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Mg 1 Bigha Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. LT.N.S.—

(1) Sh. Bhagat Ram adopted son of Nano
R/o Vill. & P.O. Bakhtawarpur, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Khushi Ram (M) son of Sukh Ram
R/o Vill. Sajpur Kalan, Delhi though his Natural
guardian and Grand father Sh. Sultan son of Kalc.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC(Acq. II|SR-II|10-81|5872.—Whereas, I,
NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Bakhtawarpur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land Mg. 14 Bighas and 8 Biswas vide Mustatil No. 5 Killa 12 (4-16) Killa No. 19 (4-16), 22 (4-16) Vill. Bakhtawarpur, Delhi

NARINDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Raj Singh & Hukam Chand s/o Jago Ram
R/o Vill. Madila, Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Dhan Pal Singh s/o Piate Lal
R/o WZ 195 Vishnu Garden, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II, 10-81/6034.—Whereas I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Palam, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. 10, 1/2 Biswas Vill. Palam, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Rattan Singh s/o Surat Singh,
Vill. Ghewra, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ganga Bishan Gupta s/o Kali Ram
R/o F-38 Rajouri Garden, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/6084.—Whereas I,
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Vill. Ghewra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agrl. land. Mg. 11 Bighas 11 Biswas Vill. Ghewra, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/8477.—Whereas I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B-5/4 situated at Model Town, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Basant Lal Tandon s/o Laddha Ram Tandon
1/20 3110 Sir Sved Ahmed Road, Darya Ganj,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Lajwanti Kapoor 2. Surinder Kapoor
3. Mahinder Kapoor, Virinder Kapoor
s/o Vijay Kapoor sons of Sham Sunder Kapoor
10 B-5/4 Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. B-5/4, Model Town, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Harbans Singh through his attorney
S. Saravjit Singh R/o J-164 Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sameer Electronics at C-69, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/8482.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section
269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. C-2/29 situated at Rajouri Garden, Vill. Bassai
Darapur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on Oct 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-2/29, Mg. 86.4 sq. yds. Rajouri Garden, Vill.
Bassai Darapur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Lt. Col. M. S. Sethi s/o Dr. Gurbachan Singh Sethi
r/o J-31, Double Storey, Prem Nagar, New Delhi.
(Transferee)

(2) Sh. Nand Kishore and Gurcharan Lal s/o
Sri Chand r/o 42, Gujranwala Town, Part II, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-II|10-81|5917.—Whereas I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D/103 situated at Ajay Enclave, Vill. Tehar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. D/103, Mg. 200 Sq. yds. Ajay Enclave, Vill. Tehar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S. —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. I-STATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/6140—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Bhagwan Sahai s/o Fatan
1 o Vill. Burari, Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Northern Agriculture & stud Farm
through its partner Charanjit Singh
IF 23 Thandey Walan Ext., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Agri. land. Kh. Nos. 124/6 (4-16), 125/10 (3-10), 11 (4-10), 12/1 (0-2), 19 (0-18), 20 (4-16), 125/22 (1-12), 134 2 (2-4), Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Sh. Daya Wati w/o Nitya Nand
R/o F-9-7, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Raj Kumar Sapra s/o Dr. Dev Raj Sapra
R o F-9/7 Model Town, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/8502.—Whereas I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. F-9/7, Model Town, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on Oct. 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than thirteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. F-9/7, Model Town, Delhi. 276 Sq. yds.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

NARJNDAR SINGH
Competent Authority.Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

28—156GI|82

Date : 25-5-1982

Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-81 5783 —Whereas I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No J-5/15, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Mangal Singh s/o S. Jasha Singh
R/o B-208, Janta Colony, Raghbir Nagar,
New Delhi
(Transferor)
- (2) Sh. Harvinder Kaur Sahni w/o Major Durshan Singh
R/o J-6/19 Rajouri Garden, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 1-5 15. Mg. 160 sq. yds. Rajouri Garden, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date 25-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri B. R. Bhat s/o Subrya Bhat R/o 31/20, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Daljit Singh, Rajinder Singh, Jasbir Singh & Jagmohan Singh sons Harnam Singh R/o 31/20, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-II|8508.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

31/20 situated at East Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 31/20, East Patel Nagar, New Delhi Mg. 200 Sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, DELHI|NI-W DH|III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kanwar Singh, Duttak son of Bishambhar Nath R/o 438, Kucha Brijnath, Ch. Ch. Delhi.
(Transferor)

(2) Deen Dayal Bhardwaj, s/o Bakhtawar Mal R/o 683, Hall Katra Hai Dayal, Nai Sarak, Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi the 25th May 1982

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref No AC|Acq-II|SR I|10-81|8469 —Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 195-A (Old), 439 New situated at Kucha Baij Nath, Ch. Ch. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on October, 1982
an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Property No 195-A (old), New No 439, Kucha Brijnath Chandani Chowk, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, DELHI|N1 W DELHI

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri K. K. Sehgal s/o Sita Ram Sehgal R/o S
Central Town, Jullundur and others.
(Transferor)
- (2) Shri Prem Wati Devi w/o Ram Bilash Goel R/o
B-21, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq.-II]SR-I[10-81]8445.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-21 situated at Kirti Nagar, Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. B-21, Mq. 666.66 sq. yards. Kirti Nagar, Vill. Bassai Darapur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, DELHI[NFW DELHI]

Date : 25-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref No IAC[Acq II]10 81|6103 —Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Agri land situated at Vill Hamidpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Shri Girdhari s/o Gutti R/o Hamidpur, Delhi.
(Transferee)
(2) Shri Ram Kishan s/o Subey Singh R/o WZ-37 Nan
gli Jahib, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri land Mg 15 Bigha 10 Biswas Kh No 9|13 9|12|2
9|18|1 9|13|2, 9|19|1 9|19|2 Vill Hamidpur Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, DELHI|NEW DELHI

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Date 15-6-1982
Seal

FORM ITNS —————

(1) Shri Girdhari s/o Gutti R/o Hamidpur, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC[Acq.-II]SR-II[10-81]6104—Whereas, J. NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Hamidpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —.

(2) Shri Sri Krishan s/o Sube Singh R/o WZ-37, Nan-gli Talab R/o Janakpuri, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 11 Bighas 9 Biswas Kh No. 7|21, 8|25|2, 14|15|1, 14|15|2, Vill. Hamidpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, DFTI HI|NTW DELHI

Date : 15-6-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Mange Ram & Ram Pat slo Budh Ram R/o Alipur, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Manju Jain w/o Pawan Kumar Jain, R/o 3074, Gali Jamadar, Pahari Dhiraj, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-II|10-81|5984.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 15 Bighas 9 Biswas Kh. No. 1844, 1845/2, 1883/2, Vill. Alipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JI,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sudhish Kumar Gupta s/o R. C. Aggarwal R/o 4869/24, Ansari Road, Daryaganj, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sadhu Singh s/o S. Amar Singh R/o 630, Nirmi Colony, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/6980—Whereas, I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 9½ Biswas Kh. No. 430/3, Vill. Burar, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date : 25-5-1982.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—156GJ/82

FORM ITNS

(1) Shri Ram Narain s/o Marco R/o Vill. Zatikra, Delhi.
(Transferor)(2) Smt. Asha Jain d/o B. L. Pasari, 25, Friends Colony,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5867.—Whereas I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. I and situated at Vill. Zatikra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land, Mg. 9 Bighas 19 Biswas Rect. 6 Kh. No. 13/2, 26/18 Min. 26/20/1 Vill. Zatimra, Delhi.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Partners of Minerva Construction, Shri Govindbhai & Mistri, Falshuti Coop Housing Society, Broach (Transferor)

(2) Dr Smt Ushaben Ashokkumar Kapadia, Usha Nursing Home Tallubhai Chakla, Broach (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

Ahmedabad-380009, the 8th June 1982

Ref No PR No 1675 Acq 23 II/82-83—Whereas, I, G. C GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No S No 40 (P) Plot No A 24-25 situated at Kanbivaga, Broach
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on October, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S No 40 (P) Plot A 24-25, Kanbivaga Broach, registered in October 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 8 6 1982
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 10th June 1982

Ref No P.R. No 1964 Acq 23 II/82-83.—Whereas I
G C GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
Shahpur Ward No 2 S No 2162 & Mun S No 1028
situated at Hotel Mehul, Ni Ankleshwaria Hospital, Tal Darwaja Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 7-10-1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, namely,—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferring; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Roshanlal Harakhchand Jain & others New Lal Bungalow Natayan Bhuvan, Ahmedabad & others
(Transferor)

(2) 1 Smt Basanti Huakchand Jain Paraskunj Society Ambawadi, Ahmedabad-15

2 Shri Ishwarbhai Veljibhai Tanna C/o Hotel Opp Electricity House, Ni Dr. Ankleshwaria Hospital, Tal Darwaja, Ahmedabad
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property named Hotel Mehul, situated at Shahpur Ward No 2, S No 2162 and Mun S No 1028 admeasuring 110 sq yds of land registered vide Regn No 12029 dated the 7-10-81 by Sub-Registrar, Ahmedabad

G C GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date 8-6-1982
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad, the 10th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1965 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TPS No. 20 SP. No. 3 of FP. No. 19 +20/3 situated at Punyashlok Vikas Mandal, New Swastik Char Rasta, Navrangpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-10-1881

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Vimalaben Chinubhai Shah.
2. Shri Chinubhai Dabhyabhai Shah, Trupti Apartments, Mahalazmi, Bombay-26.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Shukla; Punyashlok Vikas Mandal, 51D, Trupti Apartments, New High Court, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land situated at TPS No. 20, S.P. No. 3 of FP. No. 19+20/3 admeasuring 583 sq. yds. situated at Punyashlok Vikas Mandal, near Swastik Char Rasta, Navrangpura, Ahmedabad registered vide R. No. 11748 dated the 1-10-81 by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 10-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 11th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1966 Acq.23-I/82-83.— Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 185-1-1 TPS No. 23 FP No. 440 situated at 1, Nandanbaug Society, Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Soit. Dahiben Harilal Bhavasai;
2. Shri Krishnakant Natvarlal Bhavasai,
Hurdwar, Shrijeebaug Flat Road,
Opp. Trupti Flat, Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Albulda Sabarmati Coop. Hsg. Society Ltd.,
Chairman : Bhikhhabhai Kacharadas Patel;
1, Nandanbaug Society, Shahibaug,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 185-1-1, TPS No. 23 FP No. 440 admeasuring 806 sq. yds., situated at Village Acher registered vide sale deed R. Nos. 12791 dated the 22-10-81 and 12776 dated the 22-10-81 by Sub-Registrar, Ahmedabad

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 11-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Khodabhai Ganeshbhai;
Lati Bazar, Surendranagar
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sharda Vijay Saw Mill;
through: Patel Arjan Tejabhai;
Lati Bazar, Surendranagar
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 9th June 1982

Ret. No. P.R. No. 1963 Acq.23-I/82-83—Whereas, I,

G C GARG

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

situated at Lati Bazar, Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhawan on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 440 sq. yds. situated at Lati Bazar, Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale deed No. 4253/22-10-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 9th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1962 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

situated at Joravarnagar, Dist. Surendranagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Wadhawan on 22-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (1) 1. Ba Shri Sushilaben Kumariba Sursinghji Zala;
2. Shri Sudirkumar Sursinghji Zala;
Both at Mota Pir Chowk,
Wadhawan City.

(Transferor)

- (2) Pachani Family Trust;
Prop. Sharda Timber Mart,
Shri Nathalal Meghbhai & others;
Lati Bazar, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land adm. 1626 sq. yds. situated at Joravarnagar, Dist.
Wadhawan, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan,
vide sale deed No. 4293/22-10-81.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 9-6-1982

Seal :

FORM I (NS)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sushilaben Subodhbhai,
Police Parade Ground Shalibaug,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mangal Apartments,
Care of Subodh Mangaldas,
Opp. Police Parade Ground,
Ahmedabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASTIRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009
Ahmedabad, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1951 Acq. 23/82-83—Whereas, I,
G. C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
TPS. 14 F.P. 323 parki Sub Plot No. 2 parki Hissa No. 1
situated at Dariapuri-Kazipuri Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 5-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 648 sq. mts. situated at TPS. 14 F.P. 323
parki Sub-Plot No. 2 parki No. 2 Hissa No. A registered
vide R. Nos. 10877 dated 31-8-80/11924 dated the 5-10-81
and 10878 dated 31-7-80/5-10-81 by S. R. Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 7-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
30—156GI/82

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No 1960 Acq.23-1|82-83.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. No. 1516|1-2+3 and 4 situated at Aslali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 22-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Rameshbhai Somabhai Prajapati,
at Aslali Tal. Dascroi,
Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1 Shri Indrajeet Gordhandas Amin,
Mithakhali, Nr. 6 roads, Navrangpura,
Ahmedabad.
2. Shri Prafullbhai Jivabhai Patel;
Law Garden Apartment, Ellisbridge,
Ahmedabad.
3. Jayeshbhai Prafulbhai Patel,
Ahmedabad.
4. Jayantibhai Gordhanbhai Amin,
Mithakhali Nr. 6 roads, Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at S. No. 1516|1-2+3 and 4 of Aslali, Ahmedabad registered vide Regn. Nos. 12734 dated the 22-10-81, 12735 dated the 22-10-81, 12740 dated the 22-10-81 and 12741 dated the 22-10-81 registered by S R. Ahmedabad

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date : 7-6-1982
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Narandas Sankalchand Patel,
Karta of HUF.
Patel Bhuvan, Opp. Snekhunj Society,
Sugendra Mangaldas Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Parulben Bhupendrakumar Thakorlal; &
Bhupendrakumar Thakorlal;
Apartment Near Jai Hind High School,
Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 7th June 1982

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property adm. 297.50 sq. mts. situated at S. No. 179-2-1 P. No. S51 of TPS No. 21, Paldi Ahmedabad registered vide sale deed Regn. 5535 dated the 13-10-81 by S.R. Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date /-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th June 1982

Ref No PR No 1958 Acq 23 1/82-83 —Whereas, I
G C GARG,
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Bungalow No 2 of Cantonment area, situated at
Cantonment, Shahibaug, Ahmedabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at
Ahmedabad on 3-10-1981

for and apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(1) Smt Renukaben Sumanbhai;
Guardian on behalf of
Shreyank Sumanlal,
Pritamnagar, Ellisbridge
Ahmedabad.

(2) Shri Lalbhai K. Sheth,
Nariman Point, Shreyans Building;
Bombay.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Property being building admeasuring 876 54 sq. yds at
Bungalow No 2 situated at Cantonment Ahmedabad regis-
tered vide sale deed R Nos 4335 dated the 3-10-81 4334
dated the 20-4-81 and 4332 dated the 3-10-81 by S R
Ahmedabad

G C GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269 of the said Act, to the following
person, namely: -

Date 5-6-1982

Seal.

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 002

Ahmedabad-380009, the 5th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1957 Acq.23-I/82-83--- Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 1189 to 1194 situated at Kalwaypura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the above-mentioned property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

- (1) 1. Sanat Balabhai Shah;
2. Ashwin Balabhai Shah;
3. Ravindra Balabhai Shah;
4. Harendra Balabhai Shah;
5. Subodhbhai M. Shah;
6. Smt. Chandaben S. Shah;
7. Yogesh S. Shah;
8. Smt. Chandiamaniben Shah;
9. Shri J. B. Shah;
10. Shri Amish S. Shah;
11. Shri Anubhai M. Shah;
12. Smt. Vidhyaben A. Shah;
13. Shri Paresh A. Shah.
All at Vakhat Manchandai Khadki,
Doshiwada's Pole, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferors)

- (2) Ms. Anandani & Co.
Through Shri Mulchand Kewalram,
Kapadia Bazar, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 283 sq. yds. situated at Railway-pura Ahmedabad duly registered by S R Ahmedabad vide sale deed No. 12342 to 1-254, October, 1981 i.e. property as fully described therein

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-6-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Ranchhodhai Prahladbhai,
2. Shri Tukamlal Jethabhai;
3. Shri Dashrathbhai Prahladbhai,
Ambli, Tal. Dascroi

(Transferee's)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th June 1982

Ret. No. P.R. No. 1956 Acq.23-J-82-83.—Whereas, I,

G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 512 of Ambli Tal. Dascroi situated at Ambli Tal. Dascroi Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (2) 1. Arunbhai Namubhai Munsha;
2. Naarendrabhai Manishanker Vyas;
3. Smt Chandrikaben Naarendrabhai Vyas,
R. No. 1, Ahmedabad Near Old Sachivalayar,
Darang Park No. 2 & 3,
Ahmedabad Sarkhen Road,
Vivekanand Society,
Ahmedabad.

(Transferee's)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days** from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land adm. 24321 sq. yds. situated at Block No. 512 at Ambli Tal. Dascroi registered vide sale deed R. Nos. 12348 dated the 16-10-81, 12368 dated the 16-10-81 and 12354 dated the 16-10-81 by S R. Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 5-6-1982
S. C. G.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 5th June 1982

Ref No P.R No 1955 Acq 23-182-83 —Whereas, I,
G C GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No
TPS 6, F P No 190 situated at Paldi, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 7-10-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating or concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Asitratibhai Atmaram Patel,
2. Nathiben widow of Atmaram Maljibhai;
3. Baldevbhai Atmaram & others;
Patehpura (Paldi), Ahmedabad

(Transferor's)

(2) Chaula Apartments Owners Association Ahmedabad
Promoters :
1. Lahechand Parasottambhai Morakhia,
2. Shri Bhikhilal Parasottambhai Morakhia
Kankaria, Murakhinabavan,
Audichyanagar, Ahmedabad

(Transferee's)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 1081 sq yds. situated at Paldi,
Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vntle sale-
leed Nos 12025 12022 and 12029/7-10-81

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 5-6 1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dild Singh
S/o Hira Singh
R/o Sabibabad Daulat Pur Delhi State
Delhi
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

(2) Shri Vijender Kumar
S/o Kishori Lal
R/o BM-35 Shalimar Bagh
Delhi

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-II,
G 13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING I.P.T.A.S.T.I.
NEW DELHI
New Delhi the 25th May 1982

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Ref No IAC/Acq II/SR II/10-81/6117- Whereas I NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 2500/- and bearing No. Agri Land situated at Vill Sabibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Agri Land Mg. 18 Biswas Kh. No. 510 Vill. Sabibabad Daulat Pur Delhi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date 25.5.1982
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Amir Singh
 S/o Jagmal, Ram Chandra
 S/o Surjan, Kalaktar Singh
 S/o Raghu Nath
 R/o VPO Ujwa, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
 NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq-II]SR-II[10-81]5877.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Ujwa, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Ran Singh
 S/o Udmir
 R/o Sultanpur Majra,
 PO Nangloi, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri land Mr. 14 Bighas 10 Biswas Kh. No. 6 (5 Bighas 6 Biswas), Kh. No. 15 (4 Bighas 16 Biswas) & Kh. No. 16 (4 Bighas 8 Biswas) Murtat No. 9, Vill. Ujwa, Delhi.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range-I,
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 31—156GI/82

Date: 25-5-1982
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 23th May 1982

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-II|10-81|5841.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Mundka, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S. Mir Singh,
Chiranji Lal,
Devi Ram Taj Bhan
and Layak Ram sons of
Bhola R/o Vill. Mundka,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. Ved Parkash
S/o Harish Chand Gupta
R/o 4368/57 Regharpura Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
DELHI| NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. (Mrs.) Shanta Sharma
W/o late Sh. A. M. Sharma
R/o C-3/4, Krishan Nagar,
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th June 1982

Ref. No. IAC[Acq-1]SR-IIII|10-81|1142.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-45, situated at Nizamuddin East, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Sanjay Garg
S/o Dr. Suresh Chandra Garg
R/o C-3/1, Krishan Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

C-45, Nizamuddin East, New Delhi, area 200 sq.yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I
4th Floor, Gangotri Building
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 16-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-81|1227.—Whereas, I, S. R. GUPTA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-10, situated at Kalindi Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s R. C. Sood & Co. (P) Ltd.,
Eros Cinema Building,
Jangpura Extn., New Delhi through their
Director Sh. Satish Kumar Sood.

(Transferor)

(2) Sh. Balwant Rai Sharma
F-3/25 Model Town,
Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/16th undivided share in property bearing No. B-10, Category II, Group-A, area 886.113/144 sq.yds. situated at Kalindi Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
DELHI| NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date: 15-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Miss Dimple Saigal
D/o late Shri Inder Nath Saigal
R/o A-14A, Green Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. South Delhi Builders (P) Ltd.,
23/2, Yusuf Sarai,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-81|1299.—Whereas, I,
S. R. GUPTAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Part of Prop. No. A-14A, situated at Green Park, New
Delhi.(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Oct., 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said income-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of property No. A-14A, Green Park. New Delhi
area 39.15 sq.yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-6-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC(Acq-I)SR-III/10-81/1133.—Whereas, I,
S. R. GUPTA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Aya Nagar, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Saroop
S/o Sh. Jora
R/o Vill. Aya Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Baba Virsa Singh Foundation,
House No. 33, Sector-4,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 11 bighas and 5 biswas Khasra Nos. 1805
(3-13), 1806(3-11), 1829(4-1), Village Aya Nagar, New
Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
DELHI | NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date: 15-6-1982
Seal :

FORM ITN—

(1) Miss Geetanjali
D/o Sh. Kailash Nath Salga
R/o A-14A, Green Park,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s South Delhi Builders(P) Ltd.,
23/2, Yusuf Sarai,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

A-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC[Acq-I]SR-III|10-81|1144.—Whereas, I,
R. GUPTA
being the Competent Authority under Section 296B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

A-14-A, situated at Green Park, New Delhi.

and more fully described in the Schedule annexed
(hereinafter referred to), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

15% share of the vendor in the old property No. A-14A, Green Park, New Delhi admeasuring 783 sq.yd

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 15-6-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I****G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC[Acq-I]SR-III|10-81|1228.—Whereas, I,
S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-10, situated at Kalindi Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M's R. C. Sood & Co.(P) Ltd.,
Eros Cinema Building,
Jangpura Ext., New Delhi
through their Director Satish Kumar Sood.
(Transferor)(2) Mr. Joseph Cajetan Fernandes,
B-5, Jangpura Lal Bahadur Shastri Marg,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th undivided share with a portion of the building Plot No. B-10, Category-II, Group-A, 886.113|114 sq.yds. situated at Res. Colony, known as Kalindi Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
DELHI|NEW DELHI

Date: 15-6-1982
Serial :

FORM ITNS

(1) Shri R. N. Malhotra S/o Late Sh. A. N. Malhotra
R/o 617 South Patel Nagar,
New Delhi.
Mr. P. N. Malhotra S/o late Dr. A. N. Malhotra
R/o Ar. No. 746, Sector No. 4, R. K. Puram,
New Delhi-22.

(Transferor)

(2) Mrs. Ambika Mehta
W/o Sh. R. P. Mehta
R/o D-339, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-81|1182.—Whereas, I,
S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-333, situated at Defence Colony, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House bearing No. C-333, Defence Colony, New Delhi.
Single storeyed building, measuring 325 sq.yds.
3-10-81.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—
32—156GT|82

Date: 16-6-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR (R BUILDING), I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-81|1146—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1st floor in Prop. F-337, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s Satyavati Builders G-116 Daryaganj, New Delhi through its managing partner Shri Santh Seth so Sh. R. C. Seth G-116, Daryaganj, New Delhi-2 (Transferor)
- (2) Sh. Suresh Kumar 10 A-8, New Ajinder Nagar, New Delhi-60. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Front portion of 1st floor in property No. F-337, 716 sq. feet, situated at Greater Kailash-II, New Delhi-48.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 15-6-1982.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Usha Kumari Arora w/o Sh. Satish Chander
r/o C-6/35, Safdarjung Development Area,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Yash Pal s/o Shri Khushal Chand
r/o Daily Milap, Milap House,
Jallunder City.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.F. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC/Acq I/R-III/10-81/1207.—Whereas, I, S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under
section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agr. land situated at Village Bhati, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on October 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 3 biswas khasra Nos. 91 (0-6),
92 (0-4), 93 (0-14), 94 (0-9), 95 (0-6), 96 (0-7), 97 (0-11),
98 (3-6), situated in Village Bhati, Teh. Moh., New Delhi
with all fitting and fixtures and Farm House.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 15-6-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely : -

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC Acq I/SR-III/10 81,1207—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

E-540, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. N. K. Bhatia, P. K. Bhatia, Anil Bhatia, Sunil Bhatia, through Attorney Smt. Raj Kumar Bhatia, W-41, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferor)(2) Smt. Janak Sabhlok w/o S. K. Sabhlok
l/o Sudarshan Motors Naya Bazar,
Dhanbad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share in Plot No. E-540 Greater Kailash-II, New Delhi of two beds, two baths, drawing dining, kitchen on First Floor

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.Date : 15-6-1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Ch. Kishan Chand s/o Bhag Mal
r/o Village Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.
(Transferor)

(1) Suchet Saini s/o Mahavir Singh
r/o Village Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 15th June 1982

Ref No. IAC/Acq-I/SR-III/10-81/1301 — Whereas, I, S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Agr land khasra Nos. 58/3(4-16), 16/20(1-14), 21/2 mut (1-4), village Bijwasan, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 15-6-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I P ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th June 1982

Ref No IAC|Acq. 1|SR-III|10-81|1226 —Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Prop No 12 situated at Kalindi Colony, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s R. S. Sood & Co (P) Ltd. Eros Cinem Building, Jangpura Extn, N. Delhi through the partner Sh Satish Kumar Sood.
(Transferor)

(2) Sh. Kailash Nath Khanna,
103, Dariba Kalan, Chandni Chowk,
Delhi-6.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/16th undivided share in property No 12, Category-II, Group-A, area 886.78 sq. yds. situated at Kalindi Colony, N. Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 15-6-1982.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq II|SR-J|10-81. —Whereas I, NARINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 9 situated at Block A-2 Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981,

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Jawahar Lal & Brij Mohan Monga s/o Kundan Lal Monga
R/o A-2 9 Rajouri Garden, New Delhi
(Transferor)
- (2) Nanak Chand s/o Hardwari Ram
R/o 3-178 Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 9, Block A-2 sq. 309 sq. yds, Rajouri Garden Vill. Bassai Darapur, Delhi.

NARINDER SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982.

Seal

FORM NO. I.T.N.5.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING.
I.P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq II|SR-II|10-81.—Whereas I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11, Rd. No. 63 situated at Vill. Madipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shiv Kumar Sharma & Kailash Chand Sharma
R/o 313/101-D, Tulsi Nagar, Rohtak Rd, Delhi.
(Transferor)

(2) Sharda Devi, Bharat Kumar, Arjun Kumar, Suresh Kr., Vinod Kumar Aggarwal
R/o Sofie Villa, Darjeeling.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 11, Road No. 63, Mg. 279.55 sq. yds, situated at Punjabi Bagh area of Vill. Madipur, Delhi.

NARINDER SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 15-6-1982.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) (1) Tilak Raj Chawala s/o Ishar Dass Chawala
A-15, State Bank Colony, Delhi.
(2) Banwari Lal Sethi s/o Baldev Raj Sethi
B-75 Manjus Park, Delhi.
(Transferor)
- (2) Ulsham & Kamal Kumar
R/o A-3/12 Satya Vati Colony, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-J|10-81.—Whereas I, NARINDER SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 48, Block 'D' situated at Adarsh Nagar, Delhi-33 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 48, Block 'D' on Prithviraj Road, Adarsh Nagar, Delhi-33. Mg. 150 sq. yds.

NARINDER SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
33—156GI|82

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Chiranjit Lal Gupta s/o Bakhtawar Mal
R/o 10148, Library Road, Azad Mkt. Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narami Devi w/o Basheshar Lal
R/o 1261, Rang Mahal, Novelty Cinema, Delhi-6.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref No. IAC|Acq. II|SR-I|10-81—Whereas I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5122-A situated at Ward No. XIV, Rui Mandi, Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I share in property No. 5122-A (Balakhan over and alongwith the two parts shop No. 5123 built on land Mg. 127.5 Sq. yds. alongwith verandahs and tin sheds in front of both the part of shops No. 5123 and common staircase of property No. 5122 situated in Ward No. XIV, Rui Mandi, Sadar Bazar, Delhi.

NARINDER SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 25-5-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS(1) Raj Kumari w/o Rama Shankar
R/o No. 24/7 Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Trilochan Singh s/o Basant Singh
No. 11439, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq II|SR-I|10-81.—Whereas I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24/7 Mpl. No. 11664 situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. 24/7 Mpl. No. 11664 area 201 sq. yds. Shakti Nagar, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDER SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 15-6-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Jagdish Pd. s/o Mannu Lal
R/o VI/159 to 161, Katra Barijan, Delhi,
(Transferor)
- (2) Sardar Holding (P) Ltd.
Chandnani Chowk, Delhi through its Director
Sh. B. S. Kohli.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. 1AC|Acq II|SA-I|10-82|8513.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. VI/159 to 161 situated at Katra Barijan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. VI/159 to 161 Katra Barijan, Delhi Mg. 280 sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 15-6-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC[Acq II]SR-I|10-81|8536.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19-A, situated at Ansari Road, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Chand & Co. Ltd., Ram Nagar, New Delhi through its Director Rajinder Kr. Gupta s/o Shyam Lal Gupta r/o 16[B]4 Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Lalit Electronics, 5A[7], Andai R/o Darya Ganj, New Delhi through its partner Sh. Dipak Jhaveri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Back portion of the under Basement about 1000 sq. ft. out of property No. 4633, situated at 19-A, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-2.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 15-6-1982.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq II|SR-II|10-81|8535.—Whereas I,

NARINDAR SINGH,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4633, 19-A situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Chand & Co. Ltd., Ram Nagar, New Delhi through its Director Rajinder Kr. Gupta s/o Shyam Lal Gupta r/o 16[B]4 Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Television & Components T(P) Ltd.
5A|7 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi through its Director Sh. J. S. Jhaveri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Back portion of the under basement about 1100 sq. ft. out of property No. 4633 situated at 19-A Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

NARINDER SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1982.

Seal :

FORM NO ITNS

- (1) Shri Ram Nath & Ram Mehar s/o Salga
R/o VPO Khar Khari Road, Tehsil Mehrauli, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Surat Singh s/o Charan Singh
R/o VPO Bamnauli, Delhi
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref No IAC|Acq ITTSR-II|10 81|6095—Whereas I
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Agrl land situated at Vill Khar-khari Road Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (c) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Agrl land Mg 44 Bighas 5 Biswas Vill Khar Khari Road, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 25-5-1982
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Ram Nath & Ram Mohan s/o Salga
R/o VPO Khar Khari Road, Tehsil Mchrauli, Delhi,
(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Singh s/o Charan Singh
R/o VPO Bamnauli, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq. II]SR-II|6093|10-81.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Khar Khari Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ('11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land Mg. 44 Bighas 5 Biswas Vill. Khar Khari Road, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 25-5-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|5906.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Tajpur Khurd, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Balkishan Julka, S/o Roshan Lal, Julka and S. Ranjit Singh, S/o Atma Singh, R/o F-37 Rajouri Garden, Delhi.

(Transferor)

(2) Gurdial Kaur & Surinder Kaur, R/o B-30, Krishan Park, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. Land. Mg. 15 Bighas 17 Biswas Kh. No. 16|17|2, 23|1, 24|1, 15|20, 26|21, 3, 4|1, 8|2 Vill. Tajpur Khurd, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 15-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely
34—J 56GI|82

FORM ITNS

(1) Shri Kali Ram S/o Hira Vill. Roshanpura Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Loulo W/o Kali Ram R/o Roshanpura, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. STATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq II|SR-II|10-81|5912.—Whereas, I NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land. situated at Vill. Roshanpura Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 9 Bighas 19 Biswas Khasra No. 678, 557 558 Vill. Roshanpura, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-82

Seal :

FORM I.T.N.S.

- (1) Smt. Chand Ram W/o Goswami Behari Lal R/o I/86, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Ashok Kumar, So Kasturi Lal R/o H-77, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|10-81|8495.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot No. 86 Block I situated at Kirti Nagar, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. 86, in Block I, Mg. 194 sq. yds.
situated at Kirti Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi] New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :

Date : 15-6-1982
Seal :

FORM I.G.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|10-81|8505.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000
and bearing
Plot No. B-6|10 situated at Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at
on October 1981
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nanki Bedi W/o S. Balwant Singh Bedi D/o
S. Thakur Singh R/o B-6|10, Rajouri Garden, New
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur W/o S. Narinder Singh R/o
B-6|10, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. B-6|10, Mg. 303.3|10 sq. yds. situated
at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi, New Delhi.

Date : 15-6-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Sharan Singh Sethi S/o Lahna Singh Sethi
R/o J-6/18, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sri Lalak Raj Gambhir S/o Haveli Ram Gambhir
R/o B-42, Vishal Enclave, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|5840.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-6/16 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One built up house bearing No. J-6/16, Rajouri Garden, New Delhi area of Vill. Tatarpur, Delhi Mg. 160 Sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi.

Date : 15-6-1982
Sd/- :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II,SR.I|10-81,8481.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bungalow No. 47 situated at Bungalow Road, Kamla Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of. —

(1) Sh. Parkash Chand Jain S/o L. Parmanand Jain
R/o 47, Bungalow Road, Kamla Nagar, Karla of HUF.

(Transferor)

(2) Sh. Surya Kumar W/o A. K. Agarwal R/o 23/3
Shakti Nagar, Marg, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of Bungalow No. 47, Bungalow Aoad, Kamla Nagar, Delhi Mg. 325.50 sq. Mtrs.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-82

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC(Acq.II)SR-I10-81/5966 —Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot No. 22 situated at Road No. 37, Class 'D' Punjabi Bagh,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt Hem Lata Sehgal W/o Swami Nath Sehgal
R/o P-18, N. P. L. Colony, New Rajinder Nagar,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Om Kumar Bahri & Dhruv Kumar Bahri sons of
Bhim Singh Bahri R/o 65/11 Rohtak Road, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall be the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 22, on Road No. 37, in Class 'D' Mg. 279 55 Sq.
Yds. Punjabi Bagh New Delhi area of Vill. Shakurpur, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Sh. Parkash Chand Jain S/o L. Shri Parmanand Jain
R/o 47, Bungalow Road, Kamla Nagar, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Anju Kumar w/o P. K. Agarwal R/o
233 Shakti Nagar Maig, Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. 1AC|Acq.II|SR-I|10-81|8486.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

47 Bungalow situated at Bungalow Road, Kamla Nagar, Delhi.
Jagdish Chander 156G/182 dt. 17.7.82 Fr. 87X820 [Upd
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Portion of property Ho. 47, Qunala, Road
Kamla Nagar, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1982
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref No IAC|Acq II|SR-I|10 81|8520 —Whereas, I NARINDAR SINGH, of Income Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1041 to 1043 situated at Gandhi Gali Fatehpuri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh Sudhir Dayal S/o Rishi Ram Bajaj R/o A-299, Defence Colony, New Delhi for self and as Manager Karta of his HUF
(Transferor)
- (2) Sat Nrain Mehra S/o Ram Narain Mehra R/o 1045 Godhgate, Fatehpuri, Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Three shops alongwith three storey building
Property No 1091 to 1043 Gandhi Gate Fatehpuri, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax)
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 15-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Chaman Lal S/o Baboo Ram R/o 33/12, Punjabi Bagh Extn., New Delhi through GA.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-81/5806.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. A-109, situated at Inderpuri, Vill Naraina, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Mohan S/o L. Sh. Sat Parkash Mohan R/o 33/12, Punjabi Bagh Extn., New Delhi through GA Smt. Parkash Kaur w/o S. Mohan Singh R/o FA-1/10 —6, Inderpuri, New Delhi-12.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. A-109, Mg. 197.29 sq. yds. Kh. No. 1609 and 1610 Inderpuri, Vill Naraina New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 15-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-II|10-81|5873.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Samepur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office at Delhi on October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Nath s/o Pat Ram and Sher Singh s/o Dalpat For self and GPA Shri Abhey Ram & Thamboo.
(Transferor)
- (2) Shri Hanwant Singh s/o Lachhman Singh, R/o 52/56, Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 1423 sq. yds. (1 Bighas 8.1/2) Kh. No 32/16 Vill. Samepur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, DELHI|NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD
 HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1954 Acq. 23-I/82-83. Whereas, I,
G. C. GARG,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. 255—Sub-Plot No. 3, TPS. 3, situated at Shaikhpur-Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chinubhai Ramanlal Gajjar & others; Near Mithakhali, Rly. Crossing, Ellisbridge, Ahmedabad.
 (Transferee)

- (2) 1. Shri Dashrathsinh Mohan Singh Jadeja, Pravin Colony, Navrangpura, Ahmedabad.
- 2. Smt. Nipunaben Girishchandra Zaveri, Ambli Pole, Zaveriwad, Ratan Pole, Ahmedabad.
- 3. Smt. Pushpaben Sureshbhai Gupta & others; 9/5 Ratan Colony, Opp. Gujarat Vidhyapith, Ashram Rd., Ahmedabad.
- 4. Smt. Kailashben Gunwantlal Shah, Sharda Mandir Road, A/6, Vasant Park Appt. Vasantkunj, Ahmedabad.
- 5. Shri Bhadrakumar Shantilal Sheth & others; Latif Bungalow, Shahibaug, Ahmedabad.
- 6. Shri Hirakl Karamchand Shethiya C/o. New Cotton Mills, O/s. Dariapur Dariwaja, Ahmedabad.
- 7. Shri Amratlal Chunilal Gandhi, C/o. Shri Ram Bearings, National Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9A, 4A, 1A, 7A, 8A, 12A, 6-B, situated at Shaikhpur-Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale deed Nos. 10143, 9689, 12847, 3179, 3186, 3181, 2343, 9690 Oct., 1981 i.r. property as fully described thereon.

G. C. GARG
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Date : 5-6-1982
 Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Govindlal Maneklal Patel;
Juna Wadaj, Ahmedabad.
2. Smt. Shantaben Govindlal Patel, Ahmedabad.
3. Shri Ramchandra Govindlal Patel, Ahmedabad.
4. Shri Rameshchandra Govindlal Patel, Ahmedabad.
June Wadaj, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Sambhavnath Apartments Coop. H. Society Ltd.
C/o Shri Bhupendra Hemchand Shah;
Sambhavnath Apartment, Usmanpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 5th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1953 Acq. 23, I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing Nos. F. No. 304, 277 SP. No. 3, of TPS No. 29 FP. No. 102
situated at Wadaj, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 22-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from this date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed Regn. Nos. 12752 dated the 22-10-81, 12751 dated the 22-10-81 and 12656 dt. 22-10-81 and 12749 dated the 22-10-81 by S. R. Ahmedabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5th June, 1982.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Vimlaben Shankerlal Patel;
Juna Wadaj, Ahmedabad-13.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 5th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1952 Acq. 23-I/82-83.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 304-1 & S. No. 277 of Wadaj & TPS 29 FP. No. 102 situated at Wadaj, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sambhavnath Appt. Coop. H. Society Ltd.
C/o Bhupendra Hemchandbhai Shah;
Sambhavnath Apartment, Usmanpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Properties bearing Wadaj S. No. 304-1 and S. No. 277 and Wadaj TPS. No. 29 F.P. No. 102 Hissa No. A and also Hissa No. 1 registered vide sale deed Regn. Nos. 12577 dated the 23-10-1981 and 12821 dated the 23-10-81 by S. R. Ahmedabad.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Date : 5th June, 1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDIOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 3rd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1951 Acq. 23-I/82-83.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 112 S.P. No. 39, admeasuring 654 sq. yds. situated at Khokhra Mahemdabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chandraprasad Nathalal Sewak; Rumktishna Colony, Khokhra Mehmedad, Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Sawrashtia Ishar Suthar Ghati; Hitechhu Mandal, Outside Shahpur Darwaja, through: Trustees Narottamdas Bhimabhai Mistri, Krishnakunj Society, Kankaria, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 112 paiki, SP. No. 39, admeasuring 654 sq. yds. situated at Khokhra Mehmedad and registered vide Regn. No. 12100 dated the 12-10-81 by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dt : 3rd June, 1982.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 3rd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1950 Acq. 23-I|82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 840, S. No. 18 & 18A-9 situated at the boundary of Kochrab, Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-10-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Nanduben, widow of Wamanrav Dholakia;
2. Niranjan Wamanrav;
3. Parixit Wamanrav;
4. Anjankumar Wamanrav at Ratan Niwas, Paldi, Ahmedabad.

Transferor(s)

- (2) Sejal Vikas Mandal (Association), Nutan Society, Opp. Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being and building situated at F.P. No. 810, Municipal S. No. 18A to 18A 9 at Kochrab, Paldi registered vide sale deed Regn. No. 11722 dated the 1-10-81 by S. R. Ahmedabad.

G. C. GARG.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3rd June, 1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Cmt. Madhviben Dilipbhai Hutheesing;
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1949 Acq 23-I'82-83.—Whereas, T. G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1601 boundary No. 14 situated at Dariapur Kazipur City Dist. & Sub-Dist Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-10-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Proposed Pravini Shahibaug Coop. H. Socy
Promoters:1. Rameshbhai P. Patel, Ahmedabad.
2. Babubhai Somabhai Patel, Ahmedabad.
Ghanshyam Chambers, End of Subhash Bridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed Regn. No. 11705 dated 1-10-81 situated at Dariapur-Kazipur and registered by Sub Registrar Ahmedabad

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 3-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—156 (J.T.'82)

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1948 Acq. 23-J|82-83 —Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 11 of Bodakdev, situated at Bodakdev Tal. Bascroi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) 1. Sh. Chinubhai Chandulal;
2. Sh. Harshadbhai Chandulal;
3. Sh. Anilkumar Chandulal;
4. Sh. Chanchalben Chandubhai;
Bodakdev Tal. Dascroi, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)

- (2) Sh. Niranjan Chandravadan Shah;
Karta of HUF.
Parnakuti, Motibaug, Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at S. No. 11 admeasuring 1 Acre 19 Gunthas at Bedakdev Tal. Dascroi registered vide Regn. No. 11740 dated 1-10-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD
Ahmedabad 380009 the 3rd June 1982

Ref No PR No 1947 Acq 23182-83—Whereas, I,
G C GARG
being the Competent Authority under Section 209B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and
bearing Nos. Block 1314 1427 1315, 1341, 1316, 1334, 1317
1340 1343, 1350 1339 1342, 1345, 1344, 1337, 1338, 1321
& 1318 situated at village Shilaj Dist Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Ahmedabad on October 81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property is aforesaid
recalls the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer is agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property for the value of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Sh Chutu Navnital Parikh (HUF),
through Kanta Sh Chutu Navnital Parikh
Ilsbridge Ahmedabad

(Transferor)

- (2) 1 Sh Sanjiv Siemk Lalbhai Lal Bungalow, Shahi
baug Ahmedabad
2 Sh Ashok Kisturbhai Zaveri Di V S Rd,
Anibawadi Ahmedabad
3 Sh Avinash Sheth Sahmaye Mithakhalai,
E B Ahmedabad
4 Sh Antilal Kisturbhai Zaveri Saguh Di V B
Rd I Ilsbridge Ahmedabad
5 Sh Indrividanbhai Prinal Shah Kalpana,
E B Ahmedabad
6 Sh Chinubhai Manibhai through Coparcener Shri
palbha C Sheth (HUF) Ratna Mani Ashram Road,
Ahmedabad
7 Sh Sanjeev Maheshbhai Zaveri Gulbar Tekin L
B Samali Ahmedabad
8 Sh Praful Chinubhai Shital Baug, Pathik
Ahmedabad

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(i) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expire later

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 1 day from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Land area 12117 1209, 24245 12121, 12097 14887, 12312
13775 sq yds respectively situated at village Shilaj Dist
Ahmedabad duly registered by S R Ahmedabad vide sale deed
No 12938 12939, 19934 12933 12931 12932, 12937 &
129936 (October 1981)

G C GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date 3-6-1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) Minal Land Development Co.
Partner Pramodbhai Ratilal Karia of HUF
2 Shri Hasmukhbhai Kasturbhai Shah
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh Pallavi Park Apartment Owners Association,
Member Sharadechandra Ramanlal Shah;
Pallavi Park, Municipal Market, Navrangpura
Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1946 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No TPS No 3 P.P. No 320 SP. No 8 situated at Changizpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid is the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing No TPS 3 P.P. No. 326 S P No. 8 ad-measuring 136.57 sq. yds. situated at Changizpur, Ahmedabad registered vide sale deed Regn. No. 12176 dated the 13-10-81 by Sub-Registrar Ahmedabad

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 3-6-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009 the 3rd June 1982

Re: No P R No 1915/Acq 23-LI/82-83 —Whereas I G C GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,00 and bearing No S No 206, SP No 21 patti No 1018 1697 1322 5679 3600 3834 3825 and 2209 situated at Village Dej Tal (District) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Ahmedabad on 110 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the same by more than fifteen per cent of such apparent consideration and thus the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Atmaram Acharatla & Co
Haji Administrator & P A Holder,
1 Shri Haridas Atmaram Dalal &
Smt Vinodaben Taximanlal Dalal
Ahmedabad

(Transferees)

(2) Shri Rasiklal Baldevdas Thakkar,
At Khajji Tal Mehmabad Dist Kaira

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property situated at village Dej Tal Desrur registered vide Regn No 11769 dated the 110-1981, by Sub-Registrar Ahmedabad

G C GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Ahmedabad

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

dated 11 June, 1982
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1944 Acq.23-1|82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing S. No. 449 situated at The boundary of Isanpur village, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 7-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Manhai Brothers K.F. two partners,
1. Sh. Satyanarayan Shankerlal Manhai,
2. Sh. Nawretmal Shankerlal Manhai,
198-2, Opp. Old Madhupura Dawakhana,
Ahmedabad.

(2) 1. Smt Kanchanben R. Shah,
12, Jainnagar, Ellisbridge, Ahmedabad.
2. Smt. Narangiben Prabodhchandra Shah;
4. Rangvarsha Coop. H. Secy. Ltd.
Shardamandir Road, Ahmedabad.

(Transferees)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property admeasuring 726 sq yds situated at S. No. 449 of Isanpur sim, Ahmedabad registered vide Regn. No. 11990 dated the 7-10-82 by S.R., Ahmedabad.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1943 Acq 23-JI82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No TPS. 4 PP. No. 140-5 situated at Boundary of Khokhra Ahmedabad Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R Ahmedabad on 5-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Kuntalaxmi widow of Girdharlal Motilal, Geetarthi Sadan, Saraswat Colony, Santacruz West, Bombay.
2. Sh. Rajendrakumar Girdharlal; F-15, Sadar Vallabhbhai Patel Society, Nehru Road Villa Park, East Bombay.
(Transferors)

(2) Kamal Apartment and Shops; Associates; President : Shri Girishbhai Manubhai Bhatt, 400/4, Girdhar Master's Compound, Saras�ui, Ahmedabad
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being building situated at the boundary of Khokhra Ahmedabad bearing TPS. No. 4 PP. No. 140-5 registered vide sale deed R. No. 11950 dated the 5-10-81

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date : 3-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpaben Harilal Jadav,
Mahavir Society, Saraspur,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Damodar Nagji Seipal,
Karampara Chawk, Nr. Vaghela Tramels,
Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd June 1982

Ref. No. P.R.Nc. 1942Acq.23-JI82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 296B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 15-B, situated at Swastik Coop. Housing Society
Ltd., Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 3-10-1981
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 277sq. yds. situated at Swastik Coop. Socy. Ltd., Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide sale deed No. 7830/3-10-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 2-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM TINS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) **Shri Mulji Ratnabhai Patel & another,**
14 Kewdawadi, Rajkot.

(Transferor)

(2) **Shri Dineshbhai Vallabhdas Padiya, 21, Ranch-**
hod nagar Society, Rajkot

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd June 1982

Ref. No P. R. No 1941 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I. G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 186-2, 187-1 situated at Bedipara, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land adm. 341-3-0 sq. yds. situated at Bedipara, Rajkot, duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale deed No. 8109, October, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
37 —156 GI/82

Dated : 2nd Ju
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 2nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1940 Acq. 23-I/82-83.— Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 864 situated at Jubilee Garden, Jawahar Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Rajkot on 15-10-1981 Rajkot on 15-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ramadevi alias Sharda Odhawji,
"Nath Vihar", Race Course, Opp. Jilla Panchayat,
Office Yagnik Road, Rajkot.
(Transferor)

(2) Shri Chandresh Subhash Kothari,
2, Panchnath Plot, "Kesar Villa"
Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 466 sq. mts. situated at Jawahar Road, near Jubilee Garden, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide sale-deed No. 8056/15-10-81 i.e. property as fully described therein.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 2nd June 1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1939 Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 337—Plot No. 13 paiki situated at Gitanagar, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on October 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Lavjibhai Shamjibhai Tank; Waniawadi No. 1, Rajkot. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Gulabben Dungershi Mehta;
2. Sh. Rameshkumar Dungershi Mehta & others;
C/o Rajesh Electric, Sanganwa Chowk,
Near Rain Bow Hotel,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Building standing on land 229-0-0 sq. yds. situated at Sitanagar, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale deed No. 8077 & 8078[October, 1981].

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Bhupendra Rasiklal;
Sarkhej Road, Maheknagar, Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Om Gayatri Apartment Owners' Association,
President : Sh. Hasmukhbhai Gangdasbhai
Parmar; Ambicanagar Society, Bapunagar,
Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1982

Ref. No. P.R. No. 1938 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No. S. No. 54-3-3 TPS. 21 FP. No. 412
situated at Ambicanagar Society, Bapunagar, Ahmedabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at S.R. Ahmedabad on 21-10-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The property bearing S. No. 54-3-5 TPS. 21 FP. No. 412
adm. 637 sq. yds. situated at Chhadavad alias Madalpur re-
gistered vide Regn. No. 12282 dated the 21-10-81.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-6-1982
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Sh. Vagheshwari Pulse Mills,
81/4, Vatwa, GIDC Ahmedabad

(Transferor)

(2) Gayatri Pestichem Mfg. Pvt. Ltd
81/4, Vatwa, GIDC Ahmedabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD 380009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1982

Ref No P.R. No 1937 Acy 23-I|82-83 —Whereas, I, G C GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 81/4 GIDC Vatwa situated at GIDC Vatwa, Industrial Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 24-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The property bearing Plot No 81/4, GIDC Vatwa at Vizol, City Taluka adm 3059 sq yds registered vide Regn No 12894 dated the 24-10-81

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

G C GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 1-6-1982
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1982

Ref. No. P.R. No 1936 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. bearing No. S. No. 75 of village Sola Tal. Dascroi situated at Sola Tal. Dascroi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Officer at Ahmedabad on 26-10-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Atmaram Maneklal, Sola, Tal. Dascroi, Dist. Ahmedabad. (Transferee)
 (2) Sh. Gautambhai Vimulbhai, Chimanlal Girdharlal Rd. Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing S. No. 75 situated at Sola Tal. Dascroi adm. 3 Acre 26 Guntha registered vide sale deed Regn. No. 6164 dated the 26-10-81 by Sub-Registrar, Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1935 Acq. 23-J|82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building situated at
Sanghvi Sheri, Morbi, Dist. Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morvi on 20-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Mahendrakumar Manhaiyal Sanghvi Memorial Trust;
Through : Trustee : Shri Bharatkumar Manhaiyal Sanghvi; C/o Kundan Villa, Street No. 14, Khar, Bombay.
(Transferor)
- (2) Sh. Jain Swetamber Murti Pujak Tathgachha Sangh, Morbi, Trust
President : Sh. Chhabilal Mohanlal; Sanghvi, Nagnath Sheri, Morbi, Dist. Rajkot.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 2400 sq. ft. situated at Sanghvi Sheri, Morvi, Dist. Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Morvi, vide sale-deed No. 4306|20-1-82 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 2-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1934 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I,

G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bldg. situated at Sanghvi Sheri, Morvi, Dist. Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morbi on 20-1-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahendrakumar Manharlal Sanghvi Memorial Trust; Through : Trustee : Shri Bharatkumar Manharlal Sanghvi, C/o, Kundan Villa, Street No. 14, Khar, Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kantilal Maneklal Sanghvi;
 2. Shri Pravinchandra Maneklal Sanghvi;
 3. Shri Mahendrakumar Maneklal Sanghvi;
 4. Shri Lalitkumar Maneklal Sanghvi;
 All at Senapati Bapat Road, Dadar, Bombay.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 1600 sq. ft. situated at Sanghvi Sheri, Morvi, Dist. Rajkot duly registered by S. R. Morvi, vide sale-deed No. 4307/20-1-82 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, I, Ahmedabad

Date : 2-6-1982
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref No PR No 1933 Acq 23-I 82-83 —Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No

S No 407-I, Parki TPS No 3 F P No 174 situated Vejalpur,
Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S R. Ahmedabad on 12-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Harivadan Chandrakant Satyaparthi;
1630, Mandevi's Pole, Ahmedabad.
2 Smt Indumatiiben Parmanand Patel,
8th Floor Damodar Block No 30 Wallashwar,
Bombay 6.

(Transferor)

(2) Shri Narendrakumar Narsinghji Shah,
9-Jay Bharat Apartments Swaminarayan Road,
Maninagar, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land bearing S No 407-S parki, TPS No 3, FP. 174 ad-
measuring 770 sq mts. situated at Vejalpur sim Ahmedabad
registered vide sale-deed Regn No 11732 dated the 1-10-81

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—
38—156 GI/82

Dated: 29-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1932 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing No. S. 199 & 194 paiki, TP S. No. 21 FP. No. 336 S.P. No. 4 situated Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 1-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Chandrakant Chinubhai Ghokshi;
8, 2nd Floor, Neeta Apartments, Narayannagar Rd.
Vasna, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Anilkumar Trikamal Patel;
2. Smt. Neeraben Anilkumar Patel;
3. Shri Paresh Anilkumar Patel;
C-5, Naerav Flats, Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A bungalow situated at Paldi bearing S. No. 199 and 194 paiki, TP S. No. 21 P.P. No. 336 S.P. No. 4 admeasuring 382 sq. mts. registered vide sale deed Regn. No. 12073 dated the 12-10-81 by S.R., Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 29-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Purshottamdas Ishwarbhai & others of
village Aslali, Tal. Dascroi.
(Transferor)
- (2) Sh. Ishwarkrupa Coop. Hsg. Society Ltd.,
Chairman; Shri Shirish Manubhai;
Hon. Secretary;
& Shri Bipinchandra Chimanlal,
Aslali, Dist. Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1931 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
bearing No. S. No. 1240 A-2, Block No. 1409 situated at
Village Aslali of Ahmedabad District
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Ahmedabad on 19-10-81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 1240-A-2 Block No. 1409 situated at
village Aslali Dist. Ahmedabad registered vide sale deed Regn.
No. 4117 dated the 15-10-81 by S.R. Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated: 29-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1930 Acq. 23-182-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS. 22, I.P. No. 22 SP. 12, situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 19-10-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Luxmanbhai Ramjibhai Kharidia; Kito House Kochrab, Paldi, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Sh. Sugatmalji Chalaji; for and on behalf of Shri Belaji Coop. Hsg. Society, High Way Park Society, Sabarmati, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 901 sq. yds. situated at TPS. No. 22 I.P. No. 22, SP. No. 12 at Paldi, Ahmedabad registered vide sale deed Regn. No. 12345 dated the 19-10-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 29-5-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Gandaji Saluji & Halluji Viraji
of Ranip, Sabarmati, Ahmedabad
(Transferor)
- (2) Sh. Ramanbhai Motibhai Patel,
President
Krishnabaug Coop. Hg Society Ltd
Ranip, Sabarmati, Ahmedabad.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1929 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I,

G. C. GARG

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. S. No. 36 of Ranip village, situated at Ranip, Sabarmati, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 16-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 850 sq. yds built-up upto plinth level situated at Ranip, Sabarmati Ahmedabad register vide sale deed Regn. No. 12329 dated 16-10-81 by S.R. Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 29-5-1982
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Shardaben M. Vyas,
68, Sharda Society, Ellisbridge,
Ahmedabad

(Transferor)

(2) Sh. Sumitlal Vadilal Shah
Archita Apartment Hr Bhuderpura
Ahmedabad

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009 the 29th May 1982

Reg. No. P.R. No. 1928 Acq. 23/82-83—Whereas, J.
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No. S. No. 88 F.P. No. 130 TPS No. 26 SP No. 9,
situated at Sim of Vasna Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at S.R. Ahmedabad on 16-10-81
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

land bearing S. No. 88 patti F.P. No. 130 of TPS No. 26 SP No. 9 adm. 419 sq. yds situated at sim of Vasna, Ahmedabad registered vide sale deed No. 12361 dated the 16-10-81 by S.R. Ahmedabad

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated 29-5-1982
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1927 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 259 Block No. 505 adm. 4 Acre 29 Gunthas situated at Village Ambli Tal. Dascroi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 10-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Jethabhai Somabhai; Mangalbhai Jethabhai & others; Ambli Tal. Dascroi, Ahmedabad. (Transferor)
 (2) Sh. Ambalal Mathurbhai. Smt. Taraben Ambalal & others, Naranpura, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land situated at S. No. 259 Block No. 505, situated at Ambli tal Dascroi, Dist. Ahmedabad registered vide sale deed Regn. No. 12425 dated the 19-10-81 by S.R., Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range, I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 29-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Kanjibhai Parbhubhai alias Prabhudas; Bodakdev Tal. Dascroi. (Transferor)
- (2) Shri Nagjibhai Bhallabhai Rabani, Parsi Bhattha Opp. Kalyan Mill, Naroda Road, Ahmedabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1926 Acq. 23-I|82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66 S.P. No. 1 situated at Parsi bhattha, Opp. Kalvan Mills, Naroda Road Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Ahmedabad on 23-10-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land situated at S. No. 66 SP. No. 1, at village Bodakdev admeasuring 2710 sq. vds. registered vide sale deed Regn. No. 12828 dated the 23-10-81 by S.R. Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 29-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1925 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 206-2 paiki half of the land situated at Bodakdev Tal. Dascroi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 21-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Death-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Dhulabhai Motibhai Karta of HUF. of Sh. Dhulabhai Motibhai, Thaltej, Bodakdev, Tal. Dascroi Dist Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Vahibhai Kahrabhai Rabari;
2. Sh. Mamadevhai Ramjibhai Rabari;
3. Sh. Bababhai Bhukhai Rabari & others; Naroda Raod, Opp. Kalavan Mill Chawl, Punjab Chawl, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2934½ sq. yds. situated at village Bodakdev Tal. Dascroi Dist. Ahmedabad registered vide sale deed Regn. No. 12597 dated the 21-10-81 by S.R. Ahmedabad.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad

Dated: 29-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
39—156 GI|82

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016**

Cochin-682016, the 10th June 1982

Ref I.C. 580/82-83.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Quilon on 21-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri Mathew C. Luke,
C/o Alliel Cashew Industries,
Kadappakada, P.O.
Quilon-691008.

(2) Sri N. Jayaprakash,
"Nandabhan", Thamarakulam
Beach Road, Quilon-691001.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

22 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 3210 dated 21-10-1981.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Date : 10-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 10th June 1982

Ref. I.C. 581/82-83.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Quilon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Quilon on 21-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Shaji C. Luke,
C/o Allied Cashew Industries,
Kadappakada, P.O.
Quilon-691008.

(2) Sri N. Jayaprakash,
"Nandabhan", Thamarakulam
Beach Road, Quilon.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

22 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 3211 dated 21-10-81.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri John C. Luke,
-C/o Allied Cashew Industries,
Kadappakada, P.O.
Quilon-691008.

(Transferor)

(2) Sri N. Nanda Kumar
"Nanda Bhavan"
Thamarakulam,

(Transferee)

Beach Road, Quilon-691001.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 10th June 1982

Ref. L.C. 582/82-83.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sv. No.

As per Schedule situated at Quilon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 21-10-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

24 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 3209 dated 21-10-1981.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ram Kalyan & Others,
Khatipura (Jaipur)

(Transferor)

(2) Shri Ram Kanwal & Others,
Khatipura (Jaipur)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1982

Ref No —Whereas, I S S GANDHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

situated at Kalyanpura

and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sanganer on 3-11-1981

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Kalyanpura (Khatipura) Teh Sanganer measuring 13 10 bigha and more fully described in the sale deed registered by S R, Sanganer vide No 600 dated 3-11-1981

S S GANDHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Date 11-6-1982
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Jagannath s/o Mangal Bagra,
Prithvisinghpura,
Teh. Sanganer.

(Transferor)

(2) Shri Pratap Singh Bhanu,
R/o Banswara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961. (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1982

Ref. No.—Whereas, I, S. S. GANDHI, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Prithvisinghpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 12-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 6 bigha 15 biswa situated at Village Prithvisingh Pura, Teh. Sanganer and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sanager vide No. 554 dated 12-10-81.

S. S. GANDHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1982
Seal :

FRAM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1982

Ref. No.—Whereas, I, S. S. GANDHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Sarangpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer (No. 5581) on 14-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Jagdish s/o Jangalram
Shri Rameshwar s/o Jangalram
Village Sarangpura, Teh. Sanganer.

(Transferor)

(2) Kumar Firoza Rehman
S/o Abdul Rehman Choudhary,
Through guardian Shri Abdul Rehman Choudhary,
Makranu, Distt. Nagaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 bigha 13 biswa of cultivated land situated in village Sarangpura, Teh. Sanganer and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Sanganer vide registration No. 558 dated 14-10-1981.

S. S. GANDHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur.

Date : 11-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jagannath s/o Mangu Bagra,
Prithvi singhpura,
Teh. Sanganer.

(Transferor)

(2) Smt. Vishva Jyoti
W/o Shri Pratap Bhanu Singh,
R/o Banswara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1982

Ref. No.—Whereas, I, S. S. GANDHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Prithvi Singhpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanganer on 12-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 18 bigha situated at village Prithvi singhpura, Teh. Sanganer and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sanganer vide No. 553 dated 12-10-1981.

S. S. GANDHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1982
Seal .

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Pratab,
S/o Shri Sinalai Balai,
R/o Mazamabad
(Transferor)

(2) Shri Dalchand,
S/o Shri Gulabchand Balai,
R/o Deori.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1982

Whereas, I, S. S. GANDHI

Ref. No. ——.—Whereas I, S. S. GANDHI being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Sangpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 23-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 bigha situated at village Sangpur Teh Sanganer and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sanganer vide No. 632 dated 23-11-81.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. S. GANDHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
40—156 G.I.82

Date : 11-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE-I**

Pune-I, the 14th June 1982

Ref. No. JAS/CA5/SR-Miraj-II/Oct 81/667/82-83.—

Whereas, I, R. K. AGGARWAL,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.,
Grampanchayat No. 1185, C.S. No. 2285 situated at
Mhaisal, Tal. Miraj, Dist. Sangli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR. Miraj-II on October, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Bahubali Satogndha Patil & Other,
At Mhaisal,
Tal. Miraj.
Dist. Sangli.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Sanbera,
Chairman of
Vasant Sarva Seva Sahakari Society Ltd.
Mhaisal, Tal. Miraj.
Dist. Sangli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Grampanchayat No. 1185 C.S. No 2285
situated at Mhaisal, Tal. Miraj, Dist. Sangli.

(Property as described in the sale deed registered under
document No. 1689 in the Office of the Sub Registrar Miraj-
II in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 14-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Narayan Ramchandra Sahotre,
75, Samarthanagar, Chunabhatti (Sion),
Bombay-400 022.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Karamsi Patel,
Nataraj Co-Op. Housing Society Ltd.,
Nagchowk, Panchwati,
Nasik-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-I

Pune-1, the 7th June 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Nasik/Oct.81/712/82-83.—

Whereas, I, R. K. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 296B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 428[A]7, Plot No. 38 situated at Maneksha Nagar,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
City Nasik on Oct. 1981
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 428[A]7 Plot No. 38 situated at Manekshnagar, Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 4897 in the office of the Sub Registrar, Nasik in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 2nd June 1982

Ref. No. IAS|CA5|SR.Nasik|Nov.81|709|82-83.—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 34, R.S. No. 312|2A & 2D|34 situated at D'Sousa Shivagiri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Nasik-7 on November, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Greta Clara Mederia and
Mrs. Lester Joseph Mederia,
Marie Cottage, 12th Road,
Catholic Colony, Chembur,
Bombay-400 071.

(Transferor)

(2) Shri Douglas D'Souza,
4, Bank of India Building,
Hill Road, Bandra,
Bombay-400 050.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 34, R.S. No. 712|2A and 2D|34 situated at "D'Sousa Shivagiri Colony", Gangapur Road, Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 5207 in the office of the Sub Registrar, Nasik in the month of November, 1981).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-6-1982
Seal :

FORM I.I.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-I

Pune-I, the 7th June 1982

Ref. No. IAC CAS/SR.Ahmednagar/Oct.81/710-82-83.—

Whereas, I, R. K. AGGARWAL being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. No. 454/2 situated at Kapurwadi, Dist. Ahmednagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Ahmednagar on October 1881 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gulshankumar Jivandas Ubhraya & Others 3,
At Savedi,
Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Simaratmal Bora & Others 3,
M. G. Poad,
Vijay Sadi Centre,
Dist. Ahmednagar.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 454/2 situated at Kapurwadi, Dist. Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2978 in the office of the Sub Registrar, Ahmednagar in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :—

Date 7-6-1982.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-I

Pune-I, the 7th June 1982

Ref. No. IAC|CA5|SR.Jalgaon|Dec.81|713 82-83.—

Whereas, I, R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sheet Gat No. 349 situated at Kusume Khurd
Tl & Dist. Jalgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

SR. Jalgaon on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vikram Naval Patil,
At Kusumbe Khurd
Post Chincholi,
Pal & Dist. Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Tukaram Sonu Kale & Others 5,
474, Vitthal Peth,
Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Sheet Gat No. 349 situated at Kusumbe Khurd, Tal & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 4439 in the Office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of December, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-I

Pune I, the 7th June 1982

Ref No IAC[CA5]SR Ahmednagar/Oct 81|711|82-83 —

Whereas I R K AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S No 4541 situated at Kapurwadi Dist Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Ahmednagar in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gulshankumar Jivandas Ubharaya, & others 3
At Savedi,
Dist Ahmednagar

(Transferor)

(2) Shri Ashok Simratmal Bora & Others 3,
M G Road
Vijay Sudi Centre,
Ahmednagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing S No 4541 situated at Kapurwadi, Dist Ahmednagar

(Property as described in the sale deed registered under document No 2979 in the Office of the Sub Registrar, Ahmednagar in the month of October, 1981)

R K AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 7-6-1982
Seal

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 2nd June 1982

Ref. No. IAC|CA5|SR.Jalgaon|707/Oct.81|82-83.—

Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shet S. No. 26912B situated at Mehrun, Oist. Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Jalgaon on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Pund Motiram Mahajan,
At P.O. Mehrun,
Tal & Dist. Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Anirudha Vishwanath Patil,
Managing Partner M/s. Sonal Traders, Jalgaon,
172, Navi Path, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. No. 26912B situated at Mehrun, Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No 3884 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of October, 1881.

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 2-6-1982
Sgnl. :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-I

Pune-I, the 9th June 1982

Ref. No. IAC CAS SI.Jalgaon/Oct.81 717/82-83 —
 Whereas, I R. K. AGGARWAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shet Gat No. 337/2 situated at Pimprale, Dist. Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Jalgaon on Oct 1981
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Suresh Tukaram Choudhari,
 Polan Peth, Jalgaon.

(Transferor)

(2) Ms. Pragati Builder Jalgaon,
 Partner Shri Anirudha Vishwanath Patil,
 172, Navi Peth, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Shet Gat No. 337/2 situated at Pimprale, Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3851 in the office of the Sub Registrar Jalgaon in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 41—156 GI/82

Date : 9-6-1982
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG7, PUNE-1

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. IAC|CA5|SR Karvir|Oct.81|718|82-83.—Whereas,

1. R. K. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 875|3, Plot No. 4 situated at E-Ward, Tarabai Park, City Kolhapur, Tal Karvir, Dist. Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Karvir on Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Shri Udaysinh Jaysingrao Ghorpode,
Shivaji Park,
KOLHAPUR.
(Transferor)
- (2) Shri Avinash Vishwasrao Patil,
Malkapur Bungalow Compound,
14, 'E' Vishalgad House,
KOLHAPUR.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing R.S. No. 875|3, Plot No. 4 situated at E-Ward, Tarabai Park, Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3337 in the Office of the Sub-Registrar, Karvir in the month of October, 1981).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1982.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lilabai Meghraj Kariya,
Panchvati,
NASIK-3.

(Transferor)

(2) Shri Govind Damodar Puranik,
Panchvati,
NASIK-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 8th June 1982

Ref. No. IAC[CA5]SR.Nasik/Oct.81|714|82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 717|18-1A-1-i situated at H.P.T. College Road, Nasik

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Nasik on Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing R. S. No. 717|1B-1 situated at H.P.T. College Road, Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 5003 in the Office of the Sub-Registrar, Nasik in the month of October, 1981.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 9-6-1982.
Seal :

FORM ITN3**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

**OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANG7, PUNE-1**

Pune-1, the 9th June 1982

Ref. No. IAC|CA5|SR.Jalgaon|Oct.81|716|82-83.—Whereas, T. R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing C. S. No. 2190/I situated at Balmam Peth, Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at SR. Jalgaon on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) On behalf of Smt. Kamalabai Hari Kolhatkar & Other Dr. Pradeep Parshuram Patwardhan, Saraswati Bungalow, Lane No. 10, Prabhav Road, Erandwane, PUNE-4.

(2) Sou. Vaikhari Vinnyak Dhoukidar, 303, Balmam Peth, JALGAON.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No 2190/I situated at Balmam Peth, Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3476 in the Office of the Sub-Registrar Jalgaon in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 9-6-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Miss Hilla Khurshedji Bharucha,
Tayabi Tarees,
52, Forgetti Street,
BOMBAY-400 036.

(Transferor)

(2) M/s. M. Prakash Co
G/151, Prem Nagar,
THANE (East).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 9th June 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Bombay/Oct.81/715,82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Barrack No. 1487 situated at Street No. 13, Section 30-A, Ulhasnagar, Dist. Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bombay on Oct 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing Barrack No. 1487 Street No. 13, Section 30-A at Ulhasnagar

(Property as described in the sale deed registered under document No. R-2702 in the Office of the Sub Registrar, Bombay in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1982.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hanuman Prasad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Jitendra Kumar; 2. Shri Brijesh Kumar Minors.

(Transferee)

(3) Above transferees.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th June, 1982

G.I.R. No. J-59/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No.

545/155, 7-C, situated at Sector-A, Mahanagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 19-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area: 32000 sq ft situated at No 545/155-7C, Mahanagar, Sector-A, Lucknow and all that description which is mentioned in the sale deed and Form 37G, No 6447, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 19-10-1981

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dte : 10-6-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sm. Mridula Toshi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Ganesh Prasad Goenka

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE III**

Calcutta, the 9th June 1982

Ref. No. 1106/Ac0 R III/82 83.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16'1B, situated at Chakrabheria Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All the piece of parcel of land measuring 7K 7Ch 20 sft situated at 16'1B, Chakrabheria Lane, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 9-6-1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Dharsi Lilladhar.

(Transferor)

(2) Smt. Anjana Kharkia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 9th June 1982

Ref No 1100 Acq R III 82-83.—Whereas, I K SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3, 4, 5 & 6 situated at Hare Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 15K 13Ch with building being premises No. 3, 4, 5 & 6, Hare Street, Calcutta.

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III|Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta 700 016

Date : 9-6-1982,

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Dharsi Tilladar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Premlata Kharkia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th June 1982

Ref. No. 1101/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

3, 4, 5 & 6 situated at Hare Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 31-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein ^{as} are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 15K 13Ch with building being premises No. 3, 4, 5 & 6, Hare Street Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III/Calcutta,
54, Razi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta, the 14th June 1982

Ref. No. TR-206/81-82/SI 430/LAC/Acq.R-I/Cal.—Whereas,

I, K SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24 situated at Jawaharlal Nehru Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 24-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sailendra Nath Chowdhury. (Transferor)
- (2) M/s. Francis Klein & Co. Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) Tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/3rd share of two storeyed building with land measuring 1B 17K 11Ch 9 sft. being premises No. 24, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 8903 dated 24-10-81.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nitendra Nath Chowdhury. (Transferor)
(2) M/s. Francis Klein & Co. Pvt. Ltd. (Transferee)
(3) Tenants. (Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta, the 14th June 1982

Ref. No. TR-205[81-82]Sl.429¹IAC|Acqn.R-1|Cal.Whrcas,
1. K SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 13,000/- and bearing No.
24, situated at Jawaharlal Nehru Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 24-10-81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Undivided 1 $\frac{1}{3}$ rd share of two storeyed building with land measuring 1B 17K 11Ch 9 sft. being premises No. 24, Jawhalal Nehru Road, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 8904 dated 24-10-81

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Chittagong-700 016

Date : 14-6-1982
Seal :

